mediaauditornews@gmail.com Epaperdainikmediaauditor.in वर्ष-06 अंक-194 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

सतना
15 जुलाई 2026 बुधवार

दैनिक मीडिया ऑडीटर

दैनिक मीडियाऑडीटर

सतना, रीवा एवं मनेन्द्रगढ़ से एक साथ प्रकाशित

ऑपरेशन सिंदूर के बाद 10 लाख करोड़ की डिफेंस डील

» 14 महीने में हथियारों की खरीद का पैटर्न बदला; लंबी जंग की तैयारी

नई दिल्ली,एजेंसी। ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत की रक्षा खरीद का पैटर्न तेजी से बदला है। पिछले 14 महीनों में मंजूर रिकॉर्ड प्रस्तावों से संकेत मिलता है कि सेना को अब सिर्फ सीमित जवाबी कार्रवाई के लिए नहीं, बल्कि लंबी और मल्टीलेवल वॉर के लिए तैयार किया जा रहा है। डिफेंस एक्विजिशन काउंसिल ने संघर्ष के बाद से 55 प्रस्तावों को मंजूरी दी, जिनकी कुल कीमत 9.80 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा है। यह रकम एक साथ खर्च नहीं होगी, बल्कि कई साल में अलग-अलग सौदों, निर्माण कार्यक्रमों और आधुनिकीकरण योजनाओं पर लगेगी।

तैयारी की वजह युद्ध छिड़ना अब सामान्य बात: तैयारी की पहली वजह ये है कि युद्ध छिड़ना अब सामान्य बात होती जा रही है। दूसरे, जंग छिड़ने के बाद उसे रोकना आसान नहीं रह गया है और तीसरी बात दुश्मन की कोशिश यह होती है कि लंबी और आर्थिक रुप से चोट पहुंचाने वाले सैन्य संघर्ष को जारी रखा जाए।

नए प्रस्ताव में लक्ष्य महीनों तक हथियार, मरम्मत में तेजी और रसद बनाए रखना है। रक्षा विशेषज्ञ मानते हैं कि यूक्रेन और पश्चिम एशिया के लंबे संघर्षों ने भारत की सैन्य सोच बदली है। हालांकि, पनडुब्बियों, पांचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमानों में देरी अब भी बड़ी चुनौती है।

रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, 2025-26 में भारत का रक्षा निर्यात रिकॉर्ड 38,424 करोड़ रुपए पहुंच गया, जो पिछले साल से 62% ज्यादा है। ब्रह्मोस के लिए फिलीपींस, वियतनाम और दो अन्य देशों से करीब 12,500 करोड़ रुपए के सौदे हो चुके हैं। इंडोनेशिया के साथ लगभग 3,600 करोड़ रुपए की डील अंतिम मंजूरी के चरण में है। आकाश मिसाइल सिस्टम के लिए आर्मेनिया से 6,100 करोड़ रुपए का कॉन्ट्रैक्ट पहले ही हो चुका है।

100 से ज्यादा देशों को 38,424 करोड़ रु. का निर्यात: भारत अब 100 से अधिक देशों को रक्षा उपकरण निर्यात करता है। इनमें अमेरिका, फ्रांस और आर्मेनिया प्रमुख हैं। अमेरिका सबसे बड़ा खरीदार है, जहां 2.8 अरब डॉलर के प्रणाली और पार्ट्स, बोइंग और लॉकहीड मार्टिन जैसी बड़ी कंपनियों को जाते हैं।

ऑपरेशन सिंदूर से दुनिया में भारतीय हथियारों की डिमांड बढ़ी... ऑपरेशन सिंदूर में ब्रह्मोस, आकाश, लॉयटरिंग म्युनिशन और नेत्र जैसे भारतीय हथियारों के इस्तेमाल के बाद दुनिया में इनकी मांग तेजी से बढ़ी है। कई देशों ने इन्हें खरीदने में रुचि दिखाई है। कुछ देशों के साथ हजारों करोड़ रुपए के सौदे भी हो चुके हैं। इनकी कीमत 21,000 करोड़ रुपए से ज्यादा है।

ईरानी हमले में भारतीय की मौत, डिप्लोमेट तलब

होर्मुज में तेल टैंकरों पर मिसाइल हमले किए थे अमेरिका की ईरान पर 5 घंटे बमबारी

तेल अवीव/ तेहरान/ वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। होर्मुज स्ट्रेट में ईरान ने सोमवार देर रात ओमान के दो तेल टैंकरों पर क्रूज मिसाइलों से हमला किया। हमले में एक भारतीय की मौत हो गई, जबकि 6 भारतीय नागरिकों समेत 8 लोग घायल हैं। भारत ने मंगलवार सुबह ईरान के उप राजदूत मोहम्मद जवाद हुसैनी समेत ईरानी डिप्लोमेट्स को तलब किया। विदेश मंत्रालय ने घटना पर गंभीर चिंता जताई और ईरानी मिशन से जवाब मांगा। इधर, अमेरिका ने मंगलवार सुबह ईरान पर करीब पांच घंटे बमबारी की। अमेरिकी सेंट्रल कमांड के मुताबिक, बुशहर, चाबहार, जास्क, कोनार्क, अबू मूसा और बंदर अब्बास स्थित सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया गया। ईरान की संसद की राष्ट्रीय सुरक्षा समिति के प्रमुख इब्राहिम अजीजी ने कहा है कि होर्मुज स्ट्रेट के मैनेजमेंट से जुड़ा एक बिल संसद में पेश किया गया है। उन्होंने बताया कि यह बिल होर्मुज स्ट्रेट और फारस की खाड़ी की सुरक्षा और विकास के लिए रणनीतिक कार्रवाई के लिए पेश किया गया है।

ज्यादातर अमेरिकी मानते है कि ईरान जंग लंबी चलेगी... रॉयटर्स-इप्सोस के नए सर्वे के मुताबिक, 79% अमेरिकी मानते हैं कि ईरान के खिलाफ अमेरिकी सैन्य कार्रवाई लंबे समय तक जारी रहेगी। मार्च के आखिर में यह आंकड़ा 65% था, यानी इसमें 14% की बढ़ोतरी हुई है।

: ब्रीफ बॉक्स :

राममंदिर ट्रस्ट कोषाध्यक्ष बोले-3 करोड़ तक चढ़ावे की चोरी हुई

अखिलेश यादव के खिलाफ पोस्टर- दिल में बाबर, मुंह में राम

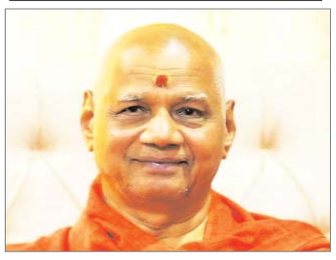

अयोध्या,एजेंसी। अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी के मामले के बीच श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष स्वामी गोविंददेव गिरि ने कहा- जहां तक मेरा अनुमान है करीब 3 करोड़ रुपए की चोरी हुई होगी। 14 करोड़ रुपए के सोने-चांदी के जेवर और नकदी चोरी होने की बात गलत है।

गोविंददेव गिरि ने पुणे में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान अपने इस्तीफे की खबरों को भी खारिज कर दिया। उन्होंने कहा- मैंने कोई इस्तीफा नहीं दिया है।

इधर, श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की वेबसाइट से पूर्व महासचिव चंपत राय और ट्रस्टी डॉ. अनिल मिश्र का नाम हटा दिया गया है। इससे पहले दोनों की VIP पास आईडी भी ब्लॉक कर दी गई थी।

हाफिज सईद के खिलाफ जम्मू कोर्ट से गैर-जमानती वारंट जारी

श्रीनगर ,एजेंसी। जम्मू की स्पेशल कोर्ट ने लश्कर-ए-तैयबा चीफ हाफिज सईद के खिलाफ पहलगाम केस में गैर-जमानती वारंट जारी किया है। कोर्ट ने कहा कि निष्पक्ष जांच के लिए हाफिज सईद को हिरासत में लेकर पूछताछ करनी होगी। कोर्ट ने 8 जुलाई को आदेश जारी किया था, जानकारी मंगलवार को सामने आई है। इससे पहले 6 जुलाई को राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने पहलगाम हमले को लेकर सप्लीमेंट्री चार्जशीट दाखिल की थी। एजेंसी ने कहा था कि बैसरनघाटी में हुए आतंकी हमले की साजिश हाफिज सईद ने ही रची थी। एनआईए ने हाफिज पर भारत के खिलाफ जंग छेड़ने का आरोप लगाया है। 22 अप्रैल 2025 को आतंकवादियों ने पहलगाम में धर्म पूछकर लोगों की हत्या की थी। हमले में 26 टूरिस्ट मारे गए थे।

इसके बाद भारत ने 6-7 मई की रात ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान और PoK में 9 ठिकानों पर हमला किया था। भारत का दावा है कि इसमें 100 से ज्यादा आतंकी मारे गए।

पहली चार्जशीट 15 दिसंबर को दाखिल: पहलगाम हमले के बाद एनआईए ने 15 दिसंबर 2025 को पहली चार्जशीट दाखिल की थी। इसमें पाकिस्तान के आतंकी हैंडलर साजिद जट समेत 6 आर्तकियों को आरोपी बनाया था। उस वक्त हाफिज सईद का नाम सामने नहीं आया था। पहलगाम हमले के 3 आतंकी मारे जा चुके हैं। आर्तकियों का हैंडलर सैफुल्लाह जट्ट उर्फ लंगड़ा अभी जिंदा है। उस पर 10 लाख का इनाम है।

धार भोजशाला परिसर के पास हर शुक्रवार होगी नमाज

● सुप्रीम कोर्ट का निर्देश, मुस्लिम पक्ष को अलग जगह दें, एएसआई परिसर से छेड़छाड़ ना करें

धार,एजेंसी। धार की भोजशाला को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के उस फैसले के खिलाफ मुस्लिम पक्ष की अपील पर सुनवाई करने के लिए सहमति दे दी है, जिसमें भोजशाला को मंदिर घोषित किया गया था। हालांकि, कोर्ट ने फिलहाल भोजशाला परिसर में नमाज की अनुमति देने से इनकार कर दिया। इसके बजाय सुप्रीम कोर्ट ने प्रदेश सरकार को निर्देश दिया कि शुक्रवार को दोपहर 1 से 3 बजे के बीच नमाज अदा करने के लिए भोजशाला परिसर से सटे किसी खुले स्थान की व्यवस्था की जाए।

सुप्रीम कोर्ट ने यह भी आदेश दिया कि भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (ASI) कोर्ट की अनुमति के बिना भोजशाला परिसर में कोई भी संरचनात्मक बदलाव नहीं करेगा।

कोर्ट ने फिलहाल अंतरिम राहत देने से इनकार किया: सुप्रीम कोर्ट ने मध्य प्रदेश के धार स्थित ऐतिहासिक भोजशाला-कमाल मौला परिसर को लेकर मुस्लिम पक्षों की याचिकाओं पर नोटिस जारी किया है। इन याचिकाओं में मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के उस फैसले को चुनौती दी गई है, जिसमें भोजशाला को मां सरस्वती का मंदिर माना गया था और परिसर में नमाज अदा करने पर रोक लगा दी गई थी। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहन की पीठ ने मामले की सुनवाई की। हालांकि, कोर्ट ने फिलहाल अंतरिम राहत देने से इनकार कर दिया। यानी पहले जैसी व्यवस्था बहाल नहीं होगी, जिसके तहत शुक्रवार को मुस्लिम समुदाय को नमाज और निर्धारित दिनों में हिंदू पक्ष को पूजा की अनुमति थी। सुप्रीम कोर्ट ने मामले में सभी पक्षों से जवाब मांगा है। अब इस विवाद पर आगे की सुनवाई बाद में होगी।

मामले की सुनवाई शुरू होते ही मुख्य न्यायाधीश (CJI) सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने मुस्लिम पक्ष की याचिकाओं पर नोटिस जारी करने का फैसला किया। साथ ही, मामले को अंतिम सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करने के निर्देश दिए।

मुस्लिम पक्ष ने हाईकोर्ट के फैसले पर जताई आपत्ति: मुस्लिम पक्ष की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता हुजेफा अहमदी ने दलील दी कि हाईकोर्ट के फैसले से परिसर में वर्षों से चली आ रही धार्मिक व्यवस्था पूरी तरह बदल गई है। उन्होंने अदालत को बताया कि लंबे समय से शुक्रवार को मुस्लिम समुदाय नमाज अदा करता था, जबकि मंगलवार को हिंदू पक्ष को पूजा की अनुमति थी। हाईकोर्ट के आदेश के बाद मुस्लिम समुदाय को परिसर में प्रवेश और नमाज से वंचित कर दिया गया है। उन्होंने भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) की रिपोर्ट और उसके आधार पर दिए गए निष्कर्षों पर भी सवाल उठाए।

भोजशाला परिसर में कोई भी संरचनात्मक बदलाव नहीं होगा... मुस्लिम पक्ष की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता हुजैफा अहमदी की मांग स्वीकार करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने निर्देश दिया कि भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (ASI) कोर्ट की पूर्व अनुमति के बिना भोजशाला परिसर में कोई भी संरचनात्मक बदलाव नहीं करेगा। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी संकेत दिया कि मामले की अंतिम सुनवाई करीब तीन सप्ताह बाद की जाएगी।

पूजा स्थल अधिनियम का दिया गया हवाला... वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने भी मुस्लिम पक्ष की ओर से पक्ष रखा। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश हाईकोर्ट का फैसला पूजा स्थल (विशेष उपबंध) अधिनियम, 1991 की भावना और प्रावधानों के विपरीत है। उनका कहना था कि परिसर में लंबे समय से नमाज अदा की जाती रही है और इसके समर्थन में कई सरकारी अभिलेख भी उपलब्ध हैं। ऐसे में लंबे समय से चली आ रही व्यवस्था को बदलना कानून के अनुरूप नहीं माना जा सकता।

ऑस्ट्रेलिया में मोदी के कार्यक्रम पर विवाद

आयोजकों ने कहा: पैसे देकर लोगों को नहीं बुलाया

» कांग्रेस ने कहा था- पीएम के स्वागत में भाड़े के लोग आए

नई दिल्ली,एजेंसी। पीएम मोदी के मेलबर्न में हुए 'मेलबर्न मीट्स मोदी' कार्यक्रम पर आयोजकों ने कहा कि इस कार्यक्रम में आने के लिए लोगों को पैसे नहीं दिए गए थे। इससे पहले कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट करते हुए आरोप लगाया था कि 9 जुलाई को हुए इस कार्यक्रम में लोगों को पैसे देकर चार्टर्ड प्लेन से बुलाया गया था।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, कार्यक्रम के आयोजकों ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को लेटर लिखकर माफी और बयान वापस लेने की मांग की है। उन्होंने कहा कि ऐसा बयान भारतीय-ऑस्ट्रेलियाई समुदाय का अपमान है। इसका खर्च BJP, भारत सरकार या ऑस्ट्रेलिया सरकार ने नहीं उठाया।

दरअसल, पीएम मोदी 9 और 10 जुलाई को ऑस्ट्रेलिया दौरे पर थे, जहां हुए 'मेलबर्न मीट्स मोदी' कार्यक्रम में करीब 30 हजार लोग शामिल हुए थे।

कांग्रेस ने कहा था कि मोदी के स्वागत के लिए भाड़े के NRI लाए गए... 11 जुलाई को कांग्रेस नेता पवन खेड़ा समेत कांग्रेस के कई नेताओं ने सोशल मीडिया पर पीएम मोदी के कार्यक्रम एक एक वीडियो शेयर कर लिखा था कि मोदी के स्वागत के लिए भाड़े पर NRI लाए गए हैं। वहीं, 25-30 हजार लोगों को पैसे देकर यहां बुलाया गया था।

11 साल में तीसरी बार मानसून पर ब्रेक, यूपी में अब तक 19%, एमपी में 3% कम बारिश

» अरुणाचल में आईटीबीपी के 15 जवान फंसे

नई दिल्ली/ भोपाल, एजेंसी। देश के बड़े हिस्से में जुलाई में मानसून ब्रेक जैसी स्थिति बनी है। साल 2015 और 2021 के बाद 11 साल में यह तीसरा मौका है। मौसम विभाग के मुताबिक 6-7 दिनों तक उत्तर-पश्चिम, मध्य और दक्षिण भारत के अधिकांश हिस्सों में बारिश के आसार कम हैं। हालांकि, पूर्वोत्तर, बिहार और पश्चिम बंगाल में तेज बारिश जारी रहेगी। मध्य प्रदेश में पहली बार जुलाई में मानसूनी सीजन में कम बारिश दर्ज की गई है। मौसम विभाग के मुताबिक प्रदेश में अब तक 241.8 मिमी बारिश हुई है, जो सामान्य बारिश 250.1 मिमी से 3% कम है।

वहीं, उत्तर प्रदेश में 1 जून से 13 जुलाई के बीच 161.6 मिमी बारिश हुई, जो कि औसतन 199.7 मिमी से 19% कम है। राजस्थान में पिछले 24 घंटे में कहीं भी बारिश नहीं हुई। श्रीगंगानगर में अधिकतम पारा 41.5डिग्री रहा।

सोमवार को अरुणाचल के कुरुंग कुमे जिले में कुमे नदी में बाढ़ के बाद भारत-चीन सीमा (LAC) के पास टापा बॉर्डर आउटपोस्ट पर तैनात।

नॉर्थ-ईस्ट राज्यों में बाढ़ जैसे हालात... पूर्वोत्तर में बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। बिहार, असम, मेघालय, सिक्किम, अरुणाचल में लैंडस्लाइड और बाढ़ की खबरें सामने आ रही हैं।

बंगाल की खाड़ी में 9 मछुआरों के शव मिले

बॉडी सड़ जाने से पहचान मुश्किल; 8 दिन पहले बोट पलटी थी; 6 अब भी लापता

कोलकाता,एजेंसी। पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना के पास बंगाल की खाड़ी में डूबे एक ट्रॉलर से आठ दिन बाद नौ मछुआरों के शव बरामद किए गए हैं। छह मछुआरे अब भी लापता हैं और उनकी तलाश जारी है।

'जय मां काली' नाम का ट्रॉलर 2 जुलाई को पूर्व मेदिनीपुर जिले के शंकरपुर मछली बंदरगाह से 15 मछुआरों को लेकर समुद्र में मछली पकड़ने निकला था। 6 जुलाई के बाद ट्रॉलर से संपर्क टूट गया था।

अधिकारी ने बताया कि समुद्र में कई दिन रहने के कारण शव बुरी तरह सड़ चुके हैं और उनकी पहचान करना मुश्किल है। अब उनकी पहचान डीएनए (DNA) जांच के बाद ही हो सकेगी। पीएम मोदी ने हादसे पर दुख जताते हुए मृतकों के परिजनों को पीएमएनआरएफ से दो-दो लाख रुपये की सहायता देने का ऐलान किया है।

रविवार को कई मछली पकड़ने वाले ट्रॉलरों की मदद से इसे पाथरप्रतिमा के सीतारामपुर तट तक लाया गया। इसके बाद पूरी रात चले राहत अभियान में ट्रॉलर के अंदर से नौ मछुआरों के शव निकाले गए। प्रारंभिक जांच में माना जा रहा है कि बंगाल की खाड़ी में खराब मौसम के कारण ट्रॉलर पलट गया होगा। हालांकि, हादसे की असली वजह जांच पूरी होने के बाद ही सामने आएगी।

आठ दिन की तलाश के बाद मिला डूबा ट्रॉलर... जिला प्रशासन के मुताबिक, पुलिस और भारतीय तटरक्षक बल ने आठ दिन की तलाश के बाद शनिवार को बक्खाली तट से करीब 35 किलोमीटर दूर बाघेर चार के पास डूबे ट्रॉलर का पता लगाया।

केरलम- डॉक्टर की सैलरी 20 हजार, इतनी ही सफाईकर्मी

» जरूरत से 10 गुना ज्यादा डॉक्टर, इंडियन मेडिकल एसोसिएशन बोला- 66% डॉक्टर की हालत बंधुआ मजदूरों जैसी

तिरुवनंतपुरम,एजेंसी। केरलम का मेडिकल इंफ्रास्ट्रक्चर देश में सबसे मजबूत माना जाता है, लेकिन वहां डॉक्टरों को दिक्कत हो रही है। निजी अस्पतालों में एक एमबीबीएस जूनियर डॉक्टर 12 से 24 घंटे की ड्यूटी के बदले महज 20 हजार कमा पा रहा है। यह वेतन सफाईकर्मी के बराबर है।

दरअसल, केरलम हर साल 7 हजार से ज्यादा डॉक्टर तैयार कर रहा है, जबकि जरूरत 600 से 700 की है। हेल्थकेयर में इसे 'ओवरफ्लडिंग' कहते हैं। राज्य में इतने डॉक्टरों को सरकारी अस्पतालों में एडजस्ट करने की व्यवस्था ढह चुकी है। इसलिए कई जूनियर डॉक्टर या तो बेरोजगार हैं या निजी अस्पतालों में सफाईकर्मियों के बराबर वेतन पर नौकरी कर रहे हैं।

इंडियन मेडिकल एसोसिएशन ने सर्वे में बताया था कि केरलम के 82% डॉक्टरों को गलत वेतन मिल रहा है। 81% डॉक्टर बंधुआ मजदूरी जैसी स्थितियों में काम करने को मजबूर हैं। उनकी पढ़ाई में लाखों-करोड़ों रुपए खर्च हो रहे हैं।

मंत्री बोले- निजी अस्पतालों को कुछ नहीं कह सकते... इस सर्वे पर राज्य के स्वास्थ्य मंत्री के. मुरलीधरन का कहना है कि निजी अस्पताल स्वायत्त संस्थाएं हैं, इसलिए इनके आंतरिक वेतन ढांचे पर दखल नहीं दे सकते।

वांगचुक 17 दिन से भूख हड़ताल पर, वजन 8.5कि.ग्रा. घटा

सीजेपी बोली- सरकार को चिंता नहीं; उद्धव-महुआ, अखिलेश की अनशन खत्म करने की अपील

नई दिल्ली,एजेंसी। दिल्ली के जंतर-मंतर पर सोनम वांगचुक की भूख हड़ताल का आज 17वां दिन है। उनकी सेहत लगातार बिगड़ रही है। उनका 8.5कि.ग्रा. वजन कम हो गया है।

वांगचुक नीट पेपर लीक और परीक्षाओं में गड़बड़ी के मामले में शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर 28 जून से अनशन कर रहे हैं।

सपा चीफ अखिलेश यादव, शिवसेना अध्यक्ष उद्धव ठाकरे, टीएमसी नेता महुआ मोइत्रा, अभिनेता नसीरुद्दीन शाह, रत्ना पाठक शाह, लेखिका अरुंधति रॉय समेत कई प्रमुख हस्तियों ने सोनम से अनशन खत्म करने की अपील की है।

कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) ने कहा कि सरकार को वांगचुक की कोई चिंता नहीं है। CJP फाउंडर ने कहा कि वांगचुक की जान को खतरा है। सरकार को मांगों पर ध्यान देना चाहिए।

वनों की कटाई पर पूर्ववर्ती सरकार पर बरसे मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी, बोले- 'सब कुछ बर्बाद कर दिया'

राज्य सरकार ने इस वर्ष 10 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य तय किया

कोलकाता,एजेंसी। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने राज्य में वनों की कटाई और पर्यावरणीय क्षरण के लिए पूर्ववर्ती सरकार पर तीखा हमला बोला। बिना किसी का नाम लिए उन्होंने कहा कि पिछले शासनकाल में जंगलों का बड़े पैमाने पर नुकसान हुआ और 'सब कुछ बर्बाद कर दिया गया, पेड़ों को भी नहीं छोड़ा।' उन्होंने राज्य में व्यापक स्तर पर वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का आह्वान किया। मंगलवार सुबह साल्टलेक स्थित वनबितान में 'अरण्य सप्ताह 2026' का शुभारंभ करते हुए मुख्यमंत्री ने स्वयं पौधारोपण किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि सरकारी कार्य या चुनावी दौरे के दौरान हेलीकॉप्टर से राज्य के ऊपर से गुजरते समय जंगलों की वर्तमान स्थिति देखकर उन्हें पीड़ा होती है। उन्होंने कहा कि झाड़ग्राम, बांकुड़ा, पुरुलिया तथा तराई-डुआर्स क्षेत्र के घने जंगल पहले जैसे नहीं रहे और वन क्षेत्र में लगातार कमी आई है। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि पूर्ववर्ती सरकार की उपेक्षा के कारण वन संपदा को भारी नुकसान पहुंचा। उन्होंने कहा कि अब बड़े पैमाने पर वन सृजन कर पर्यावरण, वन्यजीव और प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण करना आवश्यक है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि कई निजी और व्यावसायिक संस्थानों ने भवन निर्माण की स्वीकृति लेते समय किए गए वृक्षारोपण के वादे पूरे नहीं किए। उनके अनुसार, संस्थानों को अपनी भूमि के एक-तिहाई हिस्से में हरित क्षेत्र विकसित करना था, लेकिन अधिकांश मामलों में इसका पालन नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि राज्य में 'कंक्रीट के जंगल' तेजी से बढ़ रहे हैं। मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि पश्चिम बंगाल सरकार ने इस वर्ष 10 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य तय किया है। उन्होंने कहा कि यदि उत्तर प्रदेश जैसे बड़े राज्य में 26 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य रखा जा सकता है, तो पश्चिम बंगाल भी 10 करोड़ पौधे लगाने का संकल्प पूरा कर सकता है। उन्होंने यह भी बताया कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने अपने लोकसभा क्षेत्र में इस वर्ष 1.20 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। मुख्यमंत्री ने बताया कि विश्व पर्यावरण दिवस पर पहले 7.20 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य तय किया गया था, लेकिन अब इसे बढ़ाकर 10 करोड़ कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि केवल पौधे लगाना पर्याप्त नहीं है, बल्कि कम से कम दो से तीन वर्षों तक उनकी देखभाल और निगरानी भी सुनिश्चित करनी होगी, तभी वृक्षारोपण अभियान सफल होगा। हाल के दिनों में राज्य में बढ़ती आकाशीय बिजली की घटनाओं का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने अधिक से अधिक नारियल के पेड़ लगाने की भी सलाह दी। उन्होंने कहा कि इस संबंध में राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को आवश्यक निर्देश दिए गए हैं, ताकि बिजली गिरने से होने वाले नुकसान को कम किया जा सके।

बंगाल के मदरसा शिक्षकों के नियमितीकरण की याचिकाएं सुप्रीम कोर्ट में खारिज

नई दिल्ली,एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को बंगाल के मदरसों के लगभग 360 शिक्षण और गैर-शिक्षण कर्मचारियों द्वारा दायर एक समूह की याचिकाओं को खारिज कर दिया है। इसमें राज्य सरकार की अनुदान योजना के तहत नियमितीकरण और भुगतान के इनकार को चुनौती दी गई थी।

जस्टिस दीपांकर दत्ता और एजी मसीह की पीठ ने 350 से अधिक ऐसे कर्मचारियों में से 13 याचिकाकर्ताओं के मामलों की जांच के बाद यह निर्णय सुनाया, ताकि यह देखा जा सके कि राहत के लिए कोई मामला बनता है या नहीं। पीठ ने कहा, 'हमने इस आधार पर आगे बढ़ा कि यदि इनमें से कोई एक याचिकाकर्ता हमें अपने पक्ष में मनाने में सफल होता है, तो हम शेष मामलों की भी जांच करेंगे। दुर्भाग्यवश, 13 याचिकाकर्ताओं में से कोई भी हमें प्रभावित नहीं कर सका।' सभी याचिकाओं को खारिज करते हुए पीठ ने कहा, 'इसलिए, हमने न केवल उन 13 याचिकाकर्ताओं के दावों को खारिज किया है जिनके मामलों की जांच की गई, बल्कि सभी शेष याचिकाकर्ताओं के दावों को भी खारिज किया है।' बंगाल के विभिन्न मदरसों में कार्यरत लगभग 360 शिक्षण और गैर-शिक्षण कर्मचारियों ने शीर्ष अदालत में लगभग 48 याचिकाएं दायर की थीं। यह विवाद बंगाल मदरसा सेवा आयोग अधिनियम, 2008 से संबंधित है, जिसने मान्यता प्राप्त मदरसों में शिक्षकों की नियुक्तियों की सिफारिश करने के लिए एक वैधानिक आयोग का गठन किया।

देश में LPG एफिशिएंसी पॉलिसी लाने की मांग, पुणे गैस ने केंद्र सरकार को सौंपा प्रस्ताव

नई दिल्ली,एजेंसी। पश्चिम एशिया में जारी जंग के बीच दुनियाभर में फ्यूल सप्लाई चेन बाधित हुई है। इस बीच एक एनर्जी कंपनी पुणे गैस ने केंद्र सरकार एलपीजी के कुशल इस्तेमाल के लिए पॉलसी बनाने की मांग की है। पुणे गैस ने पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय को एक प्रस्ताव सौंपकर कहा है कि भारत में LPG एफिशिएंसी पॉलिसी फ्रेमवर्क बनाया जाए। कंपनी ने कहा कि कमर्शियल सिलिंडर की कीमत साल की शुरुआत में 1884 रुपये थी, जो अब बढ़कर 3100 रुपये हो गई है। इसका असर रेस्तरां, अस्पताल और दूसरे सेक्टर्स पर पड़ा है।

पुणे गैस ने भेजा प्रस्ताव: पुणे गैस ने तर्क दिया है कि देश की ऊर्जा क्षमता को मजबूत करने के लिए एलपीजी के इस्तेमाल की क्षमता को बेहतर बनाने की जरूरत है। कंपनी ने कहा की इस व्यापक फ्रेमवर्क का मकसद एलपीजी की बर्बादी को रोकना, स्टैंडर्डाइज करना और कमर्शियल या इंडस्ट्रियल प्रतिष्ठानों में अधिक कुशल एलपीजी इंफ्रा तैयार करना होना चाहिए। प्रस्ताव में कहा गया है कि इंडस्ट्री में 47.5 किलोग्राम वाले स्र्ब्ब्झ सिलिंडर को बढ़ावा दिया जाए, क्योंकि ये सिलिंडर बर्बादी कम करने, चोरी रोकने, LPG सप्लाई के बेहतर इस्तेमाल के लिए महत्वपूर्ण हैं। सरकार से कुशल एलपीजी सिस्ट अपनाने में तेजी लाने के लिए पॉलिसी इंसेंटिव देने की भी बात कही गई है। पुणे गैस ने LPGenius का भी जिक्र किया है, जो एक स्वदेशी LPG मैनेजमेंट सिस्टम है। कंपनी ने कहा है कि वह पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय और तेल मार्केटिंग कंपनियों के साथ मिलकर काम करने के लिए तैयार है, जिसमें वे फील्ड डेटा जुटाने और केस स्टडीज में मदद करेंगे।

पश्चिम मेदिनीपुर में अवैध शराब कारोबार का भंडाफोड़, एक गिरफ्तार

पश्चिम मेदिनीपुर,एजेंसी। जिले में अवैध शराब कारोबार और मादक पदार्थों के विरुद्ध पुलिस तथा आबकारी विभाग ने व्यापक अभियान चलाते हुए खड़गपुर, नारायणगढ़ और पिंगला क्षेत्रों में कई अवैध अड्डों पर छापेमारी की। इस दौरान बड़ी मात्रा में देशी-विदेशी शराब बरामद की गई तथा कुछ लोगों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, राज्य सरकार के निर्देश के बाद खड़गपुर टाउन पुलिस ने सोमवार रात को गोलबाजार सहित विभिन्न क्षेत्रों में अवैध शराब अड्डों के विरुद्ध विशेष अभियान चलाया। अभियान का नेतृत्व खड़गपुर के अनुमंडल पुलिस अधिकारी ने किया। उनके साथ खड़गपुर टाउन थाना की बड़ी पुलिस टीम मौजूद रही। छापेमारी के दौरान कई अवैध शराब अड्डों की तलाशी ली गई और कुछ लोगों को हिरासत में लिया गया। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि शहर में अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए इस प्रकार के अभियान आगे भी जारी रहेंगे। इसी प्रकार नारायणगढ़ थाना क्षेत्र के ग्रामराज ग्राम पंचायत अंतर्गत बड़ा कलंकाई गांव में पुलिस और आबकारी विभाग ने संयुक्त अभियान चलाकर एक अवैध देशी शराब की भट्टी को ध्वस्त कर दिया। अभियान के दौरान लगभग 40 लीटर देशी शराब बरामद की गई तथा करीब 800 लीटर शराब बनाने की सामग्री को मौके पर ही नष्ट कर दिया गया। अवैध शराब निर्माण के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। वहीं, पिंगला थाना क्षेत्र में भी पुलिस और आबकारी विभाग ने संयुक्त रूप से अवैध देशी शराब भट्टियों, शराब के अड्डों तथा अवैध विदेशी शराब दुकानों के विरुद्ध विशेष अभियान चलाया। इस दौरान कई अवैध भट्टियों को तोड़ दिया गया तथा शराब निर्माण में प्रयुक्त उपकरणों को नष्ट कर दिया गया। अवैध विदेशी शराब दुकानों की भी जांच कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई की गई। नारायणगढ़ के स्थानीय निवासी पेशे से शिक्षक हरिपदा दास का कहना है कि लंबे समय से अवैध शराब कारोबार के कारण गांव का सामाजिक वातावरण प्रभावित हो रहा था तथा युवाओं में नशे की प्रवृत्ति बढ़ रही थी। पुलिस और प्रशासन ने कड़े शब्दों में कहा है कि मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार समाज को नशामुक्त बनाने तथा कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से भविष्य में भी इस प्रकार के अभियान लगातार जारी रहेंगे।

शाहरुख खान को सुप्रीम कोर्ट से राहत, मन्नत बंगले से जुड़ी याचिका खारिज

नई दिल्ली,एजेंसी। देश की शीर्ष अदालत ने मुंबई के एक्टिविस्ट संतोष डौंडकर की उस याचिका को खारिज कर दिया है, जिसमें बांद्रा में एक्टर शाहरुख खान के समुद्र के सामने बने बंगले 'मन्नत' के विस्तार/नवीनीकरण के लिए मिली कोस्टल रेगुलेशन जोन (छ्रश्वं) मंजूरी को चुनौती दी गई थी। मामले की सुनवाई चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी मोहना की बेंच ने की। अदालत ने कहा कि उन्हें याचिकाकर्ता की नेकनीयती पर बहुत गंभीर शक है।

दो फ्लोर जोड़ने का मामला

दरअसल शाहरुख खान के मुंबई वाले बंगले मन्नत में दो रेजिडेंशियल फ्लोर जोड़ने के लिए कोस्टल रेगुलेशन जोन क्लीयरेंस मिला था। इसके बाद संतोष डौंडकर ने इसके खिलाफ नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल में अर्जी दाखिल कर दी। ट्रिब्यूनल ने इस दावे में कोई दम नहीं पाया और अर्जी खारिज कर दी। इसी फैसले के खिलाफ अपील करते हुए संतोष डौंडकर सुप्रीम कोर्ट पहुंचे थे। याचिकाकर्ता की ओर से सीनियर एडवोकेट शोएब आलम ने दलील दी कि इस मामले को सिर्फ इसलिए अलग तरह से नहीं देखा जाना चाहिए क्योंकि यह एक जाने-माने फिल्म स्टार से जुड़ा है।

अदालत में दलील खारिज

इस पर अदालत ने कहा कि वह ऐसी किसी भी बात से प्रभावित नहीं है। चीफ जस्टिस ने कहा कि अधिकारियों ने पाया कि लागू कानून का काफी हद तक पालन हो रहा था। उन्होंने कहा कि अगर कोई अपने घर में और फ्लोर बनवाना चाहता है, तो यह उनकी मर्जी है। पड़ोसी या किसी और को हस्तक्षेप क्यों करना है। एडवोकेट शोएब आलम ने कहा कि याचिकाकर्ता ने पहले आदर्श हाउसिंग स्कैम का पर्दाफाश किया था और वह एक जाने-माने एक्टिविस्ट हैं और ह्लश्व ने भी पिटीशनर की नेकनीयती पर सवाल नहीं उठाया था। हालांकि, कोर्ट इससे सहमत नहीं हुआ, और उसने अपील खारिज कर दी।

देश के 104 हवाईअड्डे अब पूरी तरह ग्रीन ऊर्जा से संचालित, 2070 के नेट-जीरो लक्ष्य की ओर बढ़ा भारत

नई दिल्ली,एजेंसी। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू किंजरापु ने सोमवार को कहा कि देश के 104 हवाईअड्डे 100 प्रतिशत नवीकरणीय ऊर्जा पर संचालित हो रहे हैं। उन्होंने इसे स्वच्छ ऊर्जा और सतत विकास की दिशा में भारत की बड़ी उपलब्धि बताया है। इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर पोस्ट किए एक संदेश में मंत्री ने कहा कि वर्ष 2014 में कोई भी भारतीय हवाईअड्डा पूरी तरह नवीकरणीय ऊर्जा से संचालित नहीं था, जबकि अब यह संख्या 104 तक पहुंच गई है।

नेट जीरो उत्सर्जन की ओर भारत: उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत वर्ष 2070 तक नेट-जीरो उत्सर्जन के लक्ष्य की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है।इन हवाईअड्डों की बिजली जरूरतें अब सौर ऊर्जा संयंत्रों और दीर्घकालिक जलविद्युत खरीद समझौतों जैसे नवीकरणीय स्रोतों से पूरी की जा रही हैं। दिल्ली का इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डा 2022 में अपनी पूरी बिजली जरूरत नवीकरणीय ऊर्जा से पूरी करने वाला देश का पहला हवाईअड्डा बना था, जबकि कोचीन अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डा 2015 में दुनिया का पहला पूर्ण सौर ऊर्जा संचालित हवाईअड्डा बना था। केंद्र सरकार का लक्ष्य वर्ष 2030 तक देश के सभी हवाईअड्डों को नेट-जीरो उत्सर्जन के अनुरूप विकसित करना है।

हैदराबाद बना चौथा सबसे खुशहाल हवाई अड्डा: प्रेट्र के अनुसार जीएमआर हैदराबाद इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (जीएचआइएएल) ने सोमवार को बताया कि हैदराबाद अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे को ब्रिटेन की ट्रैवल कंपनी अट्रैक्शनटिकट्स डाट काम ने दुनिया का चौथा सबसे खुशहाल (फैमली फ्रेंडली) हवाईअड्डा घोषित किया है। 140 से अधिक हवाईअड्डों के मूल्यांकन में इसे 20 में से 18.5 अंक मिले। रैंकिंग बच्चों के खेलने की जगह, बेबी केयर सुविधाएं, फैमिली सिक्योरिटी लेन, स्ट्रोलर सेवा, विश्राम क्षेत्र, वाई-फाई और विशेष जरूरतों वाले यात्रियों के लिए सुविधाओं जैसे मानकों पर आधारित थी।

भारत-ईयू एफटीए से बढ़ेंगे सहयोग के अवसर, जर्मनी के सांसदों से राजदूत गुप्ते की अहम बातचीत

बर्लिन,एजेंसी। जर्मनी में भारत के राजदूत अजीत गुप्ते और जर्मन संसद (बुंडेस्टाग) के सदस्य व भारत-जर्मनी संसदीय मैत्री समूह के उपाध्यक्ष डर्क वीजे ने दोनों देशों के बीच बहुआयामी रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की। बर्लिन स्थित भारतीय दूतावास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'राजदूत अजीत गुप्ते ने दस जुलाई 2026 को बुंडेस्टाग सदस्य और भारत-जर्मनी संसदीय मैत्री समूह के उपाध्यक्ष डर्क वीजे से मुलाकात की। इस दौरान भारत-जर्मनी रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने, संसदों के बीच आदान-प्रदान बढ़ाने और भारत के राज्यों तथा जर्मनी के संघीय राज्यों (लैंडर) के बीच सहयोग

बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा हुई।' राजदूत अजीत गुप्ते ने बुंडेस्टाग सदस्य और ट्रांसअटलांटिक समन्वयक मेटिन हकवेर्डी से भी मुलाकात की। इस बैठक में भारत-जर्मनी रणनीतिक साझेदारी को और गहरा करने के लिए भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) से मिलने वाले अवसरों पर चर्चा हुई। दूतावास ने 'एक्स' पर बताया, 'राजदूत अजीत गुप्ते ने 9 जुलाई 2026 को बुंडेस्टाग सदस्य और ट्रांसअटलांटिक समन्वयक मेटिन हकवेर्डी से मुलाकात की। बातचीत में भारत-जर्मनी रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने, भारत-ईयू एफटीए के अवसरों का इस्तेमाल करने, बढ़ते रक्षा और सुरक्षा सहयोग तथा वैश्विक और क्षेत्रीय मुद्दों पर चर्चा हुई।' पिछले महीने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फ्रांस के एवियां में आयोजित जी-7 शिखर सम्मेलन के दौरान जर्मनी के चांसलर फ्रेडरिक मर्ज से मुलाकात की थी। इस बैठक में दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय सहयोग को और बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की।विदेश मंत्रालय (एमईए) के अनुसार, दोनों नेताओं ने भारत-जर्मनी संबंधों में हुई प्रगति की समीक्षा की और भारत की यात्रा तथा इस साल की शुरुआत में भारत-यूरोपीय संघ (ईयू) मुक्त व्यापार समझौते की बातचीत पूरी होने के बाद रणनीतिक साझेदारी में आई नई गति पर संतोष जताया।साल 2026 में भारत और जर्मनी के बीच राजनयिक संबंधों के 75 साल पूरे हो रहे हैं। इस मौके पर प्रधानमंत्री मोदी और चांसलर मर्ज ने व्यापार और निवेश, रक्षा और सुरक्षा, हरित व सतत विकास, तकनीक, नवाचार, शिक्षा और लोगों की आवाजाही जैसे कई क्षेत्रों में सहयोग को और मजबूत करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

इस साल दोनों नेताओं की यह दूसरी मुलाकात थी।

ईरान के परमाणु ठिकाने पर फिर हमले के संकेत, ट्रंप बोले- हमारी नजर हर गतिविधि पर, जल्द हो सकती है कार्रवाई

वाशिंगटन,एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर एक बार फिर सख्त रुख अपनाया है। उन्होंने संकेत दिए हैं कि ईरान का परमाणु ठिकाना 'पिकएक्स माउंटेन' जल्द ही अमेरिकी सैन्य कार्रवाई का निशाना बन सकता है। राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि यह ठिकाना अमेरिका की निगरानी में है और संभावित हमलों की सूची में शामिल है।

कंजर्वेटिव रेडियो होस्ट 'ह्यू हेविट' को दिए एक इंटरव्यू में राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा, 'हमारी नजर वहां हर समय बनी हुई है। 'पिकएक्स' एक संभावित लक्ष्य है और इसके मुख्य प्रवेश द्वार पर एक बड़ा हमला किया जा सकता है।' डोनाल्ड ट्रंप ने कहा, 'यह हमारी सूची में है। हम इसे बहुत करीब से देख रहे हैं। फिलहाल वहां कोई गतिविधि दिखाई नहीं दे रही है। ईरान का परमाणु कार्यक्रम अच्छी स्थिति में नहीं है।

जब भी हमें किसी गतिविधि की जानकारी मिलती है, हम उसे नष्ट कर देते हैं। इसलिए अब वे इसके बारे में बात करना भी पसंद नहीं करते।

संभव है कि हम जल्द ही 'पिकएक्स' पर भी कार्रवाई करें।' राष्ट्रपति ट्रंप ने ईरान पर बातचीत से पीछे हटने का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच ऐसा समझौता होने वाला था जिसमें अमेरिका की सभी प्रमुख शर्तें मान ली गई थीं, लेकिन ईरान ने उसे तोड़ दिया।

अरब सागर में हेलीकॉप्टर दुर्घटना में अमेरिकी पायलट की मौत, ईरान युद्ध में यूएस ने कितने सैनिक गंवाए

वाशिंगटन,एजेंसी। अरब सागर में जुलाई की शुरुआत में एक हेलीकॉप्टर दुर्घटना में नौसेना के एक पायलट की मौत हो गई। अब ईरान युद्ध में मरने वाले अमेरिकी सैन्य कर्मियों की आधिकारिक संख्या बढ़कर 14 हो गई है। सोमवार तक संघर्ष में घायल सैनिकों की संख्या भी बढ़कर 400 से अधिक हो गई है।

नौसेना ने क्या बताया: अमेरिकी सेंट्रल कमांड के प्रवक्ता कैप्टन टिम हॉकिन्स ने बताया कि उनमें से अधिकांश को मस्तिष्क में गंभीर चोटें आई हैं। नौसेना ने शुरू में 1 जुलाई की दुर्घटना को आपातकालीन लैंडिंग बताया और कहा कि 'इस बात का कोई संकेत नहीं है कि आपात स्थिति शत्रुतापूर्ण कार्रवाई के कारण हुई थी।

दुर्घटना के तुरंत बाद हेलीकॉप्टर में सवार बाकी तीन नाविकों को बचा लिया गया। पेंटागन के युद्ध हताहतों की गिनती में जुलाई में एक गैर-शत्रुतापूर्ण मौत दर्ज

की गई। मार्च में युद्ध की शुरुआत में अलग-अलग घटनाओं में 13 सैन्यकर्मियों की मौत के बाद यह पहली मौत है जिसे दर्ज किया गया है। पहली घटना कुवैत में एक कमांड सेंटर पर ईरानी ड्रोन हमले की थी जिसमें छह सैनिक मारे गए थे।

इसके बाद सऊदी अरब के प्रिंस सुल्तान एयर बेस पर हुए हमले में घायल होने के एक सप्ताह से अधिक समय बाद एक सैनिक की मौत हो गई। इराक में ईरान के खिलाफ अमेरिकी सैन्य अभियानों में सहायता कर रहे एक ञ्चष्ट-135 ईंधन भरने वाले विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने से छह और सैनिक मारे गए।

कितने सैनिक घायल हुए: सोमवार को घायल हुए अमेरि की वायु सेना के एक जवान समेत कुल 414 सैन्यकर्मी घायल हुए हैं। ईरान और अमेरिका ने हमले फिर से शुरू कर दिए हैं, लेकिन यह स्पष्ट नहीं है कि क्या इसी वजह से वायुसैनिक घायल हुआ है।

अधिकांश चोटों को कारण क्या है: अमेरिकी केंद्रीय कमान ने उस खास वायुसैनिक के बारे में कोई जानकारी नहीं दी। लेकिन युद्ध में होने वाली अधिकांश चोटों का कारण बनने वाली मस्तिष्क की गंभीर चोटें, लड़ाकू बलों, विशेष रूप से मिसाइल हमलों और पास में होने वाले विस्फोटों का सामना करने वाले बलों के बीच एक बढ़ती हुई समस्या है।

हालांकि इस चोट के साथ ही साथ पोस्ट-ट्रॉमेटिक स्ट्रेस डिसऑर्डर, 9/11 के बाद के युग के दिग्गजों के बीच प्रमुख घावों में से एक बन गई है, लेकिन सैनिकों पर इसका प्रभाव, विशेष रूप से दीर्घकालिक, अभी भी ठीक से समझा नहीं गया है।

घायल सैनिकों के नए आंकड़ों के बारे में क्या बताया: सोमवार को गंभर रूप से घायल सैनिकों के नवीनतम आंकड़ों के बारे में पूछे जाने पर, अमेरिकी सेंट्रल कमांड की प्रवक्ता मेजर एम्मा थॉम्पसन ने कहा कि उनके पास कोई अपडेट नहीं है। उन्होंने दोहराया कि घायल सैनिकों में से लगभग सभी ड्यूटी पर लौट आए हैं। उन्होंने यह भी नहीं बताया कि कितने सैनिक इतने गंभीर रूप से घायल हुए हैं।

आदित्य बिरला हाउसिंग फाइनेंस ने रीवा में खोली नई शाखा, मध्य प्रदेश में बढ़ाया

ADITYA BIRLA CAPITAL
HOME LOANS

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। आदित्य बिरला हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड (एबीएचएफएल) ने मध्य प्रदेश में अपनी उपस्थिति को और मजबूत करते हुए रीवा में नई शाखा का शुभारंभ किया है। आदित्य बिरला कैपिटल लिमिटेड की सहायक कंपनी और देश की प्रमुख हाउसिंग फाइनेंस कंपनियों में शामिल एबीएचएफएल का यह विस्तार ग्राहकों तक बेहतर आवास वित्त सुविधाएं पहुंचाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। नई शाखा के उद्घाटन के साथ मध्य प्रदेश में एबीएचएफएल की कुल शाखाओं की संख्या 22 हो गई है। कंपनी का उद्देश्य प्रदेश के बढ़ते आवास बाजार में ग्राहकों को उनकी जरूरतों के अनुसार आसान, पारदर्शी और सुविधाजनक होम लोन समाधान उपलब्ध कराना है रीवा में आवासीय विकास की संभावनाओं को देखते हुए कंपनी ने यहां अपनी शाखा शुरू की है। क्षेत्र में रीवा एयरपोर्ट की शुरुआत को रियल एस्टेट विकास के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर माना जा रहा है। रीवा हवाई अड्डा मध्य प्रदेश का छठा कमर्शियल एयरपोर्ट है जो क्षेत्र को भोपाल, लखनऊ, खजुराहो और दिल्ली जैसे प्रमुख शहरों से जोड़ता है बेहतर हवाई कनेक्टिविटी के कारण रीवा क्षेत्र में व्यापार, रोजगार और पर्यटन गतिविधियों में वृद्धि की संभावनाएं बढ़ी हैं इसके साथ ही शहर और आसपास के क्षेत्रों में आवासीय परियोजनाओं तथा संपत्ति बाजार में भी तेजी आने की उम्मीद जताई जा रही है कंपनी का मानना है कि नई शाखा के माध्यम से स्थानीय नागरिकों को घर खरीदने, निर्माण कराने और संपत्ति से जुड़े वित्तीय समाधान आसानी से उपलब्ध हो सकेंगे। एबीएचएफएल ग्राहकों की अलग-अलग जरूरतों को ध्यान में रखते हुए कई प्रकार के आवास वित्त समाधान उपलब्ध कराता है इनमें किफायती गृह ऋण, प्रीमियम गृह ऋण, निर्माण वित्त और संपत्ति के बदले ऋण जैसी सुविधाएं शामिल हैं कंपनी की सेवाएं वेतनभोगी कर्मचारियों, स्वरोजगार से जुड़े लोगों, छोटे व्यवसायियों और उभरते आय वर्ग के ग्राहकों के लिए उपलब्ध हैं कंपनी अपनी डिजिटल सुविधाओं के माध्यम से ऋण आवेदन प्रक्रिया को सरल और पारदर्शी बनाने पर भी जोर दे रही है इससे ग्राहकों को आवेदन से लेकर स्वीकृति तक की प्रक्रिया में अधिक सुविधा और बेहतर अनुभव मिल रहा है ।

रीवा शाखा के शुभारंभ पर विशेष ऑफर: नई शाखा के उद्घाटन अवसर पर एबीएचएफएल ने ग्राहकों के लिए विशेष ऑफर की घोषणा की है इसके तहत ग्राहकों को शून्य लॉगिन फीस के साथ 50 लाख रुपये तक के लोन की मौके पर मंजूरी की सुविधा दी जा रही है यह विशेष ऑफर 14 जुलाई से 31 जुलाई 2026 तक लागू रहेगा कंपनी का कहना है कि इस पहल का उद्देश्य ग्राहकों को तेजी से ऋण सुविधा उपलब्ध कराना और घर खरीदने के सपने को पूरा करने की प्रक्रिया को आसान बनाना है।

मध्य प्रदेश को कंपनी ने बताया महत्वपूर्ण विकास बाजार: एबीएचएफएल के एमडी और सीईओ पंकज गाडगिल ने कंपनी के विस्तार पर कहा कि मध्य प्रदेश कंपनी के लिए एक महत्वपूर्ण विकास बाजार है उन्होंने कहा कि राज्य में बढ़ती आवासीय मांग और लोगों की बढ़ती आकांक्षाओं को देखते हुए कंपनी अपनी क्षेत्रीय मौजूदगी का विस्तार कर रही है उन्होंने बताया कि कंपनी का लक्ष्य अपने बढ़ते वितरण नेटवर्क और डिजिटल क्षमताओं के माध्यम से ग्राहकों के लिए घर खरीदने की पूरी प्रक्रिया को सरल, तेज और परेशानी मुक्त बनाना है।

शहडोल में सोन नदी किनारे मिला महिला का कंकाल, 10 दिन पुराना होने की आशंका; चूड़ियों से पहचान की कोशिश में जुटी पुलिस

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। जिले के ब्यौहारी थाना क्षेत्र के पोड़ी कला गांव में मंगलवार को सोन नदी किनारे एक अज्ञात महिला का नर कंकाल मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई ग्रामीणों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर कंकाल को अपने कब्जे में लिया पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है प्रारंभिक जांच में पुलिस ने आशंका जताई है कि कंकाल करीब 10 दिन या उससे अधिक पुराना हो सकता है नदी किनारे मिले शव की हालत काफी खराब हो चुकी थी और शरीर का अधिकांश हिस्सा कंकाल में बदल गया था घटनास्थल पर शव के साथ कोई कपड़ा नहीं मिला है जिससे मृतका की पहचान करना पुलिस के लिए चुनौती बन गया है। हालांकि, कंकाल के हाथों में मिली चूड़ियों और अन्य सामान के आधार पर पुलिस ने इसे महिला का शव माना है पुलिस टीम ने मौके से जरूरी साक्ष्य एकत्र किए हैं और उन्हें जांच के लिए सुरक्षित रखा गया है। कंकाल को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल की मरचुरी में रखवाया गया है जहां विशेषज्ञों द्वारा जांच की जाएगी। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मौत के वास्तविक कारणों का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट और फॉरेंसिक जांच के बाद ही चल सकेगा फिलहाल पुलिस हत्या, दुर्घटना और आत्महत्या सहित सभी संभावित पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है। ब्यौहारी थाना प्रभारी जिया उल हक ने बताया कि मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी गई है पुलिस की पहली प्राथमिकता मृतका की पहचान करना है इसके लिए आसपास के सभी थाना क्षेत्रों में दर्ज गुमशुदगी की रिपोर्ट खंगाली जा रही है साथ ही स्थानीय ग्रामीणों से पूछताछ कर महिला के संबंध में जानकारी जुटाने का प्रयास किया जा रहा है। पुलिस यह भी पता लगाने में जुटी है कि हाल के दिनों में क्षेत्र से कोई महिला लापता हुई है या नहीं आसपास के गांवों में भी सूचना भेजी जा रही है ताकि मृतका की पहचान जल्द हो सके। घटना के बाद ग्रामीणों में भी चिंता का माहौल है सोन नदी किनारे शव मिलने की सूचना के बाद बड़ी संख्या में लोग मौके पर पहुंचे थे पुलिस ने ग्रामीणों से अपील की है कि यदि किसी महिला के लापता होने की जानकारी हो तो तत्काल पुलिस को सूचित करें ताकि जांच को आगे बढ़ाया जा सके ।

सीधी जिले में 18 जुलाई को चार स्थानों पर लगेंगे अंत्योदय स्वास्थ्य शिविर

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले के दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों में आमजन को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 18 जुलाई 2026 (शनिवार) को चार स्थानों पर अंत्योदय स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया जाएगा शिविरों में स्वास्थ्य परीक्षण, विभिन्न स्वास्थ्य सेवाओं के साथ पात्र हितग्राहियों के आयुष्मान कार्ड भी बनाए जाएंगे मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत शैलेन्द्र सिंह सोलंकी ने जानकारी देते हुए बताया कि विधानसभा क्षेत्रवार शिविरों का आयोजन किया जाएगा धौहनी विधानसभा क्षेत्र के ग्राम पंचायत भुईमाड़, सीधी विधानसभा क्षेत्र के खाम्ह, चुरहट विधानसभा क्षेत्र के मौरा तथा सिहावल विधानसभा क्षेत्र के व्यवहारखाड़ में सुबह 9 बजे से दोपहर 1 बजे तक स्वास्थ्य शिविर लगाए जाएंगे। उन्होंने बताया कि इन शिविरों का संचालन महिला एवं बाल विकास विभाग, स्वास्थ्य विभाग, सामाजिक न्याय विभाग और आयुष विभाग के संयुक्त सहयोग से किया जाएगा शिविरों के सुचारू संचालन के लिए संबंधित क्षेत्र के सीडीपीओ और बीएमओ को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। सीईओ जिला पंचायत ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि शिविरों का व्यापक प्रचार-प्रसार ग्राम पंचायत स्तर पर मुनादी एवं अन्य माध्यमों से किया जाए, ताकि अधिक से अधिक ग्रामीण नागरिक स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठा सकें साथ ही स्थानीय जनप्रतिनिधियों को भी शिविरों की जानकारी उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने आमजन से अपील की है कि स्वास्थ्य परीक्षण और आयुष्मान कार्ड निर्माण की सुविधा का लाभ लेने के लिए शिविर में आते समय अपना आधार कार्ड और समग्र आईडी अनिवार्य रूप से साथ लेकर आएं।

सीधी में जनसुनवाई में 400 से अधिक आवेदनों पर हुई सुनवाई, सीईओ जिला पंचायत ने अधिकारियों को दिए त्वरित निराकरण के निर्देश

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। शासन की मंशा के अनुरूप आमजन की समस्याओं का त्वरित, प्रभावी और संवेदनशील निराकरण सुनिश्चित करने के उद्देश्य से मंगलवार को जिला पंचायत सभागार में साप्ताहिक जनसुनवाई का आयोजन किया गया जनसुनवाई में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत शैलेन्द्र सिंह सोलंकी ने जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे 400 से अधिक आवेदकों की समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों को प्राप्त आवेदनों का समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण निराकरण करने के निर्देश दिए जनसुनवाई के दौरान सीईओ जिला पंचायत ने प्रत्येक आवेदन का गंभीरतापूर्वक अवलोकन किया और आवेदकों की समस्याओं को समझते हुए संबंधित विभागों को आवश्यक कार्रवाई के लिए निर्देशित किया उन्होंने कहा कि जनसुनवाई शासन और जनता के बीच संवाद का

महत्वपूर्ण माध्यम है इसका उद्देश्य केवल शिकायतों को दर्ज करना नहीं बल्कि नागरिकों को वास्तविक राहत उपलब्ध कराना है। जनसुनवाई में राजस्व, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, सामाजिक न्याय, खाद्य, स्वास्थ्य, शिक्षा, विद्युत, लोक निर्माण विभाग, नगर निकाय, पेयजल, महिला एवं बाल विकास सहित विभिन्न विभागों से संबंधित आवेदन प्राप्त हुए इनमें आमजन ने अपनी व्यक्तिगत और सामुदायिक समस्याओं से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए सीईओ जिला पंचायत शैलेन्द्र सिंह सोलंकी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रत्येक प्रकरण का नियमानुसार परीक्षण कर प्राथमिकता के आधार पर कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि सभी विभाग यह सुनिश्चित करें कि पात्र हितग्राहियों को शासन की योजनाओं का लाभ समय पर मिले और किसी भी नागरिक को अनावश्यक रूप से कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि शिकायतों के निराकरण में संवेदनशीलता, जवाबदेही और आपसी समन्वय के साथ कार्य किया जाए। जिन मामलों का समाधान मौके पर संभव था उनमें तत्काल आवश्यक निर्देश जारी किए गए वहीं, जिन प्रकरणों में जांच, दस्तावेज परीक्षण अथवा मैदानी सत्यापन की आवश्यकता थी उनमें संबंधित अधिकारियों को निर्धारित समय सीमा के भीतर जांच पूरी कर प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए। सीईओ ने स्पष्ट किया कि जनसुनवाई में प्राप्त प्रत्येक आवेदन शासन की प्राथमिकता से जुड़ा हुआ है इसलिए अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि किसी भी प्रकरण में लापरवाही न हो और आवेदकों को संतोषजनक समाधान उपलब्ध कराया जाए उन्होंने कहा कि प्रशासन का उद्देश्य नागरिकों की समस्याओं का पारदर्शी और प्रभावी समाधान करना है। उन्होंने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे अपने-अपने विभागों से संबंधित शिकायतों की नियमित समीक्षा करें और लंबित प्रकरणों का शीघ्र निराकरण सुनिश्चित करें साथ ही योजनाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता बनाए रखने और पात्र लोगों तक लाभ पहुंचाने पर विशेष ध्यान देने को कहा।

सीधी में स्वास्थ्य और महिला बाल विकास विभाग की संयुक्त बैठकें 15 जुलाई से

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले में स्वास्थ्य विभाग और महिला एवं बाल विकास विभाग के बीच बेहतर तालमेल स्थापित करने तथा शासन की योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के उद्देश्य से 15 जुलाई 2026 से ब्लॉक और सेक्टर स्तर पर संयुक्त बैठकों का आयोजन किया जाएगा यह बैठकें मैदानी स्तर पर स्वास्थ्य एवं पोषण सेवाओं को अधिक प्रभावी बनाने के लिए आयोजित की जा रही हैं कलेक्टर विकास मिश्रा के निर्देशानुसार आयोजित होने वाली ब्लॉक स्तरीय संयुक्त बैठकें संबंधित जनपद पंचायत सभागार में सुबह 11 बजे से आयोजित होंगी निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 15 जुलाई को रामपुर नैकिन, 16 जुलाई को सिहावल, 22 जुलाई को कुसमी, 23 जुलाई को मझौली तथा 29 जुलाई को चुरहट विकासखंड में बैठकें आयोजित की जाएंगी इसके अलावा प्रत्येक शनिवार को संबंधित विकासखंडों में सेक्टर स्तरीय संयुक्त बैठकें भी आयोजित की जाएंगी इन बैठकों में सेक्टर मेडिकल ऑफिसर, महिला एवं बाल विकास विभाग के पर्यवेक्षक और स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी शामिल होकर योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करेंगे साथ ही आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, एएनएम, आशा कार्यकर्ता और आशा सहयोगिनी भी बैठक में भाग लेंगी। बैठकों में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं, टीकाकरण अभियान, पोषण सेवाओं, उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं की निगरानी, कुपोषित बच्चों की पहचान एवं देखभाल सहित विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की जाएगी इसके साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन और विभागों के बीच प्रभावी समन्वय स्थापित करने की रणनीति तैयार की जाएगी।

हवाई फायर रोकने पर संचालक की गोली मारकर हत्या; शहडोल में नकाबपोश ने सीने में दागी दो गोलियां, परिजन ने लगाया चक्काजाम

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। शहडोल के अमलाई थाना क्षेत्र के रामपुर में सोमवार देर रात एक चिकन शॉप संचालक की गोली मारकर हत्या कर दी गई रज्जन कहार (32) नाम के इस युवक की मौके पर ही मौत हो गई वारदात के बाद मंगलवार को गुस्साए परिजन और ग्रामीणों ने नेशनल हाईवे पर शव रखकर चक्काजाम कर दिया जिससे सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। यह वारदात रामपुर स्थित चिकन दुकान के पास हुई दुकान के कर्मचारी ने बताया कि एक नकाबपोश बदमाश पल्सर बाइक से वहां पहुंचा और उसने पहले हवाई फायर किया जब संचालक रज्जन ने इसका विरोध करते हुए कहा कि 'हो गया इतना ही तो हमलावर ने सीधे उसके सीने में गोली मार दी वहां मौजूद लोगों ने जब आरोपी को रोकने की कोशिश की तो उसने दूसरी गोली भी रज्जन के सीने में दाग दी और मौके से फरार हो गया आस-पास के लोग घायल रज्जन को तुरंत अनूपपुर जिला अस्पताल ले गए जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पोस्टमार्टम के बाद मंगलवार को मृतक के परिजनों, रिश्तेदारों और ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा वे शव को लेकर श्रीवास्तव तिराहा स्थित नेशनल हाईवे पर पहुंच गए और चक्काजाम कर दिया। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और आरोपियों की तुरंत गिरफ्तारी और सख्त कार्रवाई की मांग की परिजन का कहना है कि इलाके में सक्रिय बदमाशों पर अगर पुलिस पहले ही कार्रवाई करती तो रज्जन की जान नहीं जाती। हादसे और चक्काजाम की खबर मिलते ही पुलिस और प्रशासन के अधिकारी मौके पर पहुंचे अधिकारियों ने प्रदर्शनकारियों को समझाकर शांत कराया और भरोसा दिया कि मुख्य आरोपी की पहचान कर ली गई है और उसे जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा। फिलहाल इलाके में तनाव को देखते हुए भारी पुलिस बल तैनात है लेकिन स्थिति नियंत्रण में है पुलिस पुरानी रंजिश और नशे के एंगल सहित सभी बिंदुओं पर जांच कर रही है रामपुर क्षेत्र में पिछले महीने भी गोली चलने की वारदात सामने आई थी।

सतना में प्राचीन सत्य माता मंदिर में चोरी, चांदी का छत्र-मुकुट और दानपेटी की नकदी ले गए चोर

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। उचेहरा थाना क्षेत्र के परसमनिया चौकी अंतर्गत पटिहट गांव स्थित प्राचीन सत्य माता मंदिर में अज्ञात चोरों ने रात के समय धावा बोलकर चांदी का छत्र, मुकुट और दानपेटी में रखी नकदी चोरी कर ली मंगलवार सुबह पूजा के लिए पहुंचे पुजारी ने मंदिर का ताला टूटा देखा जिसके बाद घटना की जानकारी सामने आई चोरों ने मंदिर में रखी दानपेटी को भी तोड़ दिया और उसमें रखी रकम लेकर फरार हो गए चोरी की सूचना मिलने के बाद आसपास तलाश की गई तो मंदिर के पास स्थित एक किराना दुकान में भी नकदी और सामान चोरी होने की बात सामने आई घटना की सूचना मिलते ही परसमनिया चौकी प्रभारी संतोष सिंह धुर्वे पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और जांच शुरू की पुलिस ने चोरी की वारदात का खुलासा करने के लिए साइबर सेल और डॉग स्क्वाड की टीम को भी जांच में लगाया है बताया जा रहा है कि कुछ दिन पहले ही समीप स्थित रामपुर पाठा के मंदिर में भी चोरों ने चांदी का मुकुट, सिक्के सहित अन्य कीमती सामान चोरी किया था एक महीने के भीतर धार्मिक स्थलों पर चोरी की दूसरी घटना से क्षेत्र के श्रद्धालुओं और ग्रामीणों में नाराजगी और भय का माहौल है पुलिस ने जल्द आरोपियों की पहचान कर कार्रवाई करने का भरोसा दिलाया है।

सीधी में आईएफएमआईएस समस्याओं के समाधान के लिए 16-17 जुलाई को विशेष शिविर

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। आईएफएमआईएस (इंटीग्रेटेड फाइनेंशियल मैनेजमेंट इन्फॉर्मेशन सिस्टम) सॉफ्टवेयर के संचालन के दौरान आ रही वित्तीय एवं तकनीकी समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए जिला कोषालय, सीधी में 16 और 17 जुलाई 2026 को दो दिवसीय विशेष समाधान शिविर आयोजित किया जाएगा शिविर का उद्देश्य शासकीय कार्यालयों में वित्तीय कार्यों को सुचारु रूप से संचालित करना और तकनीकी बाधाओं का शीघ्र निराकरण करना है जिला कोषालय द्वारा जानकारी दी गई है कि इस शिविर में आहरण एवं संवितरण अधिकारियों (डीडीओ) के कार्यालयों से संबंधित आईएफएमआईएस सॉफ्टवेयर की लंबित और नवीन सभी प्रकार की तकनीकी एवं वित्तीय समस्याओं का समाधान किया जाएगा विशेषज्ञों की सहायता से समस्याओं का परीक्षण कर प्राथमिकता के आधार पर उनका निराकरण सुनिश्चित किया जाएगा संचालनालय कोष एवं लेखा के निर्देशानुसार जिले के सभी आहरण एवं संवितरण अधिकारियों को अपने कार्यालयों में आईएफएमआईएस से संबंधित समस्याओं की जानकारी एकत्र कर सूची तैयार करने के निर्देश दिए गए हैं ।

सीधी में धर्मांतरण की शिकायत पर हंगामा, बजरंग दल कार्यकर्ताओं ने किया प्रदर्शन; पुलिस जांच में नहीं मिले सबूत

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले के अमिलिया थाना क्षेत्र के ग्राम चमरौहां में मंगलवार को धर्मांतरण की शिकायत को लेकर विवाद की स्थिति बन गई सूचना मिलने के बाद बजरंग दल और अन्य हिंदू संगठनों के कार्यकर्ता गांव पहुंचे और एक घर में जाकर प्रदर्शन किया कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि गरीब और आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को लालच और दबाव देकर धर्म परिवर्तन कराया जा रहा है संगठन के पदाधिकारियों का दावा है कि क्षेत्र में पिछले 7 से 8 दिनों से धर्मांतरण की गतिविधियां चल रही हैं उन्होंने आरोप लगाया कि विशेष रूप से साकेत और बंसल समाज के लोगों को निशाना बनाया जा रहा है कार्यकर्ताओं ने इस संबंध में पहले भी कुछ वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आने की बात कही मामले की जानकारी मिलते ही अमिलिया थाना पुलिस मौके पर पहुंची और संबंधित घर की जांच की पुलिस ने तलाशी के दौरान धर्मांतरण से जुड़े किसी भी प्रकार के दस्तावेज, धार्मिक साहित्य या अन्य आपत्तिजनक सामग्री मिलने से इनकार किया है प्रारंभिक जांच में पर्याप्त साक्ष्य नहीं मिलने के कारण पुलिस ने मौके पर किसी के खिलाफ कार्रवाई नहीं की घटना के बाद बजरंग दल के पदाधिकारियों ने अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमला जोशी से मुलाकात कर लिखित शिकायत सौंपते हुए जांच और कार्रवाई की मांग की एडिशनल एसपी ने बताया कि शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने तत्काल कार्रवाई की थी लेकिन फिलहाल कोई ठोस प्रमाण सामने नहीं आया है उन्होंने कहा कि जांच के दौरान यदि कोई साक्ष्य मिलता है तो नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी ।

सतना में नगर निगम का घेराव, बैरिकेड तोड़ कार्यालय पहुंचे व्यापारी; वाटर कैनन से रोके गए प्रदर्शनकारी

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। स्मार्ट सिटी की बदहाल व्यवस्थाओं, जर्जर सड़कों, जलभराव और गंदे पानी की समस्या को लेकर मंगलवार को विंध्य चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के नेतृत्व में व्यापारियों और नागरिकों ने नगर निगम कार्यालय का घेराव किया बड़ी संख्या में पहुंचे प्रदर्शनकारियों ने नगर निगम की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शन के दौरान स्थिति तनावपूर्ण हो गई जिसके बाद पुलिस ने वाटर कैनन का इस्तेमाल कर प्रदर्शनकारियों को नियंत्रित करने का प्रयास किया प्रदर्शन को देखते हुए नगर निगम परिसर में भारी पुलिस बल तैनात किया गया था सुरक्षा के लिहाज से मुख्य द्वार पर बैरिकेडिंग की गई थी लेकिन आक्रोशित प्रदर्शनकारी बैरिकेड तोड़ते हुए नगर निगम के मुख्य गेट तक पहुंच गए और वहीं धरने पर बैठ गए। प्रदर्शनकारियों की मांग थी कि नगर निगम आयुक्त मौके पर पहुंचकर उनका ज्ञापन स्वीकार करें और समस्याओं के समाधान का आश्वासन दें व्यापारियों का आरोप था कि नगर निगम आयुक्त ज्ञापन लेने के लिए मौके पर नहीं पहुंचे, जिससे उनका आक्रोश और बढ़ गया। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने 'कमिश्नर हटाओ, शहर बचाओ' के नारे लगाए कुछ लोगों ने प्रशासन की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए 'कुंभकर्ण के सोने' का पोस्टर भी प्रदर्शित किया।

वाटर कैनन के बाद भी डटे रहे प्रदर्शनकारी: नगर निगम कार्यालय के बाहर प्रदर्शन बढ़ने के बाद पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को हटाने का प्रयास किया स्थिति बिगड़ने पर पुलिस ने वाटर कैनन का इस्तेमाल किया पानी की बौछारों के बावजूद कई प्रदर्शनकारी मौके पर डटे रहे और अपनी मांगों को लेकर नारेबाजी करते रहे करीब पांच घंटे तक चले इस प्रदर्शन के दौरान व्यापारियों ने शहर की मूलभूत समस्याओं को लेकर नगर निगम प्रशासन के खिलाफ नाराजगी जताई बाद में महापौर योगेश ताम्रकार और अपर कलेक्टर को ज्ञापन सौंपने के बाद प्रदर्शन समाप्त किया गया।

जर्जर सड़कों और खराब रेस्टोरेशन पर उठाए सवाल: विंध्य चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष सतीश सुखेजा ने कहा कि शहर में सड़कों की हालत बेहद खराब है उन्होंने आरोप लगाया कि विभिन्न निर्माण कार्यों के बाद सड़कों का सही तरीके से रेस्टोरेशन नहीं किया गया जिसके कारण प्रमुख मार्ग गड्ढों में तब्दील हो गए हैं। उन्होंने कहा कि खराब सड़कों के कारण लगातार दुर्घटनाएं हो रही हैं। उन्होंने हाल ही में सड़क हादसे में घायल हुए प्रकाश सीरवानी का उदाहरण देते हुए कहा कि वे पिछले 11 दिनों से जबलपुर में जिंदगी और मौत के बीच संघर्ष कर रहे हैं व्यापारियों ने मांग की कि सड़कों की गुणवत्ता सुधारने के लिए तत्काल कदम उठाए जाएं।

परमाणु बम बनाएगा ईरान!

संपादकीय

युद्ध का तनाव इतना बढ़ चुका है कि ईरान परमाणु बम बनाने की सोचने लगा है। वह परमाणु अप्रसार सन्धि (एनपीटी) से भी बाहर आ सकता है। फिलहाल ऐसी संभावनाएं और आशंकाएं जताई जा रही हैं, लेकिन रक्षा विशेषज्ञ इन्हें ही परमाणु बम बनाने का आधार मान रहे हैं। रूस ने भी कई बार बयान दिया है कि हालात ईरान को एटम बम बनाने को बाध्य कर रहे हैं। इस संदर्भ में रक्षा विशेषज्ञ ईरान की तुलना उत्तर कोरिया से कर रहे हैं। उत्तर कोरिया 1985 में एनपीटी का सदस्य था। फिर भी उसने रहस्यमयी परमाणु परीक्षण किए और छोटे-छोटे बम भी बना लिए। उसने 2003 में एनपीटी को छोड़ दिया। आज वह सरेआम विनाशक मिसाइलों के परीक्षण कर रहा है। उसके पास कितने परमाणु बम हैं, उसका सत्यापित हिसाब किसी के पास भी नहीं है, लेकिन अमरीका और यूरोपीय देश उससे आशंकित रहते हैं। क्या ईरान युद्ध ऐसे मुकाम पर पहुंच गया है कि ईरान 'उत्तर कोरिया' बन सकता है? वैसे ईरान के पास करीब 440 किग्रा. संवर्धित यूरेनियम बताया जाता है। यह संवर्धन 60 फीसदी से अधिक है, जिससे छोटे एटम बम बनाए जा सकते हैं! जब तक अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) ईरान के परमाणु कार्यक्रम का निरीक्षण कर रही थी, उसके आधार पर अब भी आकलन किए जा रहे हैं कि ईरान ने परमाणु बम नहीं बनाया है। दिवंगत सुप्रीम लीडर खामेनेई भी घोषित रूप से परमाणु बम बनाने के पक्ष में नहीं थे, लेकिन मौजूदा सुप्रीम लीडर मुज्तबा खामेनेई की इस बाबत सोच अभी तक अस्पष्ट है। ईरान के सबसे बड़े और प्रमुख परमाणु केंद्र 'नतांज' सहित फोर्डो और इस्फहान परमाणु केंद्रों में यूरेनियम संवर्धन अब भी जारी है, ऐसी खबरें आती रही हैं। ये जमीन के बहुत नीचे और सुरक्षित परमाणु केंद्र हैं, जिन्हें अमरीका और इजरायल अभी तक नष्ट करने में नाकाम रहे हैं। अमरीकी सेना ने जिस बुशहर परमाणु प्लांट के निकट अभी हवाई हमले, बम विस्फोट किए हैं, वह ईरान का एकमात्र सक्रिय परमाणु बिजलीघर है। इस 1000 मेगावाट के संयंत्र को जर्मनी ने बनाना शुरू किया था, लेकिन वह अधूरा छोड़ कर भाग गया। फिर रूस ने इसे अंतिम रूप दिया। यह ईरान का सर्वाधिक संवेदनशील परमाणु प्लांट है। राष्ट्रपति ट्रंप ने बिजली संयंत्रों और महत्वपूर्ण पुलों पर हमले करने का ऐलान किया है। बीते गुरुवार को अमरीकी हमले में उन रेल पुलों को तबाह किया गया है, जो तेहरान और मशहद को जोड़ते हैं। मशहद में ही खामेनेई को सुपुर्द-ए-खाक किया गया है। अमरीकी हमलों में पहली बार चाबहार बंदरगाह के ट्रैफिक कंट्रोल टॉवर और आईआरजीसी के इमाम अली बेस को निशाना बनाया गया है। जाहिर है कि नुकसान भी हुआ है। इस बंदरगाह को विकसित करने में भारत ने भी 1400 करोड़ रुपए का निवेश कर रखा है, लिहाजा हमारा भी नुकसान हुआ है। बहरहाल बीते दिनों एक खबर आई थी कि बुशहर में ही करीब 2100 किग्रा. प्लूटोनियम का भंडार है। बेशक इससे 200 परमाणु बम बनाए जा सकते हैं। यह खबर फोर्ब्स के अलावा रॉयटर्स और गूगल ने भी जारी की थी। व्याख्या की गई कि ईरान यथाशीघ्र परमाणु शक्ति बनना चाहता है। अस्तित्व बचाने का यही आखिरी विकल्प उसे लगता है। इसे ईरान 'आत्मरक्षा का कवच' करार देता है, लिहाजा उसने परमाणु केंद्रों और ठिकानों पर सैन्य तैनाती करना भी शुरू कर दिया है।

यशस्वी प्रधानमंत्री मोदी जी की दूरदर्शिता तथा कर्मठ मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्वर में आगे बढ़ता मध्यप्रदेश

सुरेश पचौरी

भारत की राजनीति में विकास अब केवल एक नारा नहीं, बल्कि सुशासन की कसौटी बन चुका है। केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में संचालित जनकल्याणकारी केन्द्री य योजनाओं और मध्यप्रदेश में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा प्रभावी क्रियान्वयन ने प्रदेश को देश के अग्रणी राज्यों की श्रेणी में स्थापित कर दिया है। आज मध्यप्रदेश विकास, सुशासन, नवाचार और जनभागीदारी का ऐसा मॉडल बनकर उभरा है, जिसकी चर्चा राष्ट्रीय स्तर पर हो रही है। मध्यगप्रदेश की उपलब्धियां केवल सरकारी रिपोर्टों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि यहां के करोड़ों नागरिकों के जीवन में आए सकारात्मक बदलाव की सशक्त कहानी भी हैं। यही कारण है कि आज मध्यप्रदेश अनेक केंद्रीय योजनाओं के क्रियान्वयन में देश में अग्रणी है। प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के अंतर्गत 9 लाख से अधिक आवासों का निर्माण कर मध्यप्रदेश देश में प्रथम स्थान पर है। जल जीवन मिशन के अंतर्गत 82 लाख से अधिक घरों तक नल से जल पहुंचना ग्रामीण जीवन में क्रांतिकारी परिवर्तन का उदाहरण है। वहीं आयुष्मान भारत योजना के तहत 4 करोड़ 46 लाख से अधिक कार्ड वितरित कर और 71 लाख से अधिक नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण उपचार उपलब्ध कराकर प्रदेश ने स्वास्थ्य सुरक्षा के क्षेत्र में नई मिसाल कायम की है। प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, पीएम स्वनिधि और पीएम स्ट्रीट वेंडर योजना जैसी योजनाओं ने महिलाओं, कारीगरों और छोटे व्यापारियों को आर्थिक आत्मनिर्भरता का नया आधार प्रदान किया है। किसान क्रेडिट कार्ड 6 लाख 50 हजार पशुपालकों को उपलब्धट हो चुके हैं। प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना में 52 लाख महिलाओं को लाभ मिला जो देश में अग्रणी है। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना में भी मध्य प्रदेश देश में अग्रणी है।

कृषि क्षेत्र में नई ऊँचाइयों की ओर

मध्यप्रदेश की पहचान कृषि प्रधान राज्य के रूप में रही है, लेकिन आज यह कृषि नवाचार और उत्पादन क्षमता के कारण राष्ट्रीय नेतृत्व की भूमिका में दिखाई देता है। प्रदेश खाद्यान्न उत्पादन व गेंहू उत्पोदन में देश में दूसरे स्थान पर है, जबकि दलहन एवं तिलहन उत्पादन में प्रथम स्थान पर अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करा चुका है। मक्का उत्पादन में देश का अग्रणी राज्य होने के साथ-साथ गेहूं, चना, उड़द और मसूर उत्पादन में भी मध्यप्रदेश शीर्ष राज्यों में शामिल है। एग्रीकल्चर इन्फ्रास्ट्रक्चर फंड योजना के तहत 5 हजार करोड़ रुपये से अधिक के प्रकरण स्वीकृत कर प्रदेश ने राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त किया है। 'एग्री स्टैक' परियोजना के तहत एक करोड़ से अधिक यूनिक फार्मर आईडी बनाकर मध्यप्रदेश भारत सरकार से शत-प्रतिशत प्रोत्साहन राशि प्राप्त करने वाला देश का एकमात्र राज्य बना है। यह उपलब्धि डिजिटल कृषि क्रांति की दिशा में डॉ. मोहन यादव के नेतृत्वा में प्रदेश की गंभीरता को दर्शाती है। इसके साथ ही ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नया आधार मिला है। जैसे मत्स्य पालन और पशुपालन के क्षेत्र में भी मध्यप्रदेश लगातार नई उपलब्धियां अर्जित कर रहा है। यह आत्मनिर्भर भारत की अवधारणा को जमीनी स्तर पर साकार करने का प्रभावी प्रयास है।

डिजिटल गवर्नेंस और सुशासन का मॉडल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश ने प्रशासनिक सुधारों के क्षेत्र में उल्लेखनीय कदम उठाए हैं। देश का पहला साइबर पंजीयन कार्यालय और सभी 55 जिलों में साइबर तहसील व्यवस्था लागू करना सुशासन की दिशा में क्रांतिकारी पहल मानी जा रही है। भारत नेट योजना के अंतर्गत 20,422 ग्राम पंचायतों में ऑप्टिकल फाइबर नेटवर्क बिछाकर प्रदेश ने ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल कनेक्टिविटी का नया अध्याय लिखा है। यही कारण है कि मध्यप्रदेश आज डिजिटल प्रशासन और तकनीक आधारित सेवा वितरण में अग्रणी राज्यों में गिना जाता है।

एस.जानकी स्वर की वह नदी, जो बीस भाषाओं में बहती रही..

कुमार कृष्णन

भारतीय सिनेमा के विशाल संगीत-आकाश का एक ऐसा नक्षत्र 11 जुलाई 2026 को अस्त हो गया, जिसकी चमक लगभग सात दशकों तक करोड़ों श्रोताओं के हृदय में बनी रही। दक्षिण भारतीय सिनेमा की महान पार्श्वगायिका एस. जानकी का 88 वर्ष की आयु में निधन केवल एक कलाकार का अवसान नहीं है, बल्कि भारतीय संगीत की उस जीवंत परंपरा का एक भावुक विराम है, जिसने भाषा, प्रदेश और संस्कृति की सीमाओं को अपनी आवाज़ से निरर्थक बना दिया था। 23 अप्रैल 1938 को जन्मी सिस्तला श्रीराममूर्ति जानकी, जिन्हें पूरा देश स्नेह से जानकी अम्मा कहता था, भारतीय पार्श्वगायन की उन विरल विभूतियों में थीं, जिनकी आवाज़ ने अनेक पीढ़ियों की भावनाओं को स्वर दिया। उन्होंने कन्नड़, तमिल, तेलुगु, मलयालम, हिंदी, उड़िया, उर्दू, संस्कृत, तुलु, कोंकणी, बंगाली और अन्य भारतीय भाषाओं सहित लगभग बीस भाषाओं में 48 हजार से अधिक गीत रिकॉर्ड किए। यह उपलब्धि केवल एक सांख्यिकीय रिकॉर्ड नहीं, बल्कि भारतीय सांस्कृतिक विविधता के साथ उनके अद्भुत संवाद का प्रमाण है।

भारतीय फिल्म संगीत के इतिहास में बहुत कम कलाकार ऐसे हुए हैं, जिन्होंने भाषाओं की सीमाओं को इतनी सहजता से पार किया हो। जिस तरह उत्तर भारत में लता मंगेशकर और आशा भोसले का नाम आदर से लिया जाता है, उसी तरह दक्षिण भारत में एस. जानकी श्रद्धा और सम्मान की प्रतीक थीं। अनेक संगीत प्रेमी उनकी तुलना आशा भोसले से करते रहे, किंतु वास्तव में जानकी ने अपनी अलग गायकी और स्वर-संवेदना से स्वयं की विशिष्ट पहचान बनाई।

उनका पार्श्वगायन का सफर 1957 में तमिल फिल्म विधियिन विलायट्टू से शुरू हुआ। उसी वर्ष उन्होंने मलयालम फिल्मों में भी गाना आरंभ किया और देखते ही देखते छह अलग-अलग भारतीय भाषाओं में गीत रिकॉर्ड कर भारतीय संगीत जगत को अपनी विलक्षण प्रतिभा का परिचय दे दिया। यह एक ऐसे करियर की शुरुआत थी, जो आने वाले साठ वर्षों तक निरंतर नई ऊँचाइयाँ छूता रहा। सत्तर का दशक आते-आते एस. जानकी मलयालम फिल्म उद्योग की सबसे लोकप्रिय महिला गायिका बन चुकी थीं। उस दौर के लगभग सभी प्रमुख संगीतकारों के साथ उन्होंने काम किया और ऐसे गीत गाए जो आज भी केरल के सांस्कृतिक जीवन का अभिन्न हिस्सा हैं। उनकी आवाज़ में एक साथ मिठास, करुणा, चंचलता और गहरी भावुकता का अद्भुत संगम था। यही कारण था कि प्रेम, विरह, भक्ति, लोकधुन या शास्त्रीयता–हर भाव उनकी आवाज़ में सहज रूप से जीवित हो उठता था।

1970 में उन्हें सर्वश्रेष्ठ गायिका का पहला केरल राज्य फिल्म पुरस्कार मिला। इसके बाद लगभग डेढ़ दशक तक इस सम्मान पर उनका लगभग एकछत्र अधिकार रहा। आगे चलकर उन्होंने विभिन्न राज्यों के कुल 33 राज्य फिल्म पुरस्कार और चार राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार प्राप्त किए। पुरस्कारों की यह लंबी सूची केवल उनकी लोकप्रियता का प्रमाण नहीं, बल्कि उस कलात्मक उत्कृष्टता की स्वीकृति थी, जिसे उन्होंने जीवनभर साधना की तरह निभाया।

एस. जानकी की सबसे बड़ी विशेषता उनकी आवाज़ की बहुरंगी प्रकृति थी। वे किसी किशोरी की मासूमियत भी गा सकती थीं और जीवन के संघर्षों से गुज़रती स्त्री का दर्द भी। लोकधुनों में जितनी सहज थीं, उतनी ही शास्त्रीयता पर आधारित कठिन रचनाओं में भी। उनकी आवाज़ पात्र के भावों के साथ स्वयं को इस तरह ढाल लेती थी कि श्रोता केवल गीत नहीं सुनता था, बल्कि उस चरित्र की आत्मा को महसूस करने लगता था।

दक्षिण भारत में उन्हें केवल एक गायिका नहीं, बल्कि स्वर कोकिला माना जाता था। उनकी लोकप्रियता का अंदाज़ा इसी से लगाया जा सकता है कि कई पीढ़ियों के संगीतकार–चाहे वे एम. एस. विश्वनाथन हों, के. वी. महादेवन, इलैयाराजा हों या ए. आर. रहमान–सभी ने उनकी असाधारण प्रतिभा पर भरोसा किया। हर दौर के संगीत में उन्होंने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई और हर नई पीढ़ी के साथ स्वयं को नए ढंग से प्रस्तुत किया।

यही कारण है कि एस. जानकी का निधन भारतीय संगीत जगत के लिए केवल एक शोक समाचार नहीं, बल्कि एक ऐसे युग का अवसान है, जिसने संगीत को भाषा से ऊपर उठाकर भावनाओं की सार्वभौमिक अभिव्यक्ति बना दिया।

दक्षिण भारतीय सिनेमा में एस. जानकी केवल एक पार्श्वगायिका नहीं थीं, बल्कि वे संगीतकारों की पहली पसंद थीं। चाहे एम. एस. विश्वनाथन हों, इलैयाराजा, के. वी. महादेवन या ए. आर. रहमान–हर पीढ़ी के संगीतकारों ने उनकी आवाज़ की विलक्षण क्षमता का भरपूर उपयोग किया। वे किसी भी रचना में अपनी आवाज़ को इस तरह ढाल देती थीं कि श्रोता को केवल गीत का भाव सुनाई देता था, गायिका का प्रदर्शन नहीं।

इलैयाराजा के साथ उनकी जोड़ी भारतीय फिल्म संगीत के इतिहास की सबसे सफल जोड़ियों में गिनी जाती है। प्रेम, विरह, भक्ति, लोकधुन, लोरी और शास्त्रीयता–हर रंग में उन्होंने ऐसी अमिट छाप छोड़ी कि अनेक गीत आज भी नए लगते हैं। उनकी गायकी में तकनीकी पूर्णता थी, लेकिन उससे भी अधिक महत्वपूर्ण था भावों का सहज प्रवाह। एस. जानकी ने लगभग पाँच दशकों तक दक्षिण भारतीय सिनेमा की प्रमुख अभिनेत्रियों को अपनी आवाज़ दी। उनकी आवाज़ कभी किशोरी की मासूमियत बन जाती, कभी माँ की ममता, कभी विरहिणी की पीड़ा और कभी आत्मविश्वास से भरी आधुनिक स्त्री की अभिव्यक्ति। यही कारण था कि वे केवल गाने नहीं गाती थीं, बल्कि पात्रों के भीतर की संवेदना को स्वर देती थीं।

हिंदी फिल्मों में उनकी उपस्थिति अपेक्षाकृत कम रही, लेकिन जितने भी गीत उन्होंने गाए, वे अपनी अलग पहचान छोड़ गए। बोल बेबी बोल रॉक एन रोल, यार बिना चैन कहाँ रे जैसे गीतों ने यह सिद्ध किया कि यदि उन्हें हिंदी सिनेमा में अधिक अवसर मिले होते तो वे वहाँ भी उतनी ही लोकप्रिय होतीं। चार राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार और अनेक राज्य स्तरीय सम्मान उनकी प्रतिभा की औपचारिक स्वीकृति थे। उन्होंने 2013 में पद्म भूषण स्वीकार करने से यह कहते हुए इनकार कर दिया था कि यह सम्मान उन्हें बहुत देर से दिया जा रहा है। इस निर्णय ने उनके स्वाभिमानी व्यक्तित्व को भी रेखांकित किया।

एस. जानकी की सबसे बड़ी विशेषता उनकी विनम्रता थी। इतनी बड़ी उपलब्धियों के बावजूद उन्होंने कभी स्वयं को केंद्र में नहीं रखा। वे मंच पर भी कम बोलती थीं और अपने गीतों को ही अपनी पहचान मानती थीं। यही कारण है कि वे जितनी महान कलाकार थीं, उतनी ही सहज इंसान थीं।उनकी संगीत की विरासत, जो कभी मौन नहीं होगी

एस. जानकी का संगीत केवल उनके समय का नहीं था; वह समय की सीमाओं से परे जाकर आने वाली पीढ़ियों की सांस्कृतिक धरोहर बन गया। आज भी दक्षिण भारत के घरों में सुबह की आराधना से लेकर रात की लोरियों तक उनकी आवाज़ सुनाई देती है। रेडियो, टेलीविजन, संगीत मंचों और डिजिटल माध्यमों पर उनके गीत लगातार नई पीढ़ी तक पहुँच रहे हैं। यही किसी महान कलाकार की सबसे बड़ी पहचान होती है कि उसके जाने के बाद भी उसकी कला जीवित रहती है। उन्होंने लगभग सात दशकों के अपने लंबे संगीत-सफर में बीस से अधिक भारतीय भाषाओं में हजारों गीत गाए। तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और मलयालम तो उनके स्वाभाविक क्षेत्र थे ही, हिंदी, ओड़िया, बंगाली, मराठी, गुजराती, संस्कृत, तुलु, कोंकणी और सिंहली जैसी भाषाओं में भी उन्होंने अपनी विशिष्ट पहचान बनाई। किसी भाषा के उच्चारण, उसके लोकस्वर और सांस्कृतिक भावभूमि को अपनाने की उनकी क्षमता अद्भुत थी। शायद यही कारण है कि अलग-अलग भाषाओं के श्रोता उन्हें अपनी गायिका मानते रहे।

आज जब संगीत तकनीक, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और डिजिटल प्रभावों के सहारे तेजी से बदल रहा है, एस. जानकी की गायकी यह याद दिलाती है कि किसी भी गीत की सबसे बड़ी शक्ति उसका भाव होता है। उनकी आवाज़ में न तो कृत्रिम सजावट थी और न प्रदर्शन की बेचैनी; वहाँ केवल सुर, संवेदना और आत्मीयता का विलक्षण संतुलन था। उन्होंने सिद्ध किया कि महान गायन केवल ऊँचे सुर लगाने का कौशल नहीं, बल्कि शब्दों में जीवन फूँक देने की कला है।

एस. जानकी के निधन के साथ भारतीय फिल्म संगीत के उस स्वर्णिम दौर की एक और कड़ी टूट गई, जिसने लता मंगेशकर, आशा भोसले, पी. सुशीला, के. जे. येसुदास, एस. पी. बालसुब्रह्मण्यम और अनेक महान कलाकारों के साथ मिलकर भारतीय संगीत को वैश्विक पहचान दी। किंतु कलाकारों की वास्तविक मृत्यु तब होती है, जब उनकी रचनाएँ भुला दी जाएँ। एस. जानकी के साथ ऐसा कभी नहीं होगा। उनके गीत आने वाले दशकों तक नए श्रोताओं के मन में उसी ताजगी से गूंजते रहेंगे।

उनका जीवन यह भी सिखाता है कि कला की कोई भौगोलिक या भाषाई सीमा नहीं होती। आंध्र प्रदेश के एक साधारण परिवार से निकलकर उन्होंने पूरे भारत की सांस्कृतिक चेतना में अपना स्थान बनाया। उन्होंने भाषाओं को नहीं, भावनाओं को गाया; इसलिए उनकी आवाज़ हर भाषा में अपनी लगती है।

88 वर्ष की आयु में उनका शरीर भले शांत हो गया हो, लेकिन उनका स्वर भारतीय संगीत की स्मृति में सदैव प्रवाहित रहेगा। जब भी कोई माँ लोरी गुनगुनाएगी, कोई प्रेमी विरह का गीत सुनेगा, कोई भक्त प्रार्थना में डूबेगा या कोई संगीत-प्रेमी पुराने गीतों की दुनिया में लौटेगा, कहीं न कहीं एस. जानकी की आवाज़ फिर सुनाई देगी। वास्तव में, एस. जानकी केवल एक गायिका नहीं थीं। वे भारतीय बहुभाषी संस्कृति की वह स्वर-नदी थीं, जो बीस से अधिक भाषाओं में बहती हुई करोड़ों लोगों के हृदय तक पहुँची और अब स्मृतियों की अनश्वर धारा बन चुकी है। सुरों की दुनिया में ऐसी आवाज़ें कभी विदा नहीं होतीं–वे समय के साथ और अधिक अमर होती जाती हैं।

मीलार्ड! कौन है इस अमर्यादित व्यवहार का जिम्मेदार?

यदि कोई देश की सर्वोच्च अदालत में दो शीर्ष न्यायाधीशों की उपस्थिति में सीजेआई के लिए अत्यंत आपत्तिजनक गाली देकर फाइल फेंक दे तो इस व्यवहार को क्या कहेंगे? क्या यह आम जन का न्याय व्यवस्था के प्रति आक्रोश माना जा सकता है? देश की सर्वोच्च अदालत केवल एक न्यायिक संस्था नहीं, बल्कि भारतीय लोकतंत्र के उस स्तंभ का प्रतीक है, जहां अंतिम उम्मीद लेकर आम नागरिक पहुंचता है। ऐसे में यदि उसी अदालत के भीतर ऐसी घटना घटे जिसमें एक वकील न्यायालय की कार्यवाही के दौरान मुख्य न्यायाधीश के प्रति अपमानजनक भाषा का प्रयोग करे, न्यायालय की गरिमा को चुनौती दे और गुस्से में फाइल फेंक दे, तो यह किसी एक व्यक्ति का अनुचित व्यवहार भर नहीं रह जाता, बल्कि न्याय व्यवस्था की मयार्दा और लोकतांत्रिक संस्थाओं के प्रति समाज के बदलते दृष्टिकोण पर गंभीर प्रश्न खड़े करता है।

मनोज कुमार अग्रवाल

सर्वोच्च न्यायालय में हुई घटना ने पूरे देश का ध्यान अपनी ओर खींचा है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार संबंधित याचिकाकर्ता वकील ने न्यायालय में अभद्र व्यवहार किया, मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत के लिए अत्यंत आपत्तिजनक अपशब्द कहे और अदालत की कार्यवाही बाधित कर दी। उस समय मुख्य न्यायाधीश स्वयं न्यायालय कक्ष में उपस्थित नहीं थे तथा न्यायमूर्ति के. वी. विश्वनाथन और न्यायमूर्ति आलोक अराधे की पीठ कार्यवाही कर रही थी। स्थिति बिगड़ते ही सुरक्षा कर्मियों ने तत्काल हस्तक्षेप कर दुर्व्यवहारी को न्यायालय कक्ष से बाहर निकाला और बाद में दिल्ली पुलिस उसे पूछताछ के लिए अपने साथ ले गई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार अदालत इस पूरे घटनाक्रम को अत्यंत गंभीरता से देख रही है और आवश्यक कानूनी कार्रवाई की प्रक्रिया आगे बढ़ रही है। भारत का सर्वोच्च न्यायालय संविधान संरक्षक, नागरिक अधिकारों का रखवाला और लोकतांत्रिक व्यवस्था में न्याय की अंतिम उम्मीद है। इसलिए सुप्रीम कोर्ट के भीतर होने वाला प्रत्येक व्यवहार केवल व्यक्तिगत आचरण का मामला नहीं रहता, बल्कि वह न्यायपालिका की प्रतिष्ठा ,बार अधिवक्ता समुदाय की जिम्मेदारी और कानून के शासन से जुड़ा प्रश्न बन जाता है। जब निचली अदालतों और अन्य संस्थाओं से राहत नहीं मिलती, तब व्यक्ति सुप्रीम कोर्ट की ओर आशा से देखता है। इसलिए सर्वोच्च अदालत के प्रत्येक शब्द, आदेश, परंपरा और व्यवहार का संबंध केवल एक मुकदमे से नहीं, बल्कि देश की लोकतांत्रिक और संवैधानिक व्यवस्था की प्रतिष्ठा से होता है। ऐसे में अदालत कक्ष के भीतर अभद्रता, आक्रामकता और अनुशासनहीनता की कोई भी घटना गंभीर चिंता का विषय है। शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान जो कुछ हुआ, वह न्यायालय की गरिमा के बेहद खिलाफ है । जस्टिस के. वी. विश्वनाथन और जस्टिस आलोक अराधे की पीठ के समक्ष प्रबल प्रताप नाम का एक याचिकाकर्ता स्वयं अपने मामले की पैरवी कर रहा था। सुनवाई के दौरान उसने न्यायाधीशों को ही आदेश देने का प्रयास किया, मामले की फाइल और कागज हवा में फेंक दिए तथा अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया। स्थित्ति असहनीय हो गई और सुरक्षाकर्मियों को हस्तक्षेप करते हुए उसे अदालत कक्ष से बाहर ले जाना पड़ा। याचिकाकर्ता इलाहाबाद हाईकोर्ट के एक आदेश से असंतुष्ट था। उसकी शिकायत थी कि पुलिस जांच से संबंधित उसकी अर्जी को हाईकोर्ट ने निजी शिकायत के रूप में देखने का निर्देश दिया था। किसी न्यायिक आदेश से असहमति होना असामान्य नहीं है। प्रत्येक नागरिक को कानून द्वारा उपलब्ध उपायों का इस्तेमाल करते हुए आदेश को चुनौती देने का अधिकार है, लेकिन कानूनी अधिकार और अदालत में दुर्व्यवहार करने की छूट दो अलग-अलग बातें हैं। हैं। किसी व्यक्ति को न्याय की मांग करने का पूरा अधिकार है, परंतु वह न्यायाधीशों को निर्देश देने, धमकाने, अपमानित करने या अदालत की कार्यवाही बाधित करने का अधिकार नहीं देता। इस घटना में सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने उल्लेखनीय संयम दिखाया है। न्यायाधीशों ने याचिकाकर्ता की मानसिक स्थिति और हताशा को देखते हुए उसके विरुद्ध दंडात्मक कार्रवाई नहीं करने का निर्णय लिया। अदालत ने कहा कि उसे उस व्यक्ति के प्रति सहानुभूति है और उसके व्यवहार को उसकी परेशानी और निराशा के परिणाम के रूप में देखा जाना चाहिए। याचिका को गुण-दोष के आधार पर खारिज कर दिया गया, लेकिन उसके अपमानजनक व्यवहार पर अलग से दंड नहीं दिया गया। अदालत का यह रुख न्यायिक उदारता और मानवीय संवेदनशीलता का उदाहरण अवश्य है, लेकिन इसके साथ एक बड़ा प्रश्न भी जुड़ा हुआ है। क्या ऐसी घटनाओं को केवल हताशा का परिणाम मानकर छोड़ देना भविष्य में गलत संदेश दे सकता है? सहानुभूति आवश्यक है, लेकिन न्यायालय का अनुशासन बनाए रखना भी उतना ही जरूरी है। यदि अदालत में फाइल फेंकने, अपशब्द कहने और न्यायाधीशों को आदेश देने जैसी घटनाएं बिना किसी संस्थागत प्रतिक्रिया के समाप्त हो जाएं, तो इससे अदालत की मर्यादा कमजोर होने का खतरा पैदा हो सकता है। विशेष रूप से तब, जब ऐसा व्यवहार करने वाला व्यक्ति विधि व्यवसाय से जुड़ा हो। वकील केवल अपने मुवक्किल का प्रतिनिधि नहीं होता, बल्कि वह न्याय व्यवस्था का एक अधिकारी भी माना जाता है। उससे अपेक्षा होती है कि वह कानून, न्यायालय और पेशेवर आचार संहिता का सम्मान करेगा। उसे अपने पक्ष को दृढ़ता से रखने का अधिकार है, लेकिन भाषा, व्यवहार और तर्क की संवैधानिक सीमा के भीतर। आवेश, अपमान और धमकी को कानूनी बहस का विकल्प नहीं बनाया जा सकता। आपको बता दें एडवोकेट्स एक्ट, 1961 के अंतर्गत बार काउंसिल को वकीलों के पेशेवर आचरण की जांच करने और अनुशासनात्मक कार्रवाई करने का अधिकार है। यदि प्रारंभिक जांच में कदाचार का मामला बनता है, तो संबंधित वकील को चेतावनी देने से लेकर एक निश्चित अवधि के लिए उसकी वकालत पर रोक लगाने अथवा गंभीर मामलों में उसका नाम अधिवक्ताओं की सूची से हटाने तक की कार्रवाई की जा सकती है। अब यह जिम्मेदारी संबंधित बार कार्डोसल की है कि वह पूरे घटनाक्रम का निष्पक्ष परीक्षण करे। ध्यान रहे ऐसा नहीं है कि सुप्रीम कोर्ट के भीतर इस प्रकार की घटना पहली बार हुई है। फरवरी 1999 में वकील नंद लाल बलवानी ने तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश ए. एस. आनंद की अध्यक्षता वाली पीठ की ओर जूता फेंका था। अदालत ने इसे घोर आपराधिक अवमानना मानते हुए उन्हें चार महीने की साधारण कैद और जुर्माने की सजा सुनाई थी। बाद में उनके खिलाफ पेशेवर अनुशासन की कार्रवाई भी हुई। उस समय अदालत ने स्पष्ट संदेश दिया था कि न्यायिक निर्णयों से असहमति का अर्थ अदालत की प्रतिष्ठा को ठेस पहुंचाने का अधिकार नहीं है। अक्टूबर 2025 में भी तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश बी.आर. गवई की अदालत में एक वकील ने नारेबाजी करते हुए उनकी ओर जूता उछालने का प्रयास किया था। उस समय भी न्यायमूर्ति गवई ने व्यक्तिगत उदारता दिखाते हुए घटना को अधिक महत्व नहीं दिया। न्यायाधीशों का यह संयम सराहनीय हो सकता है, लेकिन बार-बार होने वाली ऐसी घटनाएं न्यायालयों की सुरक्षा, प्रवेश व्यवस्था, पेशेवर मानसिक स्वास्थ्य और अनुशासनात्मक तंत्र पर पुनर्विचार की आवश्यकता बताती हैं। अदालत की अवमानना से संबंधित कानून का उद्देश्य न्यायाधीशों को व्यक्तिगत आलोचना से बचाना नहीं, बल्कि न्याय की प्रक्रिया को निर्बाध बनाए रखना है। न्यायिक निर्णयों की आलोचना लोकतंत्र में पूरी तरह स्वीकार्य है। कठोर से कठोर कानूनी आलोचना भी की जा सकती है, बशर्ते वह तथ्य, तर्क और मर्यादित भाषा पर आधारित हो। लेकिन अदालत को भयभीत करने, कार्यवाही रोकने या न्यायाधीशों को अपमानित करने वाला व्यवहार अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के दायरे में नहीं आ सकता। शुक्रवार की घटना ने एक बारु फिर चेतावनी दी है कि न्यायपालिका का सम्मान केवल भाषणों और औपचारिक अवसरों तक सीमित नहीं रह सकता।

सतपुड़ा टाइगर रिजर्व बंद होने से पचमढ़ी में उमड़ा सैलानियों का सैलाब, जिप्सी के लिए सुबह से लग रही लंबी कतारे

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। मध्यप्रदेश के प्रसिद्ध पर्यटन स्थल पचमढ़ी में इन दिनों पर्यटकों की भारी भीड़ देखने को मिल रही है मानसून की फुहारों, हरियाली और सुहावने मौसम का आनंद लेने के लिए बड़ी संख्या में पर्यटक 'सतपुड़ा की रानी' पचमढ़ी पहुंच रहे हैं दूसरी ओर सतपुड़ा टाइगर रिजर्व के मढ़ई कोर एरिया में सफारी फिलहाल बंद होने और चूरना बफर क्षेत्र के मार्गों की खराब स्थिति के कारण भी पर्यटकों का रुख पचमढ़ी की ओर अधिक हो गया है बढ़ती भीड़ के चलते होटल लगभग पूरी तरह भर चुके हैं और जिप्सी बुकिंग के लिए पर्यटकों को घंटों इंतजार करना पड़ रहा है। पर्यटन सीजन के चरम पर पहुंचने के कारण पचमढ़ी के प्रमुख दर्शनीय स्थलों पर सुबह से ही पर्यटकों की आवाजाही शुरू हो जाती है। धूपगढ़, बी फॉल, अप्सरा विहार, जटाशंकर, पांडव गुफाएं, रजत प्रपात और अन्य प्राकृतिक स्थलों पर दिनभर पर्यटकों की भीड़ बनी रहती है बारिश के मौसम में पहाड़ियों पर छाई हरियाली, झरनों का तेज बहाव और ठंडी हवाएं पर्यटकों को विशेष रूप से आकर्षित कर रही हैं सतपुड़ा टाइगर रिजर्व के मढ़ई कोर एरिया में सफारी बंद होने से वन्यजीव प्रेमियों को फिलहाल निराशा हाथ लगी है इसके अलावा चूरना बफर जोन की सड़कें भी बारिश के कारण खराब हो गई हैं जिससे वहां पहुंचना कठिन हो गया है ऐसे में अधिकांश पर्यटक अपनी यात्रा का केंद्र पचमढ़ी को बना रहे हैं पर्यटन कारोबार से जुड़े लोगों का कहना है कि इस स्थिति का सीधा असर पचमढ़ी में पर्यटकों की संख्या पर दिखाई दे रहा है सबसे अधिक परेशानी पर्यटकों को जिप्सी बुकिंग को लेकर हो रही है पचमढ़ी के विभिन्न पर्यटन स्थलों तक पहुंचने के लिए अधिकृत जिप्सी सेवा का उपयोग करना अनिवार्य होता है जिप्सी का टिकट बायसन लॉज स्थित काउंटर से जारी किया जाता है बढ़ती मांग के कारण पर्यटक सुबह तड़के ही टिकट काउंटर पर पहुंचने लगे हैं कई लोगों को दो-दो घंटे तक लाइन में खड़े रहने के बाद भी टिकट नहीं मिल पा रहा है स्थिति यह है कि बड़ी संख्या में पर्यटक एक दिन पहले ही एडवांस बुकिंग कराने का प्रयास कर रहे हैं ताकि अगले दिन बिना किसी परेशानी के घूम सकें। टैक्सी चालक कल्याण संघ पचमढ़ी एसोसिएशन के अध्यक्ष अनुराग अग्रवाल ने बताया कि पर्यटकों की सुविधा के लिए लगभग 390 जिप्सियां संचालित की जा रही हैं इसके बावजूद पर्यटकों की संख्या इतनी अधिक है कि सभी वाहनों की बुकिंग जल्दी पूरी हो जाती है उन्होंने बताया कि मानसून के दौरान पचमढ़ी आने वाले पर्यटकों की संख्या में हर वर्ष वृद्धि होती है लेकिन इस बार सतपुड़ा टाइगर रिजर्व के कुछ हिस्सों के बंद रहने के कारण भी अतिरिक्त दबाव देखने को मिल रहा है। पचमढ़ी के होटल व्यवसायियों के अनुसार नगर के लगभग 110 होटल इन दिनों पूरी तरह भरे हुए हैं सप्ताहांत और छुट्टियों के दौरान कमरों की उपलब्धता लगभग समाप्त हो जाती है कई पर्यटक बिना पूर्व बुकिंग के पहुंच रहे हैं जिससे उन्हें ठहरने के लिए भी कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है होटल संचालक पर्यटकों को पहले से ऑनलाइन या फोन पर बुकिंग कराने की सलाह दे रहे हैं। स्थानीय व्यापारियों का कहना है कि पर्यटकों की बढ़ती संख्या से होटल, रेस्टोरेंट, टैक्सी संचालकों, स्थानीय दुकानदारों और अन्य पर्यटन व्यवसायों को अच्छा लाभ मिल रहा है बारिश के मौसम में पचमढ़ी की प्राकृतिक सुंदरता अपने चरम पर होती है इसलिए प्रदेश के साथ-साथ देश के विभिन्न हिस्सों से भी बड़ी संख्या में लोग यहां पहुंच रहे हैं। हालांकि, भीड़ बढ़ने के साथ व्यवस्थाओं पर भी दबाव साफ दिखाई दे रहा है जिप्सी बुकिंग काउंटरों पर लंबी कतारें, पार्किंग की समस्या और प्रमुख पर्यटन स्थलों पर बढ़ती भीड़ प्रशासन के लिए चुनौती बन रही है।

चिरमिरी में अग्निवीर वायु भर्ती कार्यशाला आयोजित, युवाओं को भारतीय वायु सेना में करियर के अवसरों की दी जानकारी

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिले के चिरमिरी स्थित शासकीय पॉलिटेक्निक एवं आईटीआई परिसर में जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केंद्र के तत्वावधान में अग्निवीर वायु भर्ती कार्यशाला का आयोजन किया गया कार्यशाला का उद्देश्य युवाओं को भारतीय वायु सेना में करियर के अवसरों, अग्निवीर वायु भर्ती प्रक्रिया और चयन के विभिन्न चरणों की विस्तृत जानकारी प्रदान करना था बड़ी संख्या में विद्यार्थियों और युवाओं ने इसमें भाग लेकर भर्ती प्रक्रिया से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां प्राप्त कीं। कार्यशाला में भारतीय वायु सेना भर्ती कार्यालय भोपाल से आए अधिकारियों ने विद्यार्थियों को वायु सेना की गौरवशाली परंपरा, राष्ट्र सुरक्षा में उसकी महत्वपूर्ण भूमिका तथा अनुशासन, समर्पण और देशसेवा के मूल्यों से परिचित कराया उन्होंने बताया कि भारतीय वायु सेना युवाओं को आधुनिक तकनीक के साथ कार्य करने उच्च स्तरीय प्रशिक्षण प्राप्त करने और सम्मानजनक करियर बनाने का उत्कृष्ट अवसर प्रदान करती है अधिकारियों ने अग्निवीर वायु भर्ती की शैक्षणिक योग्यता, आयु सीमा, शारीरिक एवं चिकित्सीय मानकों, ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया, लिखित परीक्षा, शारीरिक दक्षता परीक्षा, दस्तावेज सत्यापन और मेडिकल परीक्षण सहित चयन प्रक्रिया के सभी चरणों की विस्तार से जानकारी दी साथ ही अभ्यर्थियों को गणित, विज्ञान और अंग्रेजी विषयों की बेहतर तैयारी करने तथा नियमित शारीरिक फिटनेस बनाए रखने की सलाह भी दी।

एमसीबी जिले में नि:शुल्क गणवेश योजना का शत-प्रतिशत क्रियान्वयन, 35,762 विद्यार्थियों को मिला लाभ

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। शैक्षणिक सत्र 2026-27 के तहत मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर एमसीबी जिले में नि:शुल्क गणवेश योजना का सफलतापूर्वक शत-प्रतिशत क्रियान्वयन किया गया है जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय द्वारा जारी जानकारी के अनुसार जिले के सभी पात्र विद्यार्थियों को समय पर नि:शुल्क गणवेश वितरित कर दिए गए हैं विशेष बात यह रही कि प्राप्त सभी 35,762 गणवेशों का पूर्ण वितरण सुनिश्चित किया गया और वितरण के बाद एक भी गणवेश शेष नहीं बचा। जिला शिक्षा विभाग के प्रतिवेदन के अनुसार इस वर्ष जिले में कुल 35,762 विद्यार्थी नि:शुल्क गणवेश योजना के लिए पात्र पाए गए इनमें 16,503 बालक तथा 19,259 बालिकाएं शामिल हैं सभी पात्र विद्यार्थियों के लिए समान संख्या में गणवेश प्राप्त हुए जिनका विद्यालयों के माध्यम से व्यवस्थित और समयबद्ध वितरण किया गया। विभागीय आंकड़ों के अनुसार 16,503 बालकों एवं 19,259 बालिकाओं सहित कुल 35,762 विद्यार्थियों को नि:शुल्क गणवेश उपलब्ध कराए गए। वितरण कार्य पूरा होने के बाद शेष गणवेशों की संख्या बालक-0, बालिका-0 तथा कुल-0 दर्ज की गई है इससे यह स्पष्ट होता है कि योजना का लाभ जिले के प्रत्येक पात्र विद्यार्थी तक बिना किसी कमी के पहुंचाया गया। शिक्षा विभाग का कहना है कि नि:शुल्क गणवेश योजना का उद्देश्य विद्यार्थियों के बीच समानता की भावना को बढ़ावा देना, आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों पर शिक्षा संबंधी खर्च का बोझ कम करना तथा विद्यालयों में नियमित उपस्थिति को प्रोत्साहित करना गणवेश उपलब्ध होने से विद्यार्थियों में आत्मविश्वास बढ़ता है और शिक्षा के प्रति सकारात्मक वातावरण तैयार होता है जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय ने योजना के प्रभावी संचालन के लिए सभी विकासखंडों, संकुलों एवं विद्यालयों के समन्वित प्रयासों की सराहना की है समयबद्ध वितरण सुनिश्चित करने के लिए विद्यालय स्तर पर विशेष निगरानी रखी गई जिसके परिणामस्वरूप किसी भी पात्र विद्यार्थी को गणवेश से वंचित नहीं रहना पड़ा नि:शुल्क गणवेश योजना के सफल क्रियान्वयन से जिले के हजारों विद्यार्थियों और उनके परिवारों को प्रत्यक्ष लाभ मिला है।

शिवपुरी में स्कूल बसों की जांच, 6 बसों पर 13 हजार का जुर्माना, एक बस आरटीओ भेजी गई

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। प्रदेशव्यापी 10 दिवसीय स्कूल बस चेकिंग अभियान के तहत मंगलवार को शिवपुरी में यातायात पुलिस और आरटीओ की संयुक्त टीम ने हैप्पी डेज स्कूल और सेंट बेनेडिक्स स्कूल की बसों का निरीक्षण किया अभियान के दौरान कुल 12 स्कूल बसों की जांच की गई, जिनमें से 6 बसों में नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर चालानी कार्रवाई करते हुए 13 हजार रुपये का शमन शुल्क वसूला गया वहीं गंभीर खामियां मिलने पर एक बस को फिटनेस और परमिट निरस्तीकरण की कार्रवाई के लिए आरटीओ कार्यालय भेजा गया। यातायात प्रभारी रणवीर सिंह यादव ने बताया कि जांच सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों और केंद्रीय मोटर वाहन अधिनियम-1989 के प्रावधानों के तहत की गई निरीक्षण के दौरान कई बसों में स्पीड गवर्नर, इंडिकेटर और वाइपर खराब मिले कुछ बसों के टायर अत्यधिक घिसे हुए थे तथा नट-बोल्ट भी टूटे पाए गए। एक बस बिना वैध बीमा के संचालित हो रही थी जबकि एक अन्य बस में स्पीड गवर्नर और सीट बेल्ट नहीं लगी थी। हैप्पी डेज स्कूल की बस में गंभीर तकनीकी खामियां मिलने पर उसे आरटीओ कार्यालय भेज दिया गया है यातायात पुलिस ने स्कूल प्रबंधन और वाहन चालकों को सुरक्षा मानकों का पालन करने के निर्देश दिए हैं तथा चेतावनी दी है कि अभियान आगे भी जारी रहेगा और नियमों का उल्लंघन करने वाले स्कूल वाहनों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।

एमसीबी जिले में पाठ्यपुस्तक वितरण अभियान तेज, 1,033 विद्यालयों में 3.14 लाख से अधिक किताबें पहुंचीं

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। शैक्षणिक सत्र 2026-27 में विद्यार्थियों को समय पर अध्ययन सामग्री उपलब्ध कराने के उद्देश्य से एमसीबी जिले में पाठ्यपुस्तक वितरण एवं ऑनलाइन स्कैनिंग अभियान तेज गति से संचालित किया जा रहा है शिक्षा विभाग के टेक्स्ट बुक डिस्ट्रीब्यूशन ट्रैकिंग सिस्टम के अनुसार 13 जुलाई 2026 तक जिले के तीनों विकासखंडों के 1,033 विद्यालयों में 3,14,046 से अधिक पाठ्यपुस्तकों का वितरण किया जा चुका है विभाग द्वारा क्लस्टर स्तर पर लगातार मॉनिटरिंग कर शेष पुस्तकों के वितरण और ऑनलाइन स्कैनिंग कार्य को शीघ्र पूरा कराने के निर्देश दिए गए हैं जिला शिक्षा विभाग के अनुसार मनेंद्रगढ़ विकासखंड के 346 विद्यालयों में अध्ययनरत 10,027 विद्यार्थियों के लिए अब तक 1,19,448 पाठ्यपुस्तकों का वितरण किया गया है इनमें से 97,880 पुस्तकों की ऑनलाइन स्कैनिंग पूरी हो चुकी है जबकि 57,331 पुस्तकों का वितरण स्कैनिंग के माध्यम से दर्ज किया गया है विकासखंड के सभी 28 क्लस्टरों में अभियान जारी है क्लस्टरवार प्रगति में मनेंद्रगढ़ (टीडब्ल्यूडी), खोंगापानी, केल्हारी, मनेंद्रगढ़ और बेलबहरा ने उल्लेखनीय प्रदर्शन किया है खड़गवां विकासखंड के 344 विद्यालयों के 5,094 विद्यार्थियों के लिए अब तक 98,492 पाठ्यपुस्तकों का वितरण किया गया है इनमें से 68,087 पुस्तकों की ऑनलाइन स्कैनिंग पूरी हो चुकी है तथा विकासखंड में कुल 69.13 प्रतिशत स्कैनिंग कार्य पूर्ण हो चुका है सकरिया, मेरो, जिलीबांध, मझौली, कटकोना, बरदर और गणेशपुर जैसे क्लस्टरों ने 90 प्रतिशत से अधिक स्कैनिंग कर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है वहीं जिन क्लस्टरों में प्रगति अपेक्षाकृत धीमी है वहां अभियान को गति देने के निर्देश जारी किए गए हैं। भरतपुर विकासखंड के 343 विद्यालयों के 5,642 विद्यार्थियों के लिए 96,106 पाठ्यपुस्तकों का वितरण किया जा चुका है। इनमें से 68,408 पुस्तकों की ऑनलाइन स्कैनिंग पूरी हो गई है और विकासखंड में कुल 71.18 प्रतिशत स्कैनिंग दर्ज की गई है। घाघरा (बी), मलकडोल, खमरौध (बी), घाघरा (सी), देवगढ़ (बी) तथा माड़ीसरई (ए) ने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 90 प्रतिशत से अधिक स्कैनिंग पूरी की है।

शिवपुरी में डिलीवरी के बाद प्रसूता की मौत, मायके पक्ष ने ससुराल पर प्रताड़ना और लापरवाही के लगाए आरोप

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। शिवपुरी जिला अस्पताल में मंगलवार को एक प्रसूता को मृत अवस्था में लाया गया प्रसव के बाद तबीयत बिगड़ने पर भौती अस्पताल से रेफर की गई 25 वर्षीय प्रीति परिहार की जिला अस्पताल पहुंचने से पहले ही रास्ते में मौत हो गई चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया घटना की सूचना मिलते ही अस्पताल चौकी पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया जानकारी के अनुसार खोड़ चौकी क्षेत्र के आसपुर गांव निवासी प्रीति परिहार पत्नी वीरू परिहार ने मंगलवार सुबह भौती अस्पताल में एक बच्ची को जन्म दिया था प्रसव के कुछ समय बाद उसकी हालत अचानक गंभीर हो गई जिसके बाद उसे जिला अस्पताल रेफर किया गया लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई मृतका के मायके पक्ष ने ससुराल वालों पर गंभीर आरोप लगाए हैं प्रीति की बहन प्रियंका परिहार का कहना है कि गर्भावस्था के दौरान प्रीति को पर्याप्त इलाज नहीं मिला और पिछले दो महीनों से उसे मायके लाकर उपचार कराने की कोशिश की जा रही थी लेकिन ससुराल पक्ष ने उसे भेजने से इनकार कर दिया उन्होंने यह भी दावा किया कि इस संबंध में पहले पुलिस से शिकायत की गई थी लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। अस्पताल चौकी पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और दोनों पक्षों के बयानों के आधार पर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

नर्मदा में डूब रही युवती की पुलिस ने बचाई जान, नदी में छलांग लगाकर किया रेस्क्यू, महिला एसआई ने CPR देकर लौटाईं सांसें

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम में कोतवाली पुलिस और डायल-112 की टीम ने साहस, तत्परता और सूझबूझ का परिचय देते हुए नर्मदा नदी में डूब रही एक युवती की जान बचा ली पोस्ट ऑफिस घाट पर सोमवार रात हुई इस घटना में पुलिसकर्मियों ने बिना अपनी जान की परवाह किए नदी में छलांग लगाकर युवती को बाहर निकाला बाहर निकालने के समय युवती बेहोश थी और उसकी सांसें सामान्य नहीं थीं मौके पर पहुंची महिला उपनिरीक्षक (एसआई) दीपिका लोखंडे ने तत्काल सीपीआर (कार्डियोपल्मोनरी रिससिटेशन) देकर उसकी सांसें वापस लौटा दीं इसके बाद युवती को तत्काल जिला अस्पताल पहुंचाया गया जहां उसका उपचार जारी है और उसकी हालत फिलहाल स्थिर बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार सोमवार रात करीब 8 बजे डायल-112 की टीम पोस्ट ऑफिस घाट क्षेत्र में गश्त पर थी इसी दौरान प्रधान आरक्षक राकेश और वाहन चालक (पायलट) की नजर नर्मदा नदी में डूब रही एक युवती पर पड़ी स्थिति की गंभीरता को समझते हुए दोनों पुलिसकर्मियों ने बिना समय गंवाए नदी में छलांग लगा दी तेज बहाव के बीच उन्होंने काफी प्रयास कर युवती को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। उस समय वह पूरी तरह बेहोश हो चुकी थी और उसकी हालत बेहद नाजुक थी। घटना की सूचना मिलते ही कोतवाली थाना पुलिस की टीम भी तत्काल मौके पर पहुंची। महिला एसआई दीपिका लोखंडे के साथ आरक्षक हरीश और पंखेश ने राहत कार्य की कमान संभाली युवती की स्थिति गंभीर देखते हुए एसआई दीपिका लोखंडे ने मौके पर ही सीपीआर देना शुरू किया कुछ देर की लगातार कोशिश के बाद युवती की सांसें लौट आईं और उसे होश आ गया इसके बाद पुलिस ने बिना देर किए डायल-112 वाहन से उसे जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने तत्काल उपचार शुरू किया पुलिस के अनुसार युवती नर्मदापुरम के कोठी बाजार क्षेत्र की रहने वाली है प्रारंभिक जांच में आशंका जताई जा रही है कि वह आत्महत्या के उद्देश्य से नर्मदा घाट पहुंची थी हालांकि पुलिस ने स्पष्ट किया है कि अभी इस संबंध में कोई अंतिम निष्कर्ष नहीं निकाला गया है युवती मानसिक और शारीरिक रूप से सदमे की स्थिति में है इसलिए उसके बयान अभी दर्ज नहीं किए जा सके हैं डॉक्टरों की अनुमति मिलने के बाद उसके बयान दर्ज कर पूरे घटनाक्रम की जांच की जाएगी।

शिवपुरी में बैल पकड़ने को लेकर दो पक्षों में खूनी संघर्ष, लाठी-डंडों से हमले में 10 घायल

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। जिले के अमोला थाना क्षेत्र के सोन्हर गांव में आवारा पशुओं को जंगल की ओर ले जाने के दौरान एक बैल पकड़ने को लेकर दो पक्षों के बीच विवाद हिंसक झड़प में बदल गया आरोप है कि विवाद के दौरान एक पक्ष ने दूसरे पक्ष पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया जिसमें तीन महिलाओं सहित कुल 10 लोग घायल हो गए सभी घायलों को उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है घटना का एक वीडियो भी सामने आया है। पुलिस के अनुसार रामकिशन जाटव ने शिकायत दर्ज कराई है कि गांव के पवन ठाकुर, रिंकू ठाकुर और अन्य लोग आवारा गाय-बैलों को जंगल की ओर ले जा रहे थे इसी दौरान बैल पकड़ने को लेकर विवाद हुआ शिकायत में आरोप लगाया गया है कि विरोध करने पर आरोपियों ने जातिसूचक गालियां दीं और लाठी-डंडों से हमला कर दिया बीच-बचाव करने पहुंचे रायभान जाटव सहित अन्य लोगों के साथ भी मारपीट की गई जिससे कई लोग घायल हो गए। अमोला थाना पुलिस ने शिकायत के आधार पर पवन ठाकुर, रिंकू ठाकुर, प्रशांत ठाकुर, पुष्पेंद्र ठाकुर, राजबहादुर ठाकुर और मोहन ठाकुर के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि मामले की सभी पहलुओं से जांच की जा रही है और जांच के आधार पर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

केसला की बीईओ आशा मौर्य निलंबित, शिक्षकों के अटैचमेंट और वित्तीय अनियमितताओं पर कमिश्नर की बड़ी कार्रवाई

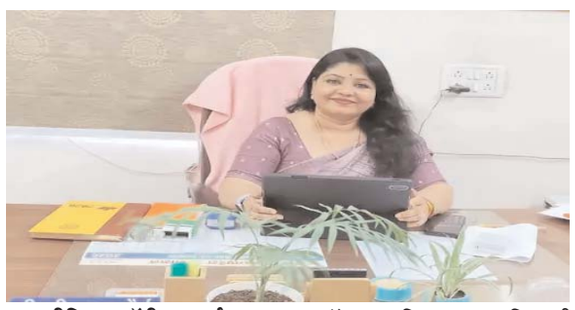

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम जिले के आदिवासी विकासखंड केसला में शिक्षकों के अटैचमेंट और अतिथि शिक्षकों की नियुक्ति में कथित अनियमितताओं के मामले में बड़ी प्रशासनिक कार्रवाई की गई है। केसला की ब्लॉक शिक्षा अधिकारी (बीईओ) आशा मौर्य को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है यह कार्रवाई कलेक्टर सोमेश मिश्रा की जांच रिपोर्ट के आधार पर नर्मदापुरम संभाग के आयुक्त श्रीकांत बनोठ ने की है आरोप है कि नियमित शिक्षकों को उनके मूल विद्यालयों से हटाकर अन्य कार्यालयों में अटैच किया गया, जिससे स्कूलों में शिक्षकों की कमी हुई और विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित हुई साथ ही रिक्त पद दर्शाकर अतिथि शिक्षकों की नियुक्ति कर वित्तीय अनियमितता भी की गई। मामले की शुरुआत तवानगर शासकीय आदर्श उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के परीक्षा परिणाम को लेकर हुई शिकायत से हुई विधायक प्रतिनिधि रीता सिंह ठाकुर ने आरोप लगाया था कि विद्यालय के नियमित शिक्षकों को अन्य स्थानों पर अटैच किए जाने के कारण विद्यार्थियों को पर्याप्त शैक्षणिक मार्गदर्शन नहीं मिल सका इसका सीधा असर कक्षा 9वीं से 12वीं तक के वार्षिक परीक्षा परिणाम पर पड़ा शिकायत के बाद प्रशासन ने पूरे मामले की जांच के आदेश दिए। जांच की जिम्मेदारी जनजातीय कार्य विभाग के सहायक आयुक्त विवेक नागवंशी को सौंपी गई जांच में कई महत्वपूर्ण तथ्य सामने आए। रिपोर्ट के अनुसार अनेक शिक्षकों को उनके मूल विद्यालयों से हटाकर बीईओ कार्यालय तथा अन्य संस्थानों में अटैच किया गया था इनमें शिक्षिका मोनिका चिमानिया, प्राथमिक शिक्षक मुकेश तिवारी और माध्यमिक शिक्षक सुमित खरे सहित अन्य शिक्षकों के नाम भी शामिल बताए गए हैं जांच में यह भी सामने आया कि जिन विद्यालयों से नियमित शिक्षकों को अटैच किया गया वहां उनके पद रिक्त दर्शाकर अतिथि शिक्षकों की नियुक्ति कर दी गई। इससे एक ओर नियमित शिक्षकों का वेतन जारी रहा वहीं दूसरी ओर अतिथि शिक्षकों को भी भुगतान किया गया जांच अधिकारियों ने इसे वित्तीय अनियमितता और प्रशासनिक लापरवाही माना है इस व्यवस्था से न केवल सरकारी धन का अतिरिक्त व्यय हुआ बल्कि कई विद्यालयों में शिक्षण व्यवस्था भी प्रभावित हुई। जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने पूरे मामले को गंभीर कदाचार और अनुशासनहीनता की श्रेणी में मानते हुए बीईओ आशा मौर्य के निलंबन का प्रस्ताव संभागायुक्त को भेजा प्रस्ताव में आरोपों की गंभीरता को देखते हुए तत्काल कार्रवाई की अनुशंसा की गई थी इसके आधार पर संभागायुक्त श्रीकांत बनोठ ने मध्यप्रदेश सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियम, 1966 के नियम 9(1) के तहत आशा मौर्य को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया निलंबन अवधि के दौरान उन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता प्रदान किया जाएगा।

शिवपुरी में इलेक्ट्रिक स्कूटी की बैटरी फटी, कुछ मिनटों में जलकर राख

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। जिले के इंदार थाना क्षेत्र के ग्राम बामौरखुर्द में मंगलवार सुबह एक इलेक्ट्रिक स्कूटी में बैटरी फटने से भीषण आग लग गई देखते ही देखते आग ने पूरी स्कूटी को अपनी चपेट में ले लिया और कुछ ही मिनटों में वाहन पूरी तरह जलकर राख हो गया घटना के समय स्कूटी के आसपास कोई मौजूद नहीं था जिससे बड़ा हादसा टल गया। जानकारी के अनुसार ग्राम बामौरखुर्द निवासी रामभान सिंह यादव अपनी इलेक्ट्रिक स्कूटी खेत पर खड़ी कर गए थे सुबह करीब 7 बजे अचानक स्कूटी की बैटरी में विस्फोट हुआ और उसमें आग लग गई आसपास मौजूद लोगों ने आग बुझाने का प्रयास किया लेकिन आग इतनी तेज थी कि स्कूटी को बचाया नहीं जा सका। स्कूटी मालिक रामभान सिंह यादव ने बताया कि उन्होंने करीब चार महीने पहले गुना से 77 हजार रुपये में इलेक्ट्रिक स्कूटी खरीदी थी अचानक हुई इस घटना से उन्हें आर्थिक नुकसान उठना पड़ा है घटना में किसी व्यक्ति के घायल होने या जनहानि की सूचना नहीं है हालांकि इलेक्ट्रिक स्कूटी की बैटरी फटने की इस घटना ने इलेक्ट्रिक वाहनों की सुरक्षा और बैटरी की गुणवत्ता को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं।

सास बहू सम्मेलनो में छोटे परिवार का महत्व बताया

मीडिया ऑडीटर,खण्डवा (निप्र)। विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर जिले में जनसंख्या नियंत्रण से संबंधित विषयों पर केंद्रित विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं। इसी क्रम में किल्लौद विकासखण्ड के ग्राम रोसड़, बिल्लौद, मालूद, झागरिया, मिनावा, सोमगांव, गंभीर तथा हरसूद विकासखण्ड के ग्राम रेवापुर में सास बहू सम्मेलन आयोजित किये गये। किल्लौद की खण्ड चिकित्सा अधिकारी डॉ. नीलम मिश्रा ने बताया कि सास बहू सम्मेलन में सी.एच.ओ. व एएनएम द्वारा उपस्थित महिलाओं को छोटे परिवार के महत्व के बारे में बताया गया और परिवार नियोजन के अस्थायी साधनों के संबंध में जानकारी दी गई। इस दौरान मातृत्व स्वास्थ्य व शिशु स्वास्थ्य की जानकारी के साथ साथ सास बहू में आपसी सामंजस्य, बच्चों में अंतराल तथा छोटे परिवार के महत्व के बारे में जानकारी दी गई। डॉ नीलम मिश्रा ने सम्मेलन में कहा कि वर्तमान में लड़का लड़की एक समान हैं, क्योंकि लड़कियां भी लड़कों की तरह पढ़ लिखकर उच्च पदों पर कार्य कर रही हैं, और अपने परिवार व माता पिता का नाम रौशन कर रही हैं। इसलिए बालिकाओं को उच्च शिक्षा देना आवश्यक है, ताकि अपने परिवार की अच्छी तरह से परवरिश कर सकें।

सीहोर में रोजगार मेला 16 जुलाई को

मीडिया ऑडीटर, सीहोर (निप्र)। युवाओं को रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए 16 जुलाई को प्रातः 11 बजे सीहोर स्थित महिला आईटीआई कॉलेज में युवा संगम रोजगार, स्वरोजगार एवं अप्रेंटिसशिप मेला आयोजित किया जाएगा। रोजगार मेले में रोजगार विभाग द्वारा स्थानीय, प्रदेश एवं अन्य राज्यों की कंपनियों को आमंत्रित कर युवाओं को रोजगार प्रदान किया जायेगा। मेले में विभिन्न कंपनियों द्वारा लगभग 2205 पदों युवाओं की भर्ती की जाएगी। इसी प्रकार जिला व्यापार उद्योग केन्द्र द्वारा स्वरोजगार विभागों के स्वरोजगार प्राप्त हितग्राहियों को लाभान्वित कर नये प्रकरण तैयार किये जाएंगे। आईटीआई विभाग द्वारा अप्रेंटिसशिप के लिये युवाओं को चयनित किया जाएगा।

एनपीएस संचय आउटरीच कार्यक्रम आयोजित

मीडिया ऑडीटर, सीहोर (निप्र)। जिले के किसानों, ग्रामीणों एफपीओ सदस्यों, ग्रामीण कारीगरों, असंगठित एवं संगठित कामगारों तथा छोटे उद्यमियों को पेंशन योजनाओं की जानकारी देने के उद्देश्य से सीहोर में एनपीएस संचय आउटरिच कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में पीएफआरडीए के अधिकारियों ने एनपीएस संचय के अंतर्गत पेंशन योजनाओं की विस्तार से जानकारी दी और हितग्राहियों के प्रश्नों के जवाब भी दिए। इस योजना के अंतर्गत सभी को अपने भविष्य के लिए एनपीएस संचय के माध्यम से पेंशन योजनाओं में निवेश करने और अपने भविष्य को सुरक्षित करने के लिए प्रेरित किया गया। इसके साथ ही उपस्थित लोगो को इस सम्बन्ध में विशेष प्रशिक्षण भी दिया गया। कार्यक्रम में राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति के एजीएम श्री पंकज कुमार, बैंक ऑफ़ इंडिया भोपाल के एजीएम श्री संदीप कुमार, नाबाड के डीडीएम सुश्री ओजस्वी दीछित, आरसेटी के डायरेक्टर श्री अमित गुप्ता, पीएफआरडीए के सहायक प्रबंधक श्री शुभम खंडेलवाल, एलडीएम श्री जयदीप भट्टाचार्य सहित जिले के सभी सरकारी एवं गैर सरकारी बैंकों के प्रतिनिधि सहित किसान और उद्यमी उपस्थित थे।

प्रदेश के उच्च शिक्षण संस्थानों में चलेगा 'नशे से दूरी है जरूरी 2.0' अभियान

मीडिया ऑडीटर, सीहोर (निप्र)। विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभावों से बचाने और समाज में नशा मुक्ति के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से प्रदेश के सभी शासकीय एवं निजी विश्वविद्यालयों तथा महाविद्यालयों में 'नशे से दूरी है जरूरी 2.0' अभियान संचालित किया जाएगा। यह अभियान 15 जुलाई से 30 जुलाई 2026 तक चलेगा। उच्च शिक्षा विभाग द्वारा सभी उच्च शिक्षण संस्थानों को अभियान के अंतर्गत समयबद्ध रूप से जागरूकता गतिविधियां आयोजित करने के निर्देश दिए गए हैं। अभियान के दौरान विद्यार्थी, एनसीसी कैडेट्स और स्काउट गाइड युवाओं को नशा मुक्त समाज के निर्माण का संदेश देंगे। अभियान की शुरुआत 15 जुलाई 2026 को होगी। जागरूकता रैली, ड्रग अवेयरनेस रन की गतिविधियां होंगी। इस दौरान स्थानीय मीडिया के माध्यम से जागरूकता संदेश प्रसारित किए जाएंगे तथा नशा मुक्ति से जुड़े पम्पलेट वितरित किए जाएंगे। विद्यार्थियों को नशा मुक्त जीवन की शपथ भी दिलाई जाएगी। इसके साथ ही विद्यार्थियों द्वारा नशे के विरुद्ध जन-जागरूकता के लिए रील्स एवं शॉर्ट फिल्म निर्माण तथा उनका प्रदर्शन किया जाएगा। साथ ही नशा मुक्ति विषय पर विशेष व्याख्यान और डॉक्यूमेंट्री प्रदर्शन आयोजित होंगे। उच्च शिक्षण संस्थानों के आसपास तम्बाकू, सिगरेट या अन्य नशीले पदार्थों की बिक्री नहीं हो, इस संबंध में भी जागरूकता सुनिश्चित की जाएगी। चित्रकला, निबंध, पेंटिंग, स्लोगन, रंगोली एवं पोस्टर प्रतियोगिताओं के माध्यम से विद्यार्थी नशा मुक्ति का संदेश देंगे। इन गतिविधियों में विद्यार्थियों के साथ अभिभावकों की सहभागिता भी सुनिश्चित की जाएगी। अभियान का उद्देश्य युवाओं में नशे के प्रति जागरूकता बढ़ाकर उन्हें स्वस्थ जीवनशैली के लिए प्रेरित करना और शिक्षण संस्थानों के माध्यम से नशा मुक्त समाज के निर्माण में सहभागिता सुनिश्चित करना है।

रायसेन में 14 जुलाई को आयोजित होगा जिला स्तरीय युवा संगम कार्यक्रम

मीडिया ऑडीटर, रायसेन (निप्र)। जिले के बेरोजगार युवाओं को रोजगार तथा स्वरोजगार से जोड़ने कलेक्टर श्री अरूण कुमार विश्वकर्मा के निर्देशानुसार 14 जुलाई को रायसेन स्थित पीएम उत्कृष्ट स्वामी विवेकानंद शासकीय अग्रणी महाविद्यालय में प्रातः 11 बजे से जिला स्तरीय युवा संगम कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। इस युवा संगम कार्यक्रम में अधिक से अधिक युवाओं की सहभागिता कराते हुए उन्हें रोजगार और स्वरोजगार से जोड़ने के लिए अधिकारियों को दायित्व सौंपे गए हैं। इस युवा संगम कार्यक्रम में युवाओं को विभिन्न कम्पनियों में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जाने के साथ ही शासन की स्वरोजगारमूलक योजनाओं की जानकारी भी दी जाएगी। इस जिला स्तरीय युवा संगम कार्यक्रम में नवभारत फर्टीलाइजर भोपाल, भास्कर मण्डीदीप, आईपीएस भोपाल, इंसुलेटर एण्ड इलेक्ट्रिकल्स मण्डीदीप, यश्यवी ग्रुप मण्डीदीप, सागर मेनिफेक्चर तामोट, होम हेल्प सेंटर रायसेन, हकाई सिकरोटी मण्डीदीप, आर सेठी रायसेन, वोल्वो आयशर वगरोदा, पुखराज प्रा.लि. भोपाल समर्थन ट्रस्ट भोपाल द्वारा विभिन्न पदों पर युवाओं की भर्ती की जाएगी। इसके लिए अनिवार्य योग्यता पदानुसार कक्षा 8वीं, 10वीं, 12वीं, स्नातक, आईटीआई, डिप्लोमा इंजीनियरिंग एवं डिग्री इंजीनियरिंग है। आयु सीमा 18 वर्ष से 35 वर्ष निर्धारित है। इस अवसर पर ऐसे अभ्यर्थी जो स्वयं का स्वरोजगार स्थापित करना चाहते हैं।

मदिरा के अवैध विक्रय व संग्रहण के विरूद्ध 12 प्रकरण दर्ज

हरदामीडिया ऑडीटर, (निप्र)। कलेक्टर श्री सिद्धार्थ जैन के निर्देशन व जिला आबकारी अधिकारी श्री सुनील भोजने के मार्गदर्शन में आबकारी विभाग के दल ने गत दिवस को मदिरा के अवैध विक्रय, परिवहन व संग्रहण के विरूद्ध कार्यवाही की। जिला आबकारी अधिकारी श्री सुनील भोजने ने बताया कि इस दौरान आबकारी विभाग के दल ने जिले के ग्राम खुदिया, जूनापानी, रिछाड़िया, घोड़ापाट, जामन्याखुर्द, कालकहु, कुम्भीखेड़ा, सुन्दरपानी, करताना, गोगिया व आदमपुर में दबिश दी।

स्कूल से आते समय छात्राओं के साथ छेड़खानी, नकली पिस्तौल दिखाकर अश्लील इशारे किए

● दो मनचलों को ग्रामीणों ने पकड़ा, एक नाबालिग शामिल

मीडिया ऑडीटर, रतलाम (निप्र)। रतलाम जिले के बाजना थाना क्षेत्र में स्कूल आने-जाने वाली छात्राओं से छेड़छाड़ का मामला सामने आया है। आरोप है कि बाइक सवार दो युवक कई दिनों से छात्राओं का पीछा कर अश्लील इशारे करते थे और नकली पिस्तौल दिखाकर उन्हें डराते थे। ग्रामीणों ने दोनों का पीछा कर पकड़ लिया और पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस ने एक नाबालिग समेत दो आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

रोज स्कूल आते-जाते करते थे पीछा: पीड़ित छात्रा ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह कक्षा 10वीं में पढ़ती है और प्रतिदिन अपनी सहेलियों के साथ पैदल स्कूल आती-जाती है। इसी

दौरान दो युवक बाइक से उनका पीछा करते, आंख मारकर अश्लील इशारे करते और मोबाइल दिखाकर परेशान करते थे। छात्राओं का आरोप है कि आरोपी नकली पिस्तौल दिखाकर उन्हें डराते भी थे। कई बार विरोध और शोर मचाने के बावजूद उनकी हरकतें नहीं रुकीं।

'हम तुमको रखेंगे' कहकर की अभद्रता

सोमवार शाम स्कूल की छुट्टी के बाद छात्राएं पैदल अपने गांव लौट रही थीं। इसी दौरान बाइक क्रमांक RJ-03 AE-8486 से दोनों युवक फिर उनके पीछे पहुंचे। छात्राओं के अनुसार, आरोपियों ने अश्लील इशारे किए और कहा, 'हम तुमको रखेंगे।' इसके बाद वे मौके से आगे निकल गए।

ग्रामीणों ने पीछा कर दबोचा

घटना के तुरंत बाद छात्राओं ने गांव के लोगों को पूरी जानकारी दी। ग्रामीणों ने दोनों युवकों का पीछा कर उन्हें पकड़ लिया। पूछताछ में एक आरोपी ने अपना नाम विकास पिता प्रभु मईड़ा, निवासी कदवाली बताया, जबकि दूसरा नाबालिग निकला। इसके बाद दोनों को बाजना थाना पुलिस के हवाले कर दिया गया।

छात्राओं की शिकायत पर दर्ज हुआ केस

घर पहुंचकर छात्राओं ने परिजनों को पूरी घटना बताई। इसके बाद परिजनों के साथ थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई गई। छात्राओं की रिपोर्ट के आधार पर पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ छेड़छाड़ सहित संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है।

सीहोर का हाईटेक कचरा घर जला, लापरवाही के कारण लाखों की संपत्ति जलकर राख

मीडिया ऑडीटर, सीहोर (निप्र)। सीहोर के इंग्लिशपुरा स्थित नगर पालिका के अत्याधुनिक कचरा घर में मंगलवार सुबह भीषण आग लग गई। 'स्वच्छ भारत' अभियान के तहत लाखों रुपये की लागत से बने इस हाईटेक कचरा घर में आग इतनी तेजी से फैली कि कुछ ही देर में पूरा ढांचा जलकर खाक हो गया। घटना के दौरान आसमान में काले धुएं का गुबार छा गया।

बाहर फेंके कचरे से भड़की आग: स्थानीय लोगों के मुताबिक, कचरा घर के बाहर एक कपड़ा व्यापारी द्वारा बड़ी मात्रा में कचरा और वेस्ट मटेरियल फेंका गया था। बताया जा रहा है कि

सोमवार शाम से ही वहां धुआं उठ रहा था और मंगलवार सुबह अचानक आग ने विकराल रूप ले लिया।

कुछ ही देर में जलकर राख हुआ कचरा घर: कचरा घर के भीतर कचरा डालने की व्यवस्था होने के बावजूद बाहर जमा कचरे में लगी आग पूरे परिसर तक फैल गई। आग की लपटों ने हाईटेक कचरा घर को पूरी तरह अपनी चपेट में ले लिया, जिससे लाखों रुपये का नुकसान हुआ।

नगर पालिका की व्यवस्था पर उठे सवाल: घटना के बाद स्थानीय लोगों ने नगर पालिका की सफाई व्यवस्था और निगरानी पर सवाल उठाए। उनका कहना है कि यदि समय रहते बाहर पड़ा कचरा हटाया जाता तो आगजनी की घटना टाली जा सकती थी।

जांच और कार्रवाई की बात: नगर पालिका अधिकारियों का कहना है कि शहर में नियमित सफाई कराई जाती है। आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है और मामले में आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

4 दिन से बारिश थमी, पारा चढ़ा, अब उमस करेगी परेशान

मीडिया ऑडीटर, सागर (निप्र)। जिले में लगातार चौथे दिन भी बारिश का दौर थमा रहा। सोमवार को सुबह से शाम तक धूप और बादलों के बीच लुकाछिपी चलती रही, जिससे अधिकतम तापमान एक डिग्री बढ़कर 32.6 डिग्री पर पहुंच गया। न्यूनतम तापमान 24.4 डिग्री दर्ज किया गया। हवा में नमी सुबह 80 प्रतिशत और शाम को 59 प्रतिशत रहने से दिन में उमस और रात में चिपचिपी गर्मी महसूस हुई। मौसम विभाग ने अगले 24 घंटे तक मौसम शुष्क रहने की संभावना जताई है। पिछले 24 घंटों में जिले में केवल केसली तहसील में 2.1 मिमी वर्षा दर्ज हुई। जबकि प्रदेश के सभी जिले सूखे रहे। मौसम विज्ञानी विवेक छलोत्रे के अनुसार फिलहाल मानसूनी ट्रफ ही सागर के मौसम को सबसे अधिक प्रभावित कर रही है। ट्रफ का मुख्य अक्ष श्रीगंगानगर से मणिपुर तक सागर के उत्तर से गुजर रहा है, लेकिन इसके दक्षिणी प्रभाव क्षेत्र में होने से बंगाल की खाड़ी से नमी लगातार मध्यप्रदेश तक पहुंच रही है। इसी कारण दोपहर बाद स्थानीय संवहनीय बादल विकसित होने और कहीं-कहीं गरज-चमक के साथ हल्की से मध्यम बारिश की संभावना बनी रहेगी। फिलहाल प्रदेश के आसपास कोई मजबूत निम्न दबाव क्षेत्र सक्रिय नहीं है। इसलिए पिछले सप्ताह जैसी लगातार और तेज वर्षा की संभावना कम है। अगले 48 से 72 घंटे के दौरान सुबह आंशिक बादल और बीच-बीच में धूप रहेगी।

तीन दिवसीय सामुदायिक मध्यस्थता प्रशिक्षण का हुआ समापन

सीहोर मीडिया ऑडीटर, (निप्र)। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा 11 से 13 जुलाई तक आयोजित तीन दिवसीय सामुदायिक मध्यस्थता प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य समुदाय स्तर पर विवादों के सौहार्दपूर्ण एवं शीघ्र निराकरण हेतु सामुदायिक मध्यस्थों को आवश्यक ज्ञान, व्यवहारिक कौशल एवं मध्यस्थता की तकनीकों से प्रशिक्षित करना था। कार्यक्रम में विभिन्न समुदायों से चयनित प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए प्रशिक्षण प्राप्त किया।

समापन अवसर पर प्रधान जिला न्यायाधीश श्री संजीव कुमार अग्रवाल ने कहा कि, विवादों का पुलिस थानों एवं न्यायालयों में आने से पूर्व ही समाज में समझौते के माध्यम से निपटारा करने के उद्देश्य से समाज के प्रबुद्धजन को मीडिएशन प्रशिक्षण दिया गया है, ताकि मीडिएशन की तकनीक को समझ कर बेहतर परिणाम दिला सकें। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव श्रीमती स्वप्नश्री सिंह ने भी समाज के विकास में सामुदायिक मध्यस्थता प्रशिक्षण कार्यक्रम को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षित सामुदायिक मध्यस्थ विभिन्न क्षेत्रों में मीडिएशन सेंटर स्थापित कर समाज के विवादों का प्रारंभिक स्तर पर निराकरण कर सकेंगे।

प्रशिक्षण में सीनियर ट्रेनर एम.सी.पी.सी. श्री शाहिद मोहम्मद एवं सेवानिवृत्त प्रधान जिला न्यायाधीश एवं मध्यस्थ कु. भावना साधो द्वारा प्रतिभागियों को मध्यस्थता के सिद्धांतों. संवाद कौशल, विवाद समाधान की प्रभावी तकनीकों एवं सामुदायिक स्तर पर शांति एवं सौहार्द स्थापित करने में मध्यस्थों की भूमिका से अवगत कराया गया।

अमृत सरोवरों में मत्स्य पालन सुनिश्चित करने के निर्देश, मत्स्य एवं ग्रामीण विकास विभाग मिलकर करें कार्य

मीडिया ऑडीटर, विदिशा (निप्र)। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने लंबित आवेदनों की समीक्षा बैठक के दौरान जिले के अमृत सरोवरों का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने मत्स्य विभाग एवं ग्रामीण विकास विभाग के अधिकारियों को संयुक्त रूप से कार्य करते हुए सभी उपयुक्त अमृत सरोवरों में मत्स्य पालन प्रारंभ कराने के लिए आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर श्री गुप्ता ने कहा कि अमृत सरोवर केवल जल संरक्षण तक सीमित न रहें, बल्कि उनका उपयोग ग्रामीणों की आजीविका बढ़ाने और स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर सृजित करने के लिए भी किया जाए। उन्होंने अधिकारियों को ऐसे सभी अमृत सरोवरों का सर्वे कर मत्स्य पालन के लिए उपयुक्त जलाशयों का चिन्हांकन करने तथा आवश्यक औपचारिकताएं शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मत्स्य

विभाग और ग्रामीण विकास विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्ययोजना बनाकर अमृत सरोवरों में मत्स्य पालन गतिविधियों को समयबद्ध तरीके से शुरू कराएं, ताकि ग्रामीणों एवं मत्स्य पालकों को इसका लाभ मिल सके और अमृत सरोवरों का बहुउद्देशीय उपयोग सुनिश्चित हो।

मत्स्य उत्पादन बढ़ाने की पहल, जिले के 244 तालाब पट्टे पर दिए जाएंगे: विदिशा जिले में वर्ष 2026-27 के लिए मत्स्य पालन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से तालाब एवं जलाशयों के पट्टा आवंटन की प्रक्रिया प्रारंभ की जा रही है। इस वर्ष जिले में कुल 244 तालाबों एवं जलाशयों का पट्टा आवंटन किया जाएगा, जिनका कुल जलक्षेत्र 2290.54 हेक्टेयर है। इससे मत्स्य सहकारी समितियों, स्व-सहायता समूहों तथा पात्र मत्स्य पालकों को रोजगार एवं आय बढ़ाने का अवसर मिलेगा।जारी जानकारी के अनुसार जिले में 224 ग्रामीण तालाब उपलब्ध हैं, जिनका कुल जलक्षेत्र 786.26 हेक्टेयर है। इसके अतिरिक्त जनपद पंचायत के अधीन 13 जलाशय हैं।

मंदसौर में मानसून धीमा पड़ा, बारिश नहीं: लोग उमस से बेहाल, 17 जुलाई के बाद फिर अच्छी बरसात की उम्मीद

मीडिया ऑडीटर, मंदसौर (निप्र)। मंदसौर जिले में मानसून की गति थम गई है। पिछले छह दिनों से जिले में कहीं भी बारिश दर्ज नहीं हुई है, जिससे लोग तेज धूप और उमस से बेहाल हैं। आखिरी बार 8 जुलाई को अच्छी बारिश हुई थी, जिसके बाद 9 जुलाई की रात कुछ क्षेत्रों में हल्की बूंदाबांदी हुई थी। तब से लेकर मंगलवार दोपहर तक जिले में वर्षा नहीं हुई है। बारिश न होने के कारण दिनभर तेज धूप और उमस लोगों को परेशान कर रही है। सुबह से शाम तक गर्मी का प्रभाव बना रहता है। बादल आते-जाते रहते हैं, लेकिन बिना बरसे आगे बढ़ जाते हैं, जिससे गर्मी से राहत नहीं मिल पा रही है। इस स्थिति से किसानों की चिंता भी बढ़ रही है। जिला मुख्यालय के साथ-साथ गरोठ, सुवासरा, शामगढ़, दलौदा, मल्हारगढ़, पिपलिया मंडी, नारायणगढ़, डिगांव, सुंठोद, बरखेड़ा और अफजलपुर जैसे अधिकांश क्षेत्रों में भी पिछले कई दिनों से अच्छी बारिश नहीं हुई है।

मानसून के कमजोर पड़ने से खेतों में नमी कम होने लगी है, और किसान अगली वर्षा का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

अगले तीन दिन बादल छाए रहेंगे: मौसम विभाग के अनुसार, अगले तीन से चार दिनों तक जिले में मौसम सामान्य से आंशिक रूप से बादल छाए रहने वाला रहेगा। कुछ स्थानों पर हल्की बारिश या गरज-चमक के साथ गतिविधियां हो सकती हैं, लेकिन फिलहाल व्यापक या भारी बारिश की कोई संभावना नहीं है। हालांकि, 17 जुलाई के आसपास मानसूनी गतिविधियों में फिर से तेजी आने के संकेत मिले हैं। जिले में अब तक औसतन लगभग 10.10 इंच बारिश दर्ज की जा चुकी है। इससे खरीफ फसलों को शुरुआती लाभ मिला है, लेकिन बेहतर उत्पादन सुनिश्चित करने के लिए लगातार अच्छी बारिश की आवश्यकता बनी हुई है।

अगले तीन दिन ऐसा रहेगा मौसम का मिजाज

15 जुलाई आसमान में बादलों की आवाजाही रहेगी। अधिकतम तापमान 32.4 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 25.8 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान। 16 जुलाई कुछ स्थानों पर हल्की बारिश या गरज-चमक की संभावना। अधिकतम तापमान 32.5 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 25.6 डिग्री सेल्सियस रह सकता है। 17 जुलाई के आसपास मानसून के दोबारा सक्रिय होने की संभावना है, जिससे बारिश की गतिविधियों में बढ़ोतरी हो सकती है।

किसानों और आमजन के लिए सलाह

मौसम विभाग ने गरज-चमक के दौरान खुले स्थानों, पेड़ों के नीचे खड़े होने और अनावश्यक रूप से बाहर निकलने से बचने की सलाह दी है। किसानों से भी मौसम के पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए कृषि कार्यों की योजना बनाने का आग्रह किया गया है। फिलहाल जिलेवासियों की निगाहें आसमान पर टिकी हैं। तेज धूप, गर्मी और बढ़ती उमस से जनजीवन प्रभावित है, जबकि बादलों की आवाजाही के बावजूद अच्छी बारिश नहीं होने से लोगों और किसानों की उम्मीदें अब 17 जुलाई के बाद मानसून के दोबारा सक्रिय होने पर टिकी हुई हैं।

टॉप ऑर्डर ने दबाव कम किया, लॉर्ड्स में खेलना हमेशा खास है: हरमनप्रीत कौर

लंदन,एजेंसी। इंग्लैंड के खिलाफ लॉर्ड्स में खेले गए ऐतिहासिक टेस्ट मैच में 270 रनों से शानदार जीत के बाद, भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने अपनी टॉप-ऑर्डर बल्लेबाजों की तारीफ की। कौर ने शुरुआती दबाव को संभालने के लिए उनकी सराहना करते हुए मशहूर लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड पर खेलने को बेहद खास अनुभव बताया। भारत लॉर्ड्स के मैदान पर महिला टेस्ट जीतने वाला पहला देश है। इतिहास रचने के बाद भारतीय कप्तान ने कहा, 'भगवान सबसे अच्छे लेखक हैं। उन्होंने इसे बहुत अच्छे से लिखा है। सलामी बल्लेबाज हमारी सबसे बड़ी ताकत रही हैं। जिस तरह से उन्होंने पहले हाफ में बल्लेबाजी की, वह देखना वाकई बहुत खास था। वे ही हमेशा जिम्मेदारी लेती हैं और हम पर से सारा दबाव हटाती हैं। इस टेस्ट मैच में भी, जिस तरह से उन्होंने बल्लेबाजी की, वह देखना शानदार था।' उन्होंने यह भी कहा कि 'होम ऑफ क्रिकेट' (लॉर्ड्स) में मिली जीत इंग्लैंड के मुश्किल दौरे का एक बेहतरीन समापन थी, जहां वे टी20 सीरीज 1-2 से हार गए थे और विमेंस टी20 वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में भी नहीं पहुंच पाए थे। भारतीय कप्तान ने कहा, 'लॉर्ड्स में खेलना हमेशा खास होता है। मैं उन लोगों का शुक्रिया अदा करना चाहती हूं, जिन्होंने यहां एक टेस्ट मैच कराने के बारे में सोचा। उम्मीद है कि भविष्य में हमें ऐसे और भी मैच मिलेंगे। इस तरह के मैच बहुत खुशी और उत्साह लेकर आते हैं। उम्मीद है कि हमें और टेस्ट मैच मिलते रहेंगे और हम इसी तरह अच्छा प्रदर्शन करती रहेंगी।' भले ही भारत ने रेड-बॉल क्रिकेट कम खेला हो, लेकिन इस फॉर्मेट में टीम का शानदार प्रदर्शन जारी रहा। हाल ही में व्हाइट-बॉल क्रिकेट में मिली हार के बाद टीम को एकजुट रखने के लिए हेड कोच अमोल मजूमदार और सपोर्ट स्टाफ से मिली रणनीतिक सलाह की तारीफ करते हुए कौर ने कहा, 'मुझे लगता है कि यह पूरी टीम और खासकर हमारे सपोर्ट स्टाफ की मेहनत का नतीजा है। उनमें से कई लोगों ने काफी टेस्ट क्रिकेट खेला है। वे जानते हैं कि टेस्ट क्रिकेट कैसे आगे बढ़ता है और वे हर पल हमें फीडबैक देते रहते हैं। उन्हीं की वजह से हम अच्छा प्रदर्शन कर पाई। मैं अमोल सर और पूरी टीम का शुक्रिया अदा करना चाहती हूं कि उन्होंने इस टेस्ट मैच और पिछले टेस्ट मैच के दौरान हमारा साथ दिया।

दो दशक बाद सेमीफाइनल में भिड़ेंगी इंग्लैंड और अर्जेंटीना की टीमें

● 1962 में पहली बार विश्व कप में हुआ था आमना-सामना

अटलांटा,एजेंसी। दो दशक बाद 16 जुलाई गुरुवार को इंग्लैंड और अर्जेंटीना की टीमें फीफा वर्ल्ड कप 2026 के सेमीफाइनल में आमने-सामने होने वाली हैं। दोनों टीमों के बीच खेले जाने वाले मुकाबले से वर्ल्ड कप की सबसे पुरानी प्रतिद्वंद्विताओं में से एक हो गया है। इंग्लैंड और अर्जेंटीना पांच मुकाबले में आमने सामने हुए हैं। इस दौरान इंग्लैंड का पलड़ा भारी रहा है। इंग्लैंड की टीम तीन मुकाबले जीती है, जबकि अर्जेंटीना को दो मैचों में जीत मिली है, जिसमें एक पेनल्टी भी शामिल है। इंग्लैंड और अर्जेंटीना पहली बार वर्ष 1962 में विश्व कप में आमने-सामने हुए थे। जब इंग्लैंड ने ग्रुप चरण में 3-1 से जीत हासिल की थी, टीमों ने 1966 के क्वार्टर फाइनल में वेम्बली में प्रतिद्वंद्विता की नींव रखी थी। इंग्लैंड ने उस मैच में 1-0 से जीत हासिल की, जिसे ज्योफ हर्स्ट के देर से विजेता के रूप में कम, अर्जेंटीना के कप्तान एंटोनियो रैटिन की बर्खास्तगी के लिए याद किया जाता है। इस मुकाबले में इंग्लैंड ने ट्रॉफी तो जीत ली थी, लेकिन उस मुकाबले की खराब भावना दशकों तक बनी रही। अब 20 वर्ष बाद मेक्सिको सिटी के एज्टेका स्टेडियम में फाइनल में जगह बनाने की जंग होगी।बता दें कि स्वीट्जरलैंड को हराने के बाद अर्जेंटीना फीफा वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में पहुंच गई है। इसी के साथ ही लियोनेल स्कालोनी ने एक बार फिर रिकॉर्ड तोड़ने के साथ ही नेशनल टीम के इतिहास के सबसे अहम मैनेजरों में अपनी जगह पक्की कर ली है।स्विट्जरलैंड के खिलाफ मैच लियोनेल स्कालोनी का नेशनल टीम के कोच के तौर पर 13वां वर्ल्ड कप मैच था। उन्होंने वर्ष 1978 वर्ल्ड कप चैंपियन सीजर लुइस मेनोट्टी का रिकॉर्ड तोड़ा है। सीजर लुइस मेनोट्टी ने 12 वर्ल्ड कप मैचों में टीम को संभाला था।अब लियोनेल स्कालोनी की नजर कार्लोस साल्वाडोर बिलार्डो से आगे निकलने पर है। कार्लोस साल्वाडोर बिलार्डो ने 14 वर्ल्ड कप मैचों में टीम को संभाला है। इनके बाद अब दूसरे नंबर पर लियोनेल स्कालोनी ही हैं

ओलिवर कान की भविष्यवाणी

फ्रांस को बताया खिताब का प्रबल दावेदार

मुंबई ,एजेंसी। फीफा वर्ल्ड कप 2026 के सेमीफाइनल मुकाबलों से पहले जर्मनी के महान गोलकीपर ओलिवर कान ने फ्रांस को खिताब जीतने का सबसे मजबूत दावेदार बताया है। कान का मानना है कि फ्रांस की टीम संतुलन, खिलाड़ियों की गहराई और अलग-अलग तरीकों से मैच जीतने की क्षमता के कारण बाकी टीमों से थोड़ी आगे नजर आ रही है। फ्रांस का सामना पहले सेमीफाइनल में 15 जुलाई (बुधवार) को डलास स्टेडियम में स्पेन से होगा। वर्ल्ड कप के नॉकआउट चरण में दोनों टीमें दूसरी बार आमने-सामने होंगी। इससे पहले 2006 के राउंड ऑफ 16 मुकाबले में फ्रांस ने स्पेन को 3-1 से हराया था। ओलिवर कान ने कहा कि अगर अब तक के प्रदर्शन को देखते हुए किसी एक टीम को चुनना हो तो वह फ्रांस का नाम लेंगे। कान ने 'जी5' पर बात करते हुए कहा, 'अगर मुझे अब तक के खेल के आधार पर किसी एक टीम को चुनना हो, तो मैं शायद फ्रांस का नाम लूंगा। बैलेंस, गहराई और अलग-अलग तरीकों से मैच जीतने की काबिलियत के मामले में वे सबसे बेहतरीन टीम दिखते हैं। हालांकि, इन चार टीमों के बीच बहुत कम अंतर है, और इनमें से कोई भी टीम वर्ल्ड कप जीत सकती है।' स्पेन और फ्रांस के बीच होने वाले मुकाबले को कान ने टूर्नामेंट की सबसे रोमांचक रणनीतिक लड़ाइयों में से एक बताया। पूर्व गोलकीपर के अनुसार, स्पेन गेंद पर ज्यादा नियंत्रण रखने और लगातार आक्रमण करने के लिए जाना जाता है, जबकि फ्रांस तेज पलटवार करने में माहिर है। उन्होंने कहा कि इस मैच में वही टीम सफल होगी जो मिडफील्ड पर नियंत्रण बनाए रखेगी और अपने डिफेंस को मजबूत रखेगी। कान के मुताबिक, सेमीफाइनल जैसे बड़े मुकाबलों में जीत अक्सर छोटे-छोटे अंतर से तय होती है। स्पेन के लिए फ्रांस के मजबूत डिफेंस को तोड़ना आसान नहीं होगा।

भारत के खिलाफ करारी हार, इंग्लैंड की कप्तान ने गिनाई हार की वजह

लंदन,एजेंसी। इंग्लैंड को भारत के खिलाफ लॉर्ड्स में खेले गए ऐतिहासिक टेस्ट मैच में 270 रन से हार का सामना करना पड़ा। इंग्लिश कप्तान नैट साइवर-ब्रंट ने स्वीकार किया है कि लॉर्ड्स में भारत के विरुद्ध ऐतिहासिक महिला टेस्ट मैच के पहले दिन उनकी टीम हालात के हिसाब से जल्दी नहीं ढल पाई। कप्तान ने यह भी कहा कि उनकी टीम असरदार साझेदारियां नहीं बना सकी, जिसकी वजह से उन्हें करारी हार का सामना करना पड़ा। पहली पारी में 285 रन बनाने के बाद भारत ने इंग्लैंड को महज 170 रन पर समेट दिया। मेहमान टीम के पास पहली पारी के आधार पर 115 रन की बढ़त थी। उसने दूसरी पारी 341/7 के स्कोर पर घोषित करते हुए इंग्लैंड को जीत के लिए 457 रन का विशाल लक्ष्य दिया। इसके जवाब में मेजबान टीम अपनी दूसरी पारी में सिर्फ 186 रन पर सिमट गई। एकमात्र टेस्ट मैच गंवाने के बाद इंग्लिश कप्तान नैट साइवर-ब्रंट ने कहा, 'मुझे लगता है कि पहले दिन की सुबह, हम शायद हालात के हिसाब से उतनी अच्छी तरह नहीं ढल पाए जितनी अच्छी तरह ढल सकते थे; हमें सही लेंथ खोजने में मुश्किल हुई, लेकिन एक बार जब हमने सही लेंथ पर गेंदबाजी शुरू की, तो मुझे लगता है कि हम सच में गेम में वापस आ गए थे। हम एक साथ काफी साझेदारियां नहीं बना पाए और उन्हें आगे नहीं बढ़ा पाए, और जाहिर है कि उनके टोटल के करीब नहीं पहुंच पाए। उन्होंने कहा, 'इसलिए हम तब से गेम में वापस आने के लिए संघर्ष कर रहे थे, लेकिन मुझे लगता है कि मैच के अलग-अलग समय पर हमने बहुत हिम्मत दिखाई। सोफी एक्लेस्टोन, लॉरेन बेल, सोफी, ईसी वोंग ने हमारे लिए कुछ न कुछ किया। लॉर्ड्स में पहला मैच होना एक शानदार अनुभव था, लेकिन हमारे लिए अभी भी बहुत कुछ करना बाकी है।' लॉर्ड्स टॉस जीतने के बाद पहले गेंदबाजी करने के अपने फैसले का बचाव करते हुए नैट ने कहा, 'मुझे ऐसा नहीं लगता। मेरा मतलब है, आप इसे दूसरे नजरिए से भी देख सकते हैं- हो सकता है कि पहले दिन की सुबह ही हमारे तीन या चार विकेट गिर जाते।

महिला टेस्ट मैच:

लॉर्ड्स में भारत की ऐतिहासिक जीत के साक्षी बने सचिन तेंदुलकर और जय शाह

लंदन,एजेंसी। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने इंग्लैंड के खिलाफ सोमवार को लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड पर ऐतिहासिक टेस्ट मैच 270 रन से अपने नाम किया। क्रिकेट के दिग्गज सचिन तेंदुलकर और इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) के चेयरमैन जय शाह लंदन में भारत की इस जीत के साक्षी बने। लॉर्ड्स के मैदान पर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम ने 285 रन बनाए। इसके जवाब में इंग्लैंड पहली पारी में सिर्फ 170 रन पर सिमट गई।

यूथ टेस्ट, पहला दिन:

भारत अंडर-19 के खिलाफ सेनुजा का दोहरा शतक

● श्रीलंकाई टीम ने 4 विकेट खोकर 344 रन बनाए

गॉल,एजेंसी। श्रीलंका अंडर-19 ने भारत अंडर-19 के खिलाफ गॉल इंटरनेशनल स्टेडियम में जारी चार दिवसीय अनाधिकारिक टेस्ट मैच के शुरुआती दिन शानदार बल्लेबाजी की। मेजबान टीम ने दिन की समाप्ति तक 89 ओवरों का सामना करते हुए 4 विकेट खोकर 344 रन बना लिए हैं। इस बीच सेनुजा वेकुनागोडा नाबाद दोहरा शतक जड़ चुके हैं। सोमवार को टॉस जीतकर श्रीलंकाई कप्तान विमथ दिनसारा ने पहले बल्लेबाजी का फैसला लिया, लेकिन टीम के लिए शुरुआत बेहद खराब रही। मेजबान टीम ने चौथी गेंद पर दुलनिथ सिगेरा (0) का विकेट खो दिया था। तीसरे ओवर की तीसरी गेंद पर दिमंथा महाविथाना (2) भी पवेलियन लौट गए। श्रीलंकाई टीम ने सिर्फ 3 रन तक दोनों सलामी बल्लेबाजों के विकेट गंवा दिए थे। यहां से कप्तान दिनसारा ने मोर्चा संभाला। उन्होंने सेनूजा वेकुनागोडा के साथ तीसरे विकेट के लिए 171 गेंदों में 143 रन जुटाए। दिनसारा 99 गेंदों में 9 चौकों के साथ 52 रन बनाकर पवेलियन लौटे, जिसके बाद वेकुनागोडा ने कविजा गमागे के साथ चौथे विकेट के लिए 128 रन जुटाकर टीम को मजबूत स्कोर तक पहुंचा दिया। कविजा 49 रन बनाकर आउट हुए। उनकी इस पारी में 9 चौके शामिल रहे।

एशले गार्डनर पर अलग हो चुकीं पार्टनर ने लगाया धोखा देने का आरोप

नई दिल्ली,एजेंसी। ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर एशले गार्डनर अपनी शादी टूटने से जुड़ी एक रिपोर्ट के सामने आने के बाद सुर्खियों में आ गई हैं। उनसे अलग रह रहीं पार्टनर मोनिका राइट ने सोशल मीडिया पर कई पोस्ट साझा किए, जिससे यह मामला और अधिक चर्चा का विषय बन गया। 'डेली मेल' की एक रिपोर्ट के अनुसार, गार्डनर और राइट की शादी एक साथी ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर के साथ कथित अफेयर के कारण टूट गई। हालांकि, अखबार ने अपनी रिपोर्ट में उस खिलाड़ी का नाम नहीं बताया, लेकिन राइट ने इंस्टाग्राम पर प्रतिक्रिया देते हुए रिपोर्ट को 'बहुत अस्पष्ट' बताया और ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर जॉर्जिया वोल की एक तस्वीर पोस्ट की, जिसके कैप्शन में लिखा, 'इसी के साथ मेरी पार्टनर ने मुझे धोखा दिया।' रिपोर्ट में बताया गया है कि गार्डनर और राइट के रिश्ते में दिक्कतें इस साल की शुरुआत में विमेंस वनडे वर्ल्ड कप के दौरान शुरू हुई थीं। राइट टूर्नामेंट के दौरान भारत भी गई थीं। रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि टीम के ऑस्ट्रेलिया लौटने के बाद, गार्डनर ने राइट से कहा कि 'उनके रिश्ते में कुछ बदल गया है', जिसके बाद आखिरकार दोनों अलग हो गए। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि अलग होने से पहले दोनों ने परिवार शुरू करने की योजना बनाई थी, लेकिन गार्डनर सिडनी स्थित अपना घर छोड़कर चली गई और अपनी शादी की अंगूठियां वहीं छोड़ गई। दोनों के अलग होने की बात ऑस्ट्रेलियाई ड्रेसिंग रूम में चर्चा का विषय बन गई थी और टीम के कुछ सदस्य राइट के संपर्क में थे। इस खबर को लिखे जाने तक गार्डनर या वोल में से किसी ने भी राइट के इंस्टाग्राम पोस्ट पर सार्वजनिक रूप से कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

गार्डनर ऑस्ट्रेलिया महिला क्रिकेट टीम की सीनियर खिलाड़ियों में से एक हैं, जिन्हें हाल ही ताहलिया मैकग्राथ के साथ टीम का सह-उपकप्तान नियुक्त किया गया था। इस ऑलराउंडर का मैदान पर भी एक और सफल सीजन रहा। सीजन की शुरुआत में 'आईसीसी महिला वनडे प्लेयर ऑफ द ईयर' चुने जाने के बाद, गार्डनर ने ऑस्ट्रेलिया की हालिया 'आईसीसी विमेंस टी20 वर्ल्ड कप' जीत में अहम भूमिका निभाई थी।

'उनकी विरासत क्रिकेट से भी बड़ी होगी'

ब्रेंडन मैकुलम ने भारतीय स्टार बल्लेबाज की जमकर तारीफ की

नई दिल्ली। भारत और इंग्लैंड के बीच 14 जुलाई से शुरू होने वाली तीन मैचों की वनडे सीरीज से पहले इंग्लैंड के व्हाइट-बॉल हेड कोच ब्रेंडन मैकुलम ने स्टार बल्लेबाज विराट कोहली की जमकर तारीफ की है। हालांकि उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा कि वह नहीं चाहते कि कोहली इस सीरीज में रन बनाएं, लेकिन साथ ही उन्हें क्रिकेट का सबसे प्रेरणादायक खिलाड़ियों में से एक भी बताया।

ऋष्टक्र में साथ खेलने का अनुभव किया साझा

मैकुलम ने आईपीएल 2018 के दौरान रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (RCB) में विराट कोहली के साथ बिताए समय को याद करते हुए कहा कि वह एक शानदार टीममेट और बेहद प्रतिस्पर्धी खिलाड़ी हैं। उन्होंने कहा, 'मुझे RCB में एक साल विराट के साथ खेलने का मौका मिला। ड्रेसिंग रूम साझा किया और उन्हें करीब से जानने का अवसर मिला। वह बेहद प्रतिस्पर्धी खिलाड़ी हैं और मैदान पर अपना सब कुछ झोंक देते हैं। वह पूरे दिल से क्रिकेट खेलते हैं और बेहतरीन क्रिकेटर हैं।'

'विराट की विरासत हमेशा जिंदा रहेगी'

इंग्लैंड के कोच ने कहा कि विराट कोहली सिर्फ क्रिकेटर नहीं, बल्कि दुनिया भर के खिलाड़ियों और खेल प्रेमियों के लिए प्रेरणा हैं। मैकुलम ने कहा, 'उन्होंने कई पीढ़ियों को क्रिकेट से प्यार करना सिखाया है। वह उन खिलाड़ियों में हैं जिन्होंने खेल की सीमाओं को पार किया है।

चोट के बाद वनडे टीम में वापसी

विराट कोहली हैमस्ट्रिंग चोट के कारण पिछले महीने अफगानिस्तान के खिलाफ वनडे सीरीज नहीं खेल पाए थे। उन्हें यह चोट ढ्क्क 2026 फाइनल के दौरान लगी थी। अब वह इंग्लैंड के खिलाफ पहले वनडे से टीम इंडिया में वापसी कर रहे हैं ।

जोस बटलर ने हासिल की बड़ी उपलब्धि

200वां वनडे मैच खेलने वाले इंग्लैंड के दूसरे खिलाड़ी बने

बर्मिंघम ,एजेंसी। जोस बटलर ने मंगलवार को अपने शानदार इंटरनेशनल करियर में एक और उपलब्धि हासिल की। एजबेस्टन में भारत के खिलाफ तीन मैचों की सीरीज के पहले मैच में मैदान पर उतरते ही वे इंग्लैंड के लिए 200 वनडे इंटरनेशनल मैच खेलने वाले दूसरे क्रिकेटर बन गए। यह अनुभवी विकेटकीपर-बल्लेबाज इंग्लैंड के पूर्व कप्तान इयोन मोर्गन (225 वनडे) के साथ एक खास क्लब में शामिल हो गए। उन्होंने यह उपलब्धि फरवरी 2012 में दुबई में पाकिस्तान के खिलाफ अपने वनडे डेब्यू के 14 साल बाद हासिल की। एक रोमांचक युवा फिनिशर से लेकर इंग्लैंड के व्हाइट-बॉल क्रिकेट में बदलाव लाने वाले मुख्य खिलाड़ियों में से एक बनने तक, बटलर लिमिटेड-ओवर्स क्रिकेट में टीम के एक ग्लोबल ताकत के रूप में उभरने में अहम रहे हैं। 34 वर्षीय खिलाड़ी ने 171 पारियों में 39.11 की औसत और 115.20 के शानदार स्ट्राइक रेट से 5,515 रन बनाए हैं। उन्होंने 11 शतक और 29 अर्धशतक जड़े हैं, जिसमें नाबाद 162 रन उनका सर्वोच्च स्कोर है। इंग्लैंड के वनडे सेटअप पर बटलर का असर सिर्फ आंकड़ों तक ही सीमित नहीं है। उनके निडर स्ट्रोकप्ले ने टीम की बल्लेबाजी की सोच को बदलने में मदद की, जबकि 2015 में पाकिस्तान के खिलाफ 46 गेंदों में लगाया गया उनका शतक इस फॉर्मेट में इंग्लैंड का सबसे तेज शतक है। वे एकमात्र ऐसे इंग्लिश बल्लेबाज हैं जिन्होंने 50 या उससे कम गेंदों में तीन वनडे शतक लगाए हैं और नंबर 5 या उससे नीचे बल्लेबाजी करते हुए सबसे ज्यादा (आठ) वनडे शतक लगाने का रिकॉर्ड भी उनके नाम है। बटलर के करियर का एक यादगार पल लॉर्ड्स में 2019 ICC मेन्स क्रिकेट वर्ल्ड कप फाइनल में आया। मार्टिन गुप्टिल को रन-आउट करके उन्होंने एक यादगार सुपर ओवर के बाद इंग्लैंड को उसका पहला 50-ओवर का वर्ल्ड कप खिताब जिताया, जबकि मैच में पहले लगाई गई उनकी संयमित अर्धशतकीय पारी भी उतनी ही अहम साबित हुई। मॉर्गन के रिटायरमेंट के बाद बटलर इंग्लैंड के व्हाइट-बॉल कप्तान बने और ऑस्ट्रेलिया में 2022 ICC पुरुष टी20 वर्ल्ड कप का खिताब टीम को जिताया।

प्रदेश के विकास को रफ्तार: कैबिनेट ने 10,800 करोड़ के प्रस्तावों को दी मंजूरी, किसानों और शहरों को मिलेगी बड़ी सौगात

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंगलवार को मंत्रालय में आयोजित मंत्रि-परिषद की बैठक में मध्यप्रदेश के बुनियादी ढांचे और जनकल्याण से जुड़े कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों को मंजूरी दी गई बैठक में प्रदेश के विकास के लिए कुल 10 हजार 800 करोड़ रुपये के विभिन्न प्रस्तावों को स्वीकृति प्रदान की गई इसमें नगरीय अधोसंरचना विकास, सिंचाई विस्तार, किसानों को सुविधा, महिला एवं बाल विकास तथा वाणिज्यिक कर विभाग से जुड़े निर्णय शामिल हैं बैठक में शहरों के विकास और अधोसंरचना को मजबूत करने के लिए नगरीय क्षेत्रों में 8 हजार 445 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की गई है इस राशि का उपयोग नगर निगम, नगर पालिका और नगर परिषद क्षेत्रों में अधोसंरचना विकास परियोजनाओं के क्रियान्वयन के साथ ही निकायों द्वारा लिए गए ऋणों के पुनर्भुगतान में किया जाएगा शासन का उद्देश्य नगरीय क्षेत्रों में मूलभूत सुविधाओं का विस्तार और विकास कार्यों को गति देना है।

कुण्डलिया सिंचाई परियोजना को मिली निरंतरता: मंत्रि-परिषद ने राजगढ़ जिले की महत्वाकांक्षी कुण्डलिया वृहद सिंचाई परियोजना को वर्ष 2031 तक निरंतर संचालित रखने के लिए 245 करोड़ 45 लाख रुपये की स्वीकृति दी है परियोजना के माध्यम से राजगढ़ और आगर-मालवा जिले के लगभग 1 लाख 39 हजार 600 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई क्षमता विकसित करने का लक्ष्य है। बांध निर्माण और सूक्ष्म सिंचाई प्रणाली के माध्यम से किसानों को सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

मूंग उपार्जन के लिए 1,587 करोड़ की शासकीय प्रत्याभूति: किसानों के हित में बड़ा निर्णय लेते हुए मंत्रि-परिषद ने मूंग उपार्जन के लिए 1,587 करोड़ रुपये की नि:शुल्क शासकीय प्रत्याभूति उपलब्ध कराने का फैसला लिया है यह व्यवस्था भारत सरकार की प्राइस सपोर्ट स्कीम के अंतर्गत लक्ष्य से अधिक उपार्जित मूंग के भुगतान से संबंधित है निर्णय के अनुसार पंजाब नेशनल बैंक से ली गई साख सीमा में 396 करोड़ रुपये और भारतीय स्टेट बैंक से ली गई साख सीमा में 1,191 करोड़ रुपये की शासकीय प्रत्याभूति उपलब्ध कराई जाएगी टेक-होम राशन व्यवस्था अब महिला एवं बाल विकास विभाग संभालेगा कैबिनेट ने टेक-होम राशन के उत्पादन और प्रदाय व्यवस्था को मध्यप्रदेश राज्य आजीविका फोरम से वापस लेकर महिला एवं बाल विकास विभाग को हस्तांतरित करने का निर्णय लिया है अंतरिम व्यवस्था के तहत स्व सहायता समूहों के माध्यम से पूरक पोषण आहार उपलब्ध कराया जाएगा नई व्यवस्था लागू होने तक विभाग अल्पकालीन निविदा के माध्यम से टेक-होम राशन की व्यवस्था करेगा।

वाणिज्यिक कर विभाग के लिए 521 करोड़ स्वीकृत: मंत्रि-परिषद ने वाणिज्यिक कर विभाग की तीन स्थापना योजनाओं के संचालन के लिए वित्तीय वर्ष 2026-27 से 2030-31 तक 521 करोड़ 4 लाख रुपये की स्वीकृति दी है इसमें मुख्यालय संचालन के लिए 60 करोड़ 81 लाख रुपये, जिला कार्यालयों के लिए 434 करोड़ 81 लाख रुपये और परिक्षेत्रीय कार्यालयों के लिए 25 करोड़ 42 लाख रुपये शामिल हैं सरकार के इन फैसलों को प्रदेश में विकास कार्यों को गति देने किसानों को राहत पहुंचाने और जनकल्याणकारी योजनाओं को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

मझगवां की समस्याओं को लेकर कांग्रेस नेता का अनोखा विरोध कलेक्टर से कहा- जनता की आवाज नहीं सुनी तो मुझे जेल भेज दें

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मझगवां क्षेत्र की अधूरी सड़क पेयजल संकट और अन्य जनसमस्याओं को लेकर कांग्रेस नेता एवं किसान कांग्रेस के राष्ट्रीय पदाधिकारी आशुतोष द्विवेदी ने प्रशासनिक कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए सतना कलेक्टर को पत्र लिखा है उन्होंने पत्र के माध्यम से मांग की है कि यदि जनता की समस्याओं का समाधान नहीं किया जा रहा है तो उन्हें जेल भेज दिया जाए आशुतोष द्विवेदी का कहना है कि मझगवां नगर में सड़क निर्माण कार्य लंबे समय से अधूरा पड़ा हुआ है इसके अलावा क्षेत्र में पेयजल की समस्या भी गंभीर बनी हुई है जिससे आम नागरिक परेशान हैं उन्होंने बताया कि इन समस्याओं को लेकर वे लगातार प्रशासनिक अधिकारियों के समक्ष मांग उठाते रहे हैं लेकिन अपेक्षित कार्रवाई नहीं हो सकी कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि जिम्मेदार अधिकारी जनहित से जुड़े मुद्दों को गंभीरता से नहीं ले रहे हैं। इसी से नाराज होकर उन्होंने कलेक्टर को पत्र लिखकर अपनी पीड़ा जाहिर की है पत्र में उन्होंने कहा कि यदि जनता की आवाज उठाना अपराध है तो उन्हें जेल भेज दिया जाए उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधियों और सामाजिक कार्यकर्ताओं का दायित्व है कि वे जनता की समस्याओं को प्रशासन तक पहुंचाएं लेकिन जब बार-बार शिकायतों के बावजूद समस्याओं का निराकरण नहीं होता तो आम लोगों में असंतोष बढ़ता है मझगवां क्षेत्र की सड़क और पेयजल समस्या को लेकर स्थानीय नागरिकों में भी नाराजगी देखी जा रही है। लोगों का कहना है कि मूलभूत सुविधाओं के लिए उन्हें लगातार परेशान होना पड़ रहा है कांग्रेस ने इस मामले को प्रशासनिक उदासीनता बताते हुए सरकार और अधिकारियों से शीघ्र कार्रवाई की मांग की है वहीं प्रशासन की ओर से इस संबंध में कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है अब देखना होगा कि शिकायत और विरोध के बाद मझगवां की समस्याओं के समाधान के लिए क्या कदम उठाए जाते हैं।

देवदहा पंचायत में सामग्री खरीदी पर उठे सवाल, बिलों और भुगतान की जांच की मांग

मीडिया ऑडीटर, मैहर (निप्र)। विकासखंड रामनगर की ग्राम पंचायत देवदहा में निर्माण कार्यों में उपयोग की गई सामग्री के बिल और भुगतान को लेकर सवाल खड़े किए जा रहे हैं ग्रामीणों एवं शिकायतकर्ताओं ने आरोप लगाया है कि पंचायत में विकास कार्यों की तुलना में सरपंच-सचिव की कार्यप्रणाली अधिक चर्चा में है उन्होंने पंचायत में लगे बिल-बाउचरों की जांच कराए जाने की मांग की है आरोप है कि ग्राम पंचायत में ईंट, बालू, सीमेंट सहित अन्य निर्माण सामग्री की खरीदी में निर्धारित बाजार दरों की अनदेखी कर अधिक भुगतान किया गया है शिकायतकर्ताओं का कहना है कि क्षेत्र में जहां ईंट की कीमत सामान्य तौर पर कम दरों पर उपलब्ध है वहीं पंचायत रिकॉर्ड में ईंट की दर काफी अधिक दर्शाई गई है इससे पंचायत के भुगतान और वास्तविक खरीदी पर संदेह जताया जा रहा है ग्रामीणों का आरोप है कि सामग्री सप्लाई करने वाले कुछ फर्मों द्वारा बिना वास्तविक आपूर्ति के बिल लगाए जाने की आशंका है उन्होंने मांग की है कि पंचायत में हुए सभी निर्माण कार्यों, सामग्री खरीदी, भुगतान प्रक्रिया और मूल्यांकन रिपोर्ट की निष्पक्ष जांच कराई जाए, ताकि वास्तविक स्थिति सामने आ सके मामले में ग्रामीणों ने मूल्यांकन अधिकारी और संबंधित जिम्मेदार अधिकारियों की भूमिका पर भी सवाल उठाए हैं उनका कहना है कि यदि समय पर जांच और कार्रवाई नहीं हुई तो पंचायत में वित्तीय अनियमितताओं को बढ़ावा मिल सकता है हालांकि लगाए गए आरोपों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है संबंधित पंचायत प्रतिनिधियों और अधिकारियों का पक्ष सामने आने के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से पूरे मामले की जांच कर दोषियों पर कार्रवाई की मांग की है।

11वीं स्मृति व्याख्यानमाला आज, तैयारियां पूरी शंकर प्रसाद ताम्रकार को दी जाएगी श्रद्धांजलि

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। विद्याभारती महाकौशल प्रांत के तत्वावधान में परम श्रद्धेय बाबू शंकर प्रसाद ताम्रकार की पुण्यतिथि पर आयोजित होने वाली 11वीं स्मृति व्याख्यानमाला एवं श्रद्धांजलि समारोह की सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं यह आयोजन 15 जुलाई 2026 (बुधवार) सायं 4:30 बजे सरस्वती आवासीय विद्यापीठ स्थित शंकर सभागार में आयोजित होगा समारोह में शिक्षा समाज सेवा एवं राष्ट्र निर्माण के क्षेत्र से जुड़े अनेक गणमान्य नागरिक शिक्षाविद, सामाजिक कार्यकर्ता तथा विद्यार्थी शामिल होंगे आयोजन समिति ने कार्यक्रम स्थल पर पहुंचकर व्यवस्थाओं का अंतिम निरीक्षण किया। इस दौरान मंच, बैठक व्यवस्था स्वागत, सुरक्षा, पार्किंग पेयजल एवं अन्य आवश्यक सुविधाओं का जायजा लिया गया संबंधित अधिकारियों एवं समिति के सदस्यों के साथ बैठक कर कार्यक्रम को सुव्यवस्थित, अनुशासित और गरिमामय ढंग से संपन्न कराने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए गए आयोजकों ने बताया कि स्मृति व्याख्यानमाला का उद्देश्य केवल श्रद्धांजलि अर्पित करना ही नहीं बल्कि बाबू शंकर प्रसाद ताम्रकार के शिक्षा, संस्कार और राष्ट्रसेवा के आदर्शों को समाज तक पहुंचाना भी है उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व ने समाज में शिक्षा और सेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दिया, जो आज भी नई पीढ़ी के लिए प्रेरणा का स्रोत है

समिति के सदस्यों ने कहा कि ताम्रकार जी का जीवन राष्ट्रभक्ति सामाजिक समर्पण और नैतिक मूल्यों का प्रतीक रहा है उनके विचारों और जीवन दर्शन को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष स्मृति व्याख्यानमाला का आयोजन किया जाता है जिसमें विभिन्न विषयों पर प्रख्यात वक्ता अपने विचार रखते हैं आयोजकों ने क्षेत्र के नागरिकों, शिक्षकों, विद्यार्थियों एवं समाजसेवियों से कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर बाबू शंकर प्रसाद ताम्रकार को श्रद्धासुमन अर्पित करने और उनके आदर्शों से प्रेरणा लेने की अपील की है उनका विश्वास है कि यह आयोजन शिक्षा, संस्कार और राष्ट्रभावना को सुदृढ़ करने के साथ समाज में सकारात्मक चेतना का संदेश देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

स्टेशन के बाद महिला दो बच्चों समेत लापता, गोरखपुर से मुंबई जा रही थी परिवार की तलाश जारी

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। उत्तर प्रदेश के गोरखपुर से मुंबई जा रही 27 वर्षीय महिला अपने दो मासूम बच्चों के साथ सतना रेलवे स्टेशन के बाद रहस्यमय परिस्थितियों में लापता हो गई परिजन महिला और दोनों बच्चों की तलाश में जुटे हुए हैं घटना को लेकर परिवार ने पुलिस और रेलवे सुरक्षा एजेंसियों से मदद की गुहार लगाई है परिजनों के अनुसार, शेख आयशा साहिल (27 वर्ष) अपने बच्चों शेख अमीना साहिल (5 वर्ष) और शेख शाद साहिल (डेढ़ वर्ष) के साथ गोरखपुर से मुंबई की यात्रा कर रही थीं। बताया गया कि रात करीब 8:30 बजे महिला ने अपने पति से फोन पर बात की थी और बताया था कि ट्रेन सतना रेलवे स्टेशन पर खड़ी है परिजनों का कहना है कि इसके कुछ समय बाद एक अज्ञात व्यक्ति ने महिला के पति को फोन कर सूचना दी कि महिला ट्रेन से गिर गई है सूचना मिलने के बाद परिवार ने रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) और संबंधित पुलिस थानों से संपर्क किया, लेकिन सतना से मुंबई और गोरखपुर तक किसी भी स्थान पर महिला के ट्रेन से गिरने या दुर्घटना से संबंधित कोई पुष्टि नहीं मिली घटना के बाद परिजनों की चिंता बढ़ गई है उन्होंने महिला और बच्चों की फोटो एवं जानकारी साझा कर तलाश में सहयोग की अपील की है परिवार का कहना है कि महिला का किसी से कोई विवाद या ऐसी कोई जानकारी नहीं है जिससे उसके अचानक गायब होने का कारण स्पष्ट हो सके पुलिस और रेलवे सुरक्षा एजेंसियों से मामले की जांच कर महिला और बच्चों का जल्द पता लगाने की मांग की गई है फिलहाल परिजन हर संभावित स्थान पर तलाश कर रहे हैं और किसी भी सूचना मिलने की उम्मीद लगाए बैठे हैं।

समयपूर्व जन्मे नवजात की मौत पर सार्थक हॉस्पिटल ने रखा पक्ष, एक्सपायरी दवा देने के आरोपों को बताया निराधार

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सिविल लाइन स्थित सार्थक हॉस्पिटल ने नवजात की मृत्यु के मामले में सामने आए एक्सपायरी दवा देने के आरोपों को निराधार बताते हुए अपना पक्ष जारी किया है अस्पताल प्रबंधन ने कहा कि घटना दुखद है और वह शोकाकुल परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करता है, लेकिन मामले से जुड़े तथ्यों को स्पष्ट करना आवश्यक है अस्पताल प्रबंधन के अनुसार, नवजात का जन्म चित्रकूट अस्पताल में 29 सप्ताह 3 दिन (लगभग सात माह) की गर्भावस्था में समय से पहले हुआ था। अत्यधिक समयपूर्व जन्म के कारण नवजात रेस्पिरेटरी डिस्ट्रेस सिंड्रोम (आरडीएस) और नवजात सेप्सिस जैसी गंभीर समस्याओं से पीड़ित था। बेहतर उपचार के लिए उसे 12 जुलाई 2026 को सुबह करीब 3 बजे सार्थक हॉस्पिटल के एनआईसीयू में भर्ती कराया गया अस्पताल के अनुसार, भर्ती के बाद नवजात को विशेषज्ञ चिकित्सकों की निगरानी में लगातार उपचार दिया गया। करीब 30 घंटे तक एनआईसीयू में गहन चिकित्सा उपलब्ध कराने के बावजूद समयपूर्व जन्म से जुड़ी गंभीर जटिलताओं के कारण 13 जुलाई 2026 को सुबह करीब 9 बजे नवजात की मृत्यु हो गई। प्रबंधन ने बताया कि चिकित्सकों द्वारा आवश्यक उपचार, पुनर्जीवन प्रक्रिया और जीवनरक्षक प्रयास किए गए, लेकिन नवजात को बचाया नहीं जा सका।

एक्सपायरी दवा के आरोपों का खंडन: सार्थक हॉस्पिटल ने स्पष्ट किया कि नवजात के उपचार में किसी भी प्रकार की एक्सपायरी दवा या इंजेक्शन का उपयोग नहीं किया गया अस्पताल के अनुसार उपचार में प्रयुक्त सभी दवाएं वैध अवधि में थीं और निर्धारित चिकित्सा प्रोटोकॉल के अनुसार दी गईं अस्पताल प्रबंधन का कहना है कि मृत्यु के बाद बायोमेडिकल वेस्ट प्रबंधन के तहत निस्तारण के लिए अलग रखे गए पुराने दवा पैकेट और पैकेजिंग को उपचार में उपयोग की गई दवाओं के रूप में प्रचारित किया गया जो गलत है प्रबंधन ने बताया कि घटना के बाद अस्पताल परिसर में भीड़ एकत्र होने से व्यवस्थाएं प्रभावित हुईं इस संबंध में पुलिस एवं प्रशासन को जानकारी दी गई है अस्पताल ने कहा कि वह स्वास्थ्य विभाग और पुलिस जांच में पूरा सहयोग कर रहा है तथा एनआईसीयू रिकॉर्ड, चिकित्सकीय दस्तावेज और दवा संबंधी अभिलेख उपलब्ध कराए जा रहे हैं अस्पताल ने आमजन और मीडिया से अपील की है कि जांच पूरी होने तक किसी निष्कर्ष पर न पहुंचें और तथ्यों के आधार पर ही स्थिति का आकलन करें।

कमिश्नर से मिलने पहुंचे व्यापारी, ज्ञापन न लेने पर भड़का आक्रोश, अफसरशाही के रवैये पर उठे

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सतना में प्रशासनिक कार्यशैली को लेकर व्यापारियों में नाराजगी सामने आई है पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत अपनी मांगों और समस्याओं का ज्ञापन सौंपने पहुंचे व्यापारियों को उस समय आक्रोश का सामना करना पड़ा, जब उनके अनुसार कमिश्नर ने ज्ञापन लेने के लिए मुलाकात नहीं की व्यापारियों ने आरोप लगाया कि अधिकारी उनसे मिलने के बजाय कार्यालय से चले गए जिससे नाराज होकर उन्होंने विरोध जताया व्यापारी संगठन के प्रतिनिधि अपनी विभिन्न मांगों और समस्याओं को लेकर कमिश्नर कार्यालय पहुंचे थे व्यापारियों का कहना है कि वे पहले से तय कार्यक्रम के अनुसार ज्ञापन देने आए थे लेकिन कार्यालय पहुंचने पर उन्हें अपेक्षित सहयोग नहीं मिला व्यापारियों ने आरोप लगाया कि प्रशासनिक अधिकारियों का जनता और जनप्रतिनिधियों से संवाद नहीं होना चिंताजनक स्थिति है घटना के बाद व्यापारियों ने कार्यालय परिसर में नाराजगी जताते हुए प्रशासनिक रवैये पर सवाल उठाए उनका कहना था कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में जनता की समस्याओं को सुनना अधिकारियों की जिम्मेदारी है यदि अधिकारी ही लोगों से दूरी बनाएंगे तो समस्याओं का समाधान कैसे होगा व्यापारियों ने यह भी कहा कि इससे पहले शहर के जनप्रतिनिधियों द्वारा भी कमिश्नर की कार्यशैली को लेकर आपत्तियां दर्ज कराई जा चुकी हैं महापौर और पार्षदों द्वारा उठाए गए मुद्दों का हवाला देते हुए व्यापारियों ने कहा कि लगातार शिकायतों के बावजूद स्थिति में सुधार नहीं होना चिंता का विषय है वहीं, इस मामले में प्रशासनिक पक्ष सामने नहीं आ सका है। व्यापारियों ने मांग की है कि अधिकारियों और आम जनता के बीच संवाद की व्यवस्था मजबूत की जाए, ताकि समस्याओं का समय पर निराकरण हो सके घटना के बाद शहर में प्रशासनिक कार्यप्रणाली को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं व्यापारियों का कहना है कि जनहित से जुड़े मामलों में अधिकारियों को संवेदनशीलता के साथ जनता की बात सुननी चाहिए उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि समस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो आगे भी लोकतांत्रिक तरीके से आंदोलन किया जाएगा।

घूरडांग की सड़क पर भारी वाहनों के संचालन पर रोक की मांग, क्षेत्रवासियों ने सौंपा ज्ञापन

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। घूरडांग जन सुरक्षा मोर्चा के तत्वावधान में वार्ड क्रमांक 11 के क्षेत्रवासियों ने घूरडांग की मुख्य सड़क से यूनिवर्सल केबिल्स लिमिटेड के भारी एवं व्यावसायिक वाहनों के आवागमन पर रोक लगाने की मांग को लेकर जिला प्रशासन को ज्ञापन सौंपा मोर्चा के संयोजक महेंद्र सिंह परिहार के नेतृत्व में क्षेत्रवासियों ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर डिप्टी कलेक्टर एल.आर. जांगड़े को ज्ञापन दिया। ज्ञापन में बताया गया कि घूरडांग की मुख्य सड़क संकरी और घनी आबादी वाले क्षेत्र से होकर गुजरती है। इस मार्ग पर कई विद्यालय संचालित हैं जहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में विद्यार्थियों और नागरिकों का आवागमन होता है क्षेत्रवासियों का कहना है कि इस सड़क से लगातार भारी ट्रकों और व्यावसायिक वाहनों के गुजरने से दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ गया है साथ ही धूल, ध्वनि प्रदूषण और सड़क खराब होने जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है ज्ञापन में मांग की गई कि भारी वाहनों के आवागमन पर तत्काल रोक लगाई जाए फैक्ट्री के लिए वैकल्पिक मार्ग निर्धारित किया जाए, क्षतिग्रस्त सड़क की मरम्मत कराई जाए और धूल नियंत्रण के लिए नियमित पानी का छिड़काव कराया जाए इस अवसर पर मोर्चा के संरक्षक डॉ. अमित सिंह एवं रितेश त्रिपाठी सहित बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी मौजूद रहे उन्होंने कहा कि नागरिकों की सुरक्षा सर्वोपरि है और प्रशासन से शीघ्र समाधान की अपेक्षा है कार्रवाई नहीं होने पर शांतिपूर्ण आंदोलन की चेतावनी भी दी गई।

दुग्ध समृद्धि संपर्क अभियान का तृतीय चरण 21 जुलाई तक पशुपालकों को नस्ल सुधार, पोषण एवं पशु स्वास्थ्य संबंधी दी जाएगी जानकारी

मीडिया ऑडीटर, मैहर (निप्र)। मध्यप्रदेश शासन के पशुपालन एवं डेयरी विभाग के निर्देशों के परिपालन में जिले में दुग्ध समृद्धि संपर्क अभियान के तृतीय चरण का आयोजन 13 जुलाई 2026 से 21 जुलाई 2026 तक किया जा रहा है इस अभियान का मुख्य उद्देश्य जिले में दुग्ध उत्पादन की गुणवत्ता एवं उत्पादकता में सुधार लाना है इसके अंतर्गत पशुपालकों को तीन प्रमुख स्तंभों नस्ल सुधार, पशु पोषण एवं पशु स्वास्थ्य के संबंध में जागरूक किया जाएगा अभियान के दौरान सहायक पशु चिकित्सा क्षेत्र अधिकारी, मैत्री कार्यकर्ता, कृत्रिम गर्भाधान कार्यकर्ता, गौसेवक एवं पशु सखी ग्राम स्तर पर भ्रमण करेंगे अभियान के अंतर्गत 3 से 4 गौवंशीय एवं भैंसवंशीय पशु रखने वाले पशुपालकों के घर-घर जाकर संपर्क किया जाएगा इस दौरान उन्हें विभाग द्वारा उपलब्ध कराई गई सूची के आधार पर सत्यापन कार्य भी किया जाएगा तथा पशुपालकों को पशुपालन से संबंधित आवश्यक तकनीकी जानकारी एवं मार्गदर्शन प्रदान किया जाएगा कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट मैहर बिदिशा मुखर्जी द्वारा जारी आदेशानुसार अभियान के सफल क्रियान्वयन हेतु जिला स्तर से लेकर विकासखंड स्तर तक अधिकारियों को पर्यवेक्षण की जिम्मेदारी सौंपी गई है जिसके अंतर्गत मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत मैहर द्वारा जिले के न्यूनतम 3 ग्रामों का भ्रमण कर पर्यवेक्षण किया जाएगा अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) अपने-अपने क्षेत्र के प्रत्येक विकासखंड के कम से कम 4 ग्रामों का निरीक्षण करेंगे। मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जनपद पंचायत (समस्त) द्वारा भी प्रत्येक विकासखंड में न्यूनतम 4 ग्रामों का भ्रमण कर निगरानी की जाएगी उप संचालक पशुपालन एवं डेयरी विभाग मैहर द्वारा जिले के प्रत्येक विकासखंड के कम से कम 2 ग्रामों का भ्रमण कर जानकारी का सत्यापन किया जाएगा कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया है कि अभियान को गंभीरता से संचालित करते हुए अधिक से अधिक पशुपालकों तक पहुंच बनाई जाए तथा उन्हें वैज्ञानिक पद्धतियों से पशुपालन के लिए प्रेरित किया जाए जिससे जिले में दुग्ध उत्पादन में वृद्धि हो सके।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया प्रकाशन रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय प्रभात बिहार कॉलोनी सतना से प्रकाशित, संपादक संदीप द्विवेदी आर.एन.आई नं.एमपीएचआईएन/2021/81683
प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9407132714, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार, सभी विवादो का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।